केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा-भारत से हर घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा - 12

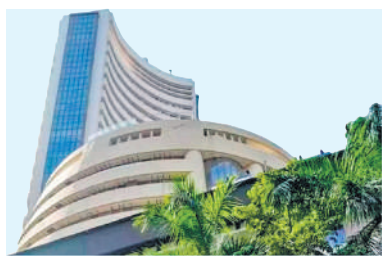

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 400 अंक लुढ़का - 12

जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए बने न्यायसंगत वैश्विक परिवर्ती तंत्र - 13

मंधाना ने संगीतकार पलाश मुच्छल के साथ सगाई की पुष्टि की - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वितीया 05:11 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 22 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 363, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

जी-20 सम्मेलन में शामिल होंगे मोदी द. अफ्रीका पहुंचे

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को जोहानिसबर्ग पहुंचे। गौतेंग स्थित वाटरलूफ वायुसैनिक अड्डे (एएफबी) पर उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। इस मौके पर कलाकारों ने सांस्कृतिक गीत और नृत्य पेश किया। जी20 शिखर सम्मेलन में वह 'वसुधैव कुटुंबकम' तथा 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' की भावना के अनुरूप भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे। शिखर सम्मेलन से इतर मोदी के जोहानिसबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है।

एसआईआर को चुनौती वाली याचिकाओं पर आयोग को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने केरल, यूपी और दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए शुक्रवार को सहमति जताई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न आधार पर एसआईआर की कवायद को चुनौती देने वाली विभिन्न राजनीतिक नेताओं की सभी नई याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया।

केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाले एक याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ

- केरल व दूसरे राज्यों की ओर से दाखिल याचिकाओं पर शीर्ष कोर्ट करेगी सुनवाई

अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव भी होने हैं और इसलिए, इस मामले में तत्काल विचार की आवश्यकता है। पीठ ने निर्देश दिया कि केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 26 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए और दूसरे राज्यों में इस कवायद को चुनौती देने वाली बाकी याचिकाओं पर दिसंबर के पहले या दूसरे हफ्ते में सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यह अच्छी बात है कि अब निजी व्यक्तियों के बजाय राजनीतिक दल इस प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए आगे आ रहे हैं। शीर्ष अदालत पहले से ही पूरे भारत में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

एसआईआर ड्यूटी से तंग बीएलओ ने की आत्महत्या

कोडीनार (गुजरात)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में शुक्रवार को मतदाता सूची के एसआईआर के कार्य में लगे एक स्कूल शिक्षक, जो बीएलओ के रूप में तैनात थे, ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का दावा है कि उन्होंने एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें मानसिक तनाव और कार्य के दबाव को आत्महत्या की वजह बताया गया। एक अधिकारी ने बताया कि शिक्षक अरविंद वढेर ने सुबह करीब साढ़े छह बजे कोडीनार तालुका के देवली गांव स्थित अपने घर में फांसी लगा ली। सुसाइड नोट में वढेर ने इस कदम के लिए एसआईआर की ड्यूटी को जिम्मेदार ठहराया। वधेर ने नोट में लिखा, अब मेरे लिए एसआईआर का यह काम करना असंभव है। मैं पिछले कुछ दिनों से थका हुआ और मानसिक रूप से तनावग्रस्त महसूस कर रहा हूं। कृपया हमारे बेटे का ख्याल रखें।

ब्रीफ न्यूज

48 घंटे में 800 साइबर अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने साई-हॉक नामक 48 घंटे के अभियान में 4,400 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की और विभिन्न साइबर अपराध मॉड्यूल से जुड़े 800 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया या उन्हें कानूनी नियंत्रण के तहत रखा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के साथ निकट समन्वय में चलाए गए अभियान के तहत साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क, नकदी-निकासी एजेंटों और राष्ट्रीय राजधानी में संचालित अवैध कॉल सेंटरों को लक्षित किया गया। उन्होंने कहा कि अन्य 509 लोगों को साइबर-धोखाधड़ी नेटवर्क के साथ उनके संदिग्ध संबंधों के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत नोटिस जारी किया गया है।

एलओसी से हथियार गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को एलओसी के पास एक ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद कर एक संभावित आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। बरामद हथियारों में एम-सीरीज की दो असॉल्ट राइफल भी शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा क्षेत्र में एलओसी के पास नीरियान वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया।

नए श्रम कानून लागू, फैक्ट्रियों में 12 दुकानों में 10 घंटे करना होगा काम

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा- श्रम संहिताएं रोजगार को देंगी संगठित रूप

नई दिल्ली, एजेंसी।

सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में सभी चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया। इस प्रमुख सुधार के जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है। इसमें गिग यानी अल्पकालिक अनुबंध पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज, सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य नियुक्ति पत्र और सभी क्षेत्रों में वैधानिक न्यूनतम मजदूरी तथा समय पर भुगतान जैसे प्रावधान शामिल हैं।

साथ ही लंबे कार्य घंटे, व्यापक निश्चित अवधि के रोजगार और नियोक्ता-अनुकूल छंटनी नियमों की अनुमति भी है, जिसकी श्रमिक संगठनों ने आलोचना की है। ये चार श्रम संहिताएं - वेतन संहिता- 2019, औद्योगिक संबंध संहिता- 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता- 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता-2020 हैं। इन्हें पांच साल पहले संसद ने पास किया था। चार संहिताओं में 29 श्रम कानून शामिल किए गए हैं। वेतन संहिता में चार, सामाजिक सुरक्षा संहिता में नौ, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता में 13 और औद्योगिक संबंध संहिता में तीन कानूनों को मिलाया गया है। श्रमिक संगठनों ने छंटनी संबंधी अस्पष्ट प्रावधानों और केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वयन के दौरान संभावित मनमाने व्यवहार को लेकर इन संहिताओं की आलोचना की है। श्रम संहिताओं में बंदी, छंटनी या लागत कटौती के लिए अनिवार्य सरकारी अनुमति की सीमा बढ़ा दी गई है। मौजूदा प्रावधान में 100 या अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को सरकारी अनुमति की जरूरत थी। अब यह सीमा 300 श्रमिकों तक बढ़ा दी गई है। फैक्टरियों में काम के घंटे नौ से बढ़ाकर 12 घंटे और दुकानों तथा प्रतिष्ठानों में नौ घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे कर दिए गए हैं। देश के 10 मजदूर संगठनों के एक संयुक्त मंच ने गए श्रम सुधारों की निंदा की है और इस कदम को कर्मचारी विरोधी बताते हुए कहा कि यह नियोक्ताओं का समर्थन करता है। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब ये देश का कानून हैं, जो श्रम संहिताएं रोजगार को संगठित रूप देंगी।

- सुधार के माध्यम से 29 मौजूदा श्रम कानून बनाए तर्कसंगत
- 300 श्रमिकों की बिना परमिशन की जा सकेगी छंटनी
- केंद्र के ऐतिहासिक फैसले की श्रमिक संगठनों ने की आलोचना

लाभकारी अवसरों की मजबूत नींव का काम करेंगी श्रम संहिता : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि ये संहिताएं हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल तथा लाभकारी अवसरों की मजबूत नींव का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि यह श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाला तथा भारत की आर्थिक वृद्धि को मजबूत करने वाला भविष्य के लिए तैयार परिवेश बनाएगा। ये सुधार रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगे, उत्पादकता को गति देंगे।

ये हैं चार श्रम संहिताएं

● वेतन संहिता- 2019, ● औद्योगिक संबंध संहिता- 2020, ● सामाजिक सुरक्षा संहिता- 2020 ● व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता- 2020

दुबई एयरशो में तेजस क्रैश, विंग कमांडर शहीद

- दो वर्षों में स्वदेशी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान से जुड़ी यह दूसरी दुर्घटना
- दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन करेगी आईएएफ

नई दिल्ली/दुबई, एजेंसी

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का एक लड़ाकू विमान तेजस शुक्रवार को दुबई एयरशो के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट शहीद हो गया। पिछले दो वर्षों में स्वदेशी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान से जुड़ी यह दूसरी दुर्घटना है। शहीद पायलट की पहचान विंग कमांडर नमांश स्याल (35) के रूप में हुई है। वह हिमाचल प्रदेश के निवासी थे। उनकी पत्नी भी एयरफोर्स में ही कार्यरत हैं।

दुर्घटना के वीडियो फुटेज में विमान को अचानक ऊंचाई से गिरते और फिर आग के एक गोले में बदलते देखा जा सकता है। दुबई वर्ल्ड सेंट्रल स्थित अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ऊपर काला धुआं छा गया, तथा भयभीत दर्शक बड़ी संख्या में बाड़बंद हवाई पट्टी के पीछे एक विशाल स्टैंड क्षेत्र में एकत्र हो गए। भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा, आईएएफ को इस हादसे में हुए जानमाल के नुकसान पर बहुत दुख है और वह दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' का गठन किया जा रहा है। विमान बनाने वाली सरकारी एयरोस्पेस कंपनी एचएएल ने कहा कि वह साहसी भारतीय पायलट की जान जाने से बहुत दुखी है। सीडीएस ने भी हादसे पर दुख जताया है।

हवाई प्रदर्शन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ तेजस।

1984 में शुरू हुआ था तेजस विमान का निर्माण

तेजस विमान के निर्माण की परियोजना वर्षों के विचार-विमर्श के बाद अंतत: 1984 में शुरू हुई थी और 2011 में विमान को औपचारिक रूप से उड़ान के लिए उपयुक्त घोषित किया गया। तेजस विमान भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार बनने के लिए तैयार है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। नवंबर 2023 में, मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 97 तेजस विमान के अतिरिक्त बैच की खरीद के लिए प्रारंभिक मंजूरी दी थी।

वीडीओ भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी, छह गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) भर्ती परीक्षा 2018 में धांधली करने वाले छह आरोपियों को ईओडब्ल्यू ने गुरुवार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कुल 173 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें 15 की पहले गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य की तलाश में टीम दबिश दे रही है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में मलिहाबाद मधवापुर कसमंडी का कुलदीप कुमार, बाराबंकी के सफदरगंज स्थित चैला का सूर्य प्रकाश सिंह, वाराणसी के लोहता के भिठारी का रिंकू यादव, जानकीपुरम मौर्या भट्ठा का अजय कुमार यादव, जालौन कालपी स्थित काशीरामपुर का सर्वेश कुमार और बरेली के बरादरी स्थित सुरेश शर्मा नगर पार्ट-3 का निदेश गंगवार शामिल है। वीडीओके 1953 पद की भर्ती का आयोजन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने वर्ष 2018में किया था। परीक्षा कार्यदायी संस्थान टीसीएस लि. द्वारा कराई जा रही थी। परीक्षा में धांधली की शिकायत मिलने शासन ने ईओडब्ल्यू से जांच कराई गई। धांधली की रिपोर्ट आने के बाद विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराया गया। मामले की जांच कर रही ईओडब्ल्यू को दी गई। इसके बाद एसआईटी ने वर्ष 2021 में फिर से अपने थाने में मामला दर्ज किया।

- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से वर्ष 2018 में की गई थी भर्ती
- लखनऊ के विभूतिखंड थाने में दर्ज की गई थी एफआईआर ईओडब्ल्यू की टीम ने की कार्रवाई

आयोग के अधिकारी व टीसीएस की मिली भगत से हुई धांधली

जांच में सामने आया कि इस मामले में उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के तत्कालीन अधिकारी, कर्मचारी, कार्यदायी संस्था टीसीएस लि. द्वारा अन्य संस्थाओं, दलालों व अभ्यर्थियों से मिलीभगत कर लाखों रुपये वसूले गए। इसके बदले में भर्ती की लिखित परीक्षा से संबंधित ओएमआर शीट्स में व्यापक स्तर पर कूटरचना कर अपात्र अभ्यर्थियों को उच्चतम अंक दिया गया। इसके कारण पात्र अभ्यर्थियों का चयन नहीं हो सका। धांधली की पुष्टि होने पर परीक्षा को निरस्त कर दी गई थी। इस मामे में कुल 173 लोगों के खिलाफ साक्ष्य मिले। जिसके बाद उनको मामले का आरोपी बनाया गया। इस मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने 15 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

रुपया 98 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले शुक्रवार को रुपया धराशायी हो गया जब डॉलर के मुकाबले यह 98 पैसे की जोरदार गिरावट के साथ 89 के स्तर को पार कर सर्वकालिक निचले स्तर 89.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

स्थानीय और वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली के दबाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर की जोरदार मांग के कारण रुपये में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बाजार सूत्रों ने कहा कि एआई, प्रौद्योगिकी शेयरों के आसपास हलचल को लेकर चिंताओं से भी निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। विदेशी निधियों की ताजा धननिकासी से भी निराशा और बढ़ गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.67 पर खुला और दोपहर के भारी उतार-चढ़ाव के भंवर में फंस गया। दिन के कारोबार के दौरान रुपये में 88.59 के उच्चतम और 89.66 के निम्नतम स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में, रुपया तीन साल से ज्यादा समय में सबसे बड़ी गिरावट को दर्शाता डॉलर के मुकाबले 98 पैसे गिरकर आखिरकार 89.66 पर बंद हुआ। इससे पहले सबसे बड़ी गिरावट 24 फरवरी, 2022 को देखने को मिली थी जब डॉलर के मुकाबले रुपये में 99 पैसे की गिरावट दर्ज की गई थी।

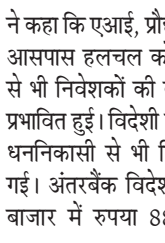

- 89.66 प्रति अमेरिकी डॉलर पर बंद हुआ रुपया

दिल्ली पुलिस बोली, सीएए विरोध का उद्देश्य बांग्लादेश-नेपाल जैसा सत्ता परिवर्तन करना था

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली दंगों में उमर खालिद शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका का किया विरोध

दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका का विरोध करते हुए शुक्रवार को शीर्ष कोर्ट से कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन कोई साधारण धरना नहीं था, बल्कि बांग्लादेश, नेपाल की तरह सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से किया गया था।

पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पीठ को बताया कि दिल्ली दंगे ताहिर हुसैन, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, इशरत जहां और खालिद सैफी सहित कई आरोपियों की संलिप्तता वाली साजिश का नतीजा थे। राजू ने कहा कि षड्यंत्रकर्ताओं ने हिंसा की योजना बनाई, हालात बिगाड़ने और असम को भारत से अलग करने के लिए चक्का जाम किया, तथा दंगाइयों को संगठित किया। उनके मन में संविधान के प्रति सम्मान नहीं है। मामले पर 24 नवंबर को सुनवाई करेगी।

वक्तव्य सीएम ने विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया बड़ा संदेश, कहा-दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है, वहां सतत विकास बेमानी

भारत की सोच निकाल सकती है वैश्विक चुनौतियों का रास्ता : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सोच वैश्विक चुनौतियों का रास्ता निकाल सकती है। जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य के संकट, वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफॉर्म का बेहतर उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है, वहां सतत विकास की बात करना बेमानी है। योगी ने वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को भारत की हजारों वर्षों की परंपरा करार दिया।

वे शुक्रवार को सिटी मॉन्टेसरी स्कूल द्वारा आयोजित मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमें यूएन के घोषणा को स्मरण करना होगा, जिसमें सतत विकास के लक्ष्यों के बारे में दुनिया के देशों से आह्वान किया गया था। इन 16 लक्ष्यों में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा दुनिया में जहां अशांति व अराजकता है, वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर एजुकेशन, स्वास्थ्य व सतत विकास की बात बेमानी सी दिखती है। सभी को इस बारे में विचार करना चाहिए कि कैसे इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब हम दुनिया के अंदर शिक्षा की बात करते हैं तो 250 करोड़ से अधिक बच्चों के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा पर फोकस करते हैं। विचार करना होगा कि बस्ते के बोझ से बच्चे डिप्रेस्ड न हों। उन्होंने कहा कि आज की कोई भी समस्या केवल एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया की समस्या होती है और दुनिया को ही मिलकर ही समाधान निकालना पड़ेगा।

मुख्य न्यायाधीशों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी और अन्य गणमान्य।

वास्तविक समस्या न भूलें

योगी ने कहा कि ये कभी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि विश्व की वास्तविक समस्या क्या है। जब हम तह में जाते हैं तो लगता है कि डायलॉग एक-दूसरे के बीच में नहीं है। स्वयं के वर्चस्व को स्थापित करने के लिए डायलॉग को बाधित किया गया। ये कॉन्फ्रेंस डायलॉग का एक माध्यम है। दुनिया के जाजों के माध्यम से यह मानवता व उन लोगों के लिए भी एक उद्घोषणा है, जिन्होंने वर्चस्व स्थापित करने के लिए अराजकता का वातावरण पैदा करने का प्रयास किया।

वंदे मातरम् की प्रस्तुति

कार्यक्रम की शुरुआत गोमती नगर एक्सटेंशन ब्रांच के स्टूडेंट्स ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की प्रस्तुति से की। छात्र-छात्राओं ने ट्रिनिडाड व टोबैगो, तुवालु, स्वीडन और भारत समेत विभिन्न देशों के प्रतिनिधि के तौर पर अपना पक्ष रखा। क्रोएशिया के पूर्व राष्ट्रपति, लेसोथो के पूर्व प्रधानमंत्री, वर्तमान व पूर्व राष्ट्र प्रमुख, सीएमएस की संस्थापक निदेशक डॉ. भारती गांधी, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के अध्यक्ष डॉ. रोजर किंगडम और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला उपस्थित रहे।

आज का मौसम
25.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.40
सूर्यास्त 05.17

पीटीआर के वेटलैंड दुधवा से बेहतर

मुंबई के विशेषज्ञ ने की जांच, रासयनिक तत्वों समेत पीएच लेबल की मात्रा मिली संतुलित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः विशिष्ट जैव विविधता के लिए देश-दुनिया में ख्याति अर्जित करने वाले पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वेटलैंड्स भी वन्यजीवों के स्वास्थ्य के लिहाज से काफी मुफीद है। इसका खुलासा पिछले दिनों जल स्वच्छता पर दुनिया भर में काम करने वाले मुंबई के जल विशेषज्ञ द्वारा पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वेटलैंड्स के पानी की जांच में हुआ है। जांच में वेटलैंड्स के पानी में रासयनिक तत्वों की मात्रा बेहद संतुलित पाई गई है। वॉटर एक्सपर्ट के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वेटलैंडस दुधवा टाइगर रिजर्व की अपेक्षाकृत बेहतर हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व का जंगल 73 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। पांच रेंजों में विभाजित पीलीभीत टाइगर रिजर्व महज एक दशक में ही देश के शीर्ष टाइगर रिजर्वों में शुमार होने की ओर अग्रसर है। बाघ संरक्षण परियोजना लागू होने के बाद यहां बाघ-तेंदुओं समेत तमाम वन्यजीवों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। दरअसल जंगल का अनुकूल वातावरण और जंगल समेत आसपास क्षेत्र में फैला नदी-नहरों का जाल वन्यजीवों के लिए खासा मुफीद साबित हो रहा है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वेटलैंड्स की बात करें तो यहां 31 सोलरपंप आधारित जलाशय, 10 प्राकृतिक जलाशय और 25 छोटे-बड़े तालाब हैं। ऐसे में यहां वन्यजीवों के लिए खासी पानी की उपलब्धता है। अनुकूल वातावरण, आसानी से शिकार और प्रचुर मात्रा में पानी होने की वजह से ही यहां के जंगल वन्यजीवों के लिए खासे जीवनदायिनी बने हुए हैं। इधर पिछले दिनों इन वेटलैंड्स के पानी की हुई जांच में यह वेटलैड्स स्वास्थ्य के लिहाज से भी वन्यजीवों के खासे सुरक्षित पाए गए हैं।

- **पीटीआर के वेटलैंड्स का पानी वन्यजीवों के स्वास्थ्य के लिहाज से निकले काफी सुरक्षित**

डीडी मनीष सिंह को पानी की शुद्धता की जानकारी देते वाटर एक्सपर्ट यतेंद्र अग्रवाल।

जांच में पानी मिला मानकों के अनुकूल

आईआईटी मुंबई के इंजीनियर यतेंद्र अग्रवाल पिछले दिनों पीलीभीत टाइगर रिजर्व आए थे। यतेंद्र अग्रवाल जल स्वच्छता को लेकर दुनिया के कई देशों में काम कर चुके हैं। उस दौरान उन्होंने जंगल के कुछ जलाशयों के पानी की जांच करने के लिए सैंपल लिये थे। आधुनिक तकनीक से की गई जांच में परिणाम बेहद चौकाने वाले सामने आए। जल विशेषज्ञ यतेंद्र के मुताबिक जांच के दौरान पानी में आयरन, आर्सेनिक, फ्लोराइड आदि रासयनिक तत्वों समेत पीएच लेबल भी बेहद संतुलित और मानकों के अनुकूल पाया गया। खास बात यह है कि शुद्धता के मायने में पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वेटलैंड्स दुधवा टाइगर रिजर्व की अपेक्षा बेहतर और सुरक्षित पाए गए हैं। इससे पूर्व उन्होंने दुधवा में भी पानी की जांच की थी। इस दौरान उन्होंने पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह से मुलाकात की और उन्हें जांच रिपोर्ट सौंपते हुए टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। बता दें कि जलविशेषज्ञ यतेंद्र अग्रवाल जलस्वच्छता के साथ वन्यजीव संरक्षण में भी दिलचस्पी रखते हैं। पिछले दिनों टाइगर रिजर्व में आने के दौरान उन्होंने वनकर्मियों को निशुल्क सोलर लाइटें उपलब्ध कराई थीं।

न्यूज ब्रीफ

किशोरी से छेड़छाड़ विरोध पर धमकाया

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उसकी 14 वर्षीय पुत्री शुक्रवार सुबह कूड़ा डालने जा रही थी। तभी रास्ते में थाना न्यूरिया क्षेत्र के गांव पिपरिया अगरु निवासी रोहित ने रोक कर छेड़छाड़ की। आरोपी इन दिनों उसके गांव में ईंट भट्टे पर काम करता है। शोर मचाने पर आसपास के लोग जमा हुए तो आरोपी भाग गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

पति समेत छह पर एफआईआर दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव अलकथान निवासी राजेंद्रपाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उसने बेटी राजरानी की शादी बरेली के गांव कटैइया आत्माराम निवासी दिनेश से की थी। शादी के बाद से ही पति दिनेश, ससुर रामपाल, सास रामप्यारी, ननद देवकी देवी, ददिया ससुर नोनीराम, ददिया सास मैका देवी अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपये और कार की मांग करने लगे। इसके पूरा न होने पर मारपीट की गई। 30 दिसंबर 2024 को मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति समेत छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

महिला की मौत के मामले में रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : सड़क हादसे में महिला की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की। थाना क्षेत्र के गांव करोड़ निवासी दिनेश कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 16 नवंबर को उसका फुफेरा भाई सूरजपाल घर से मां हीराकली को बाइक से छोड़ने जा रहा था। गांव करोड़ से पहले दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। जिसमें हीराकली की इलाज के दौरान बरेली के अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर अज्ञात चालक पर रिपोर्ट दर्ज की है।

दिव्यांगों की पहचान के लिए शिविर शुरू

अमरिया, अमृत विचार : ब्लॉक संसाधन केंद्र पर दिव्यांग बच्चों की पहचान के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ के निर्देश पर समग्र शिक्षा के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन से छह वर्ष के दिव्यांग बच्चों की समेकित शिक्षा कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के प्रति जागरूक करना है। इसमें बच्चों की सरलता से पहचान के लिए विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। इस मौके पर स्पेशल एजुकेटर संजीव कुमार मिश्रा, नूतन कुमार समेत 30 आंगनबाड़ी और बीआरसी कर्मी मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का प्रशिक्षण शुरू

पीलीभीत, अमृत विचारः ब्लॉक संसाधन केंद्र अमरिया में दिव्यांग बच्चों की पहचान के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू किया गया है। खंड शिक्षाधिकारी उमेन्द्र दत्त त्रिपाठी ने कहा कि प्रशिक्षण की सार्थकता तभी साबित होगी, जब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से इसे धरातल पर उतारें। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन से छह वर्ष के दिव्यांग बच्चों की समेकित शिक्षा कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसमें सरलता से पहचान के लिए विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी जा रही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बताया कि दिव्यांग बच्चों के साथ किस तरह का व्यवहार करें, उनसे उनके परिजनों के बीच किस तरह से समन्वय स्थापित करें। इस मौके पर स्पेशल एजुकेटर संजीव कुमार मिश्रा, नूतन कुमार आदि मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में मेधावियों को किया गया सम्मानित

लकी ड्रा के विजेता को पुरस्कार देते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः चौधरी निहाल सिंह पब्लिक स्कूल/ इंटर कॉलेज/ कृषि (पीजी)कॉलेज का संयुक्त रूप से वार्षिकोत्सव शुक्रवार को मनाया गया। इसकी शुरुआत कार्यक्रम अध्यक्ष ओमप्रकाश शाहजीपुर विभाग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, मुख्य वक्ता मान दुष्यंत कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन करके कराई। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार रहे।

मुख्य अतिथि ने विद्यालय की सराहना की, छात्रों का उत्साह बढ़ाया। प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह ने गत वर्षों में महाविद्यालय से उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं की प्रगति बताई। अतिथियों संग कॉलेज अध्यक्ष कॉलेज अध्यक्ष चौधरी दिग्विजय सिंह ने बीएससी (कृषि) की विश्वविद्यालय टॉपर शिवानी, कॉलेज टॉपर ज्ञानेंद्र कुमार, लक्ष्मण, फैजल रजा सिद्दीकी, कला संकाय में टॉपर अंजली देवी, सरला वर्मा, मोहित सिंह, इंटर कॉलेज की कक्षा 10 के कशिश, छाया, आकाश गंगवार, कक्षा 12 के हिमांशी, कर्मेंद्र, प्रभाकर आदि को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। नौगवां पकड़िया की चेयरमैन संदीप कौर, चीफ प्राक्टर आदेश यादव, कृषि विभागाध्यक्ष कुलदीप गंगवार, इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य यशपाल सिंह, पब्लिक स्कूल की कोऑर्डिनेटर शिवानी कटियार, राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पालीवाल आदि उपस्थित रहे। संचालन दुर्गेश आर्य और अनुराग शर्मा ने किया।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलसंडा

- **बिलसंडा के गांधी स्मारक सुंदर लाल इंटर कॉलेज में हुई संपन्न**

अमृत विचारः बिलसंडा ब्लॉक की एक दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिताएं गांधी स्मारक सुंदर लाल इंटर कॉलेज के मैदान में गुरुवार को हुई। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अटल सिंह जायसवाल ने सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप जला कर शुरुआत कराई।

उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग 600 मीटर दौड़ में कंपोजिट विद्यालय बमरौली के अवधेश प्रथम, उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर अमृत के अजय द्वितीय, उच्च प्राथमिक विद्यालय गाजना कटैया के अनूप तृतीय रहे। बालिका वर्ग में कंपोजिट विद्यालय भदेंगकंजा की पल्लवी प्रथम, उच्च प्राथमिक विद्यालय गौहनिया की तानिया द्वितीय और कंपोजिट विद्यालय नौगावां नवीनगर की राजवती तृतीय रही। 400 मीटर दौड़ बालक वर्ग प्राथमिक स्तर में प्राथमिक विद्यालय लिलहर के अजय प्रथम, प्राथमिक विद्यालय रुरिया धुरिया के प्रियांशु द्वितीय और प्राथमिक पकड़िया ताल्लुके दियोरिया के अभिनय तृतीय, 200 मीटर बालक वर्ग उच्च प्राथमिक स्तर में उच्च प्राथमिक विद्यालय घुंघचईया के अनूप प्रथम, कंपोजिट विद्यालय बमरौली के अंकित द्वितीय, उच्च प्राथमिक विद्यालय गौहनिया के हरिओम तृतीय रहे। उच्च प्राथमिक स्तर 200 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में उच्च विद्यालय पसगवां की अनुराधा प्रथम, उच्च प्राथमिक विद्यालय खजुरिया नवीराम की आंशिका द्वितीय, उच्च प्राथमिक विद्यालय मुड़िया बिलहरा की गौरी तृतीय रहीं। प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में कंपोजिट विद्यालय ताजपुर की शबनम प्रथम, प्राथमिक विद्यालय पैंतबोझी की नीतू द्वितीय, कंपोजिट विद्यालय लिलहर की पायल तृतीय रही। विजेताओं को खंड शिक्षाधिकारी शिव शंकर मौर्य ने सम्मानित किया। गांधी स्मारक सुंदरलाल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र राय, प्राथमिक शिक्षक संघ के गजेंद्र सिंह, उमेश मिश्रा, उमेश गंगवार, अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सूरज पाल सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के रामचंद्र लाल, शिव प्रकाश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

जल्द नए लुक में दिखेगा जिला अस्पताल, 4.50 करोड़ से होगा उद्धार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज का दर्जा मिलने के बाद अब जिला अस्पताल के दिन बहुरने लगे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होने के बाद कैंपस को भी नए लुक देने की तैयारियां पूरी कर ली गई है। वर्षों से जर्जर सड़कों और सीमित सुविधाओं से जूझ रहे इस कैंपस में अब हाइटेक सड़कों के अलावा लाइटिंग, आरामदायक बेंच, आकर्षक फुलवारी और उन्नत ड्रेनेज सिस्टम जैसी सुविधाओं से लैस किया जाएगा। शासन की ओर से स्मार्ट सड़क योजना के तहत 4.50 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। इस परियोजना के लिए उत्तर प्रदेश कारपोरेशन लिमिटेड को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिम्मेदारों ने जल्द ही काम शुरु करने की उम्मीद जताई है।

- **स्मार्ट सड़क योजना के तहत मिला बजट, सड़क से लेकर बेंच और लाइटिंग का होगा कार्य**

जिले की आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए दशकों पहले संयुक्त जिला चिकित्सालय की स्थापना की गई थी। अब जिला संयुक्त चिकित्सालय को मेडिकल कॉलेज का दर्जा मिल चुका है। एक अप्रैल 2023 को प्रथम एलओपी के बाद व्यवस्थाएं मेडिकल कॉलेज को सौंप दी गई, लेकिन मेडिकल कॉलेज बनने के बाद भी जिला अस्पताल कैंपस की स्थिति नहीं सुधर सकी। कैंपस की टूटी सड़कें और जर्जर भवन ऐसे ही बने हुए हैं।

ओपीडी बढ़ने के बाद भी यहां तीमारदारों के बैठने के लिए बेंच आदि की कोई सुविधा नहीं है। पूर्व में जिला अस्पताल के जिम्मेदारों ने प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने शासन को प्रस्ताव भेजा। जिस पर शासन ने स्वीकृति दी है। जिला अस्पताल कैंपस के सौंदर्यीकरण के लिए 4.50 करोड़ का बजट मिला है। मुख्य द्वार से लेकर कैंपस की समस्त सड़कें बनाई जाएंगी। सड़क किनारे फुटपाथ और फुलवारी लगाई जाएगी। सड़कें बनने से मरीजों को कोई परेशानी नहीं होगी। पार्कों का भी सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। ताकि मरीज व तीमारदार वह राहत महसूस कर सके। इस कार्य की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश कारपोरेशन लिमिटेड को जिम्मेदारी मिली है,

बेंच और लगेगी लाइट, अंडरग्राउंड होगी लाइन

सड़क के अलावा कैंपस में सुरक्षा के लिहाज से समस्त बिजली की लाइन को अंडरग्राउंड बिछाया जाएगा। यह कार्य भी इस संस्था के द्वारा ही कराया जाएगा। इतना ही नहीं ओपीडी में भीड़ भाड़ होने के कारण मरीज व तीमारदारों के बैठने के लिए पूरे कैंपस और पार्क में बेंच भी लगवाई जाएगी। ताकि लोग आराम कर सके। वहीं फुटपाथ पर आकर्षक हाइटेक लाइटें भी लगाई जानी हैं, जिससे अस्पताल जगमगा उठेगा।

> जिला अस्पताल की सड़कें लंबे समय से बदहाल थी। अब शासन की ओर से कैंपस का सौंदर्यीकरण करने के लिए 4.50 करोड़ का बजट जारी किया है। जिससे सड़कें, बेंच, लाइटें, फुटपाथ और फुलवारी इत्यादि का कार्य कराया जाना है। बजट रिलीज कर दिया गया है। कार्य का उत्तर प्रदेश कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा कराया जाएगा। जल्द ही कार्य शुरु होगा।
> - **डॉ. संगीता अनेजा**, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज

पीटी डिस्प्ले में अरावली हाउस प्रथम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः बेनहर पब्लिक स्कूल की प्राइमरी विंग के बच्चों ने दो दिवसीय एथलेटिक मीट में उत्साह के साथ भाग लिया। एक्टिविटीज इंचार्ज रोशनी बग्गा ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। हेडमिस्ट्रेस प्राइमरी रचना वाधवा के दिशा-निर्देशन में इसे शुरू कराया गया। मुख्य अतिथि डिजिटल मनोरंजन चैनल नेटफ्लिक्स के एनालिस्ट अभय कुमार रहे।

संस्थापिका रंजीत सैहमी, मुख्य अतिथि अभय कुमार, प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी ने गुब्बारे उड़ाकर इसकी शुरुआत कराई। सर्वप्रथम इंटर हाउस पीटी डिस्प्ले प्रतियोगिता हुई, जिसमें अरावली हाउस प्रथम, सतपुरा हाउस द्वितीय और विंध्या हाउस तृतीय रहा। इसके अलावा कक्षा एक से पांच तक के बच्चों की हर्डल रेसे, मल्टी इवेंट रेस, सैक रेस, स्किपिंग रेस, बैलेंस रेस, फ्राग रेस, ड्रैग द बॉल, मेक पिरामिड एंड रन आदि प्रतियोगिताएं कराई गईं। कक्षा पांच की इंटर हाउस रिले रेस में सतपुरा हाउस प्रथम स्थान पर रहा। जिसमें एकमप्रीत, प्रांजल, समृद्ध और विहान शामिल थे। इस मौके पर देव सिंह, अमन सिंह, त्रिलोक चंद्र, राजेंद्र मौर्य, गीता शर्मा, पुष्पा पाल आदि मौजूद रहे। संचालन राजसी ठाकुर, मोनिका अग्रवाल ने किया।

स्कूल की प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

पिंक टॉयलेट का चेयरमैन ने किया उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः जिला जजी में नवनिर्मित पिंक टॉयलेट का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने शुक्रवार को किया।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनील कुमार, अपर जिला जज श्वेता दीक्षित, स्पेशल जज अनु सक्सेना, अपर सिविल जज प्रियंका मौर्या, सिविल जज सौम्या भारद्वाज, अपर जिला जज आतिफ शमीम, सिविल जज आनंद कुमार, अपर सिविल जज तरुण कुमार, जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

फीता काटकर उदघाटन करतीं चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल।

इंटरवेंशनल कार्डियोलाजिस्ट डा.दीपेश अग्रवाल कर रहे अत्याधुनिक विधियों से दिल का इलाज

बिना सीना खोले, बिना बाईपास, एसआरएमएस में दिल का इलाज

दिल्ली और लखनऊ के मुकाबले एसआरएमएस में कम खर्च पर दिल की बीमारियों का सफल इलाज

बरेली: दुनिया में जितनी तेजी से दिल के रोगियों की संख्या बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से उनके उपचार की विधियां भी इजाद हो रही हैं। अत्याधुनिक तकनीक और अत्याधुनिक उपकरण दिल के रोगियों को स्वस्थ कर उनके जीवन को आसान बनाने का काम कर रहे हैं। अत्याधुनिक उपकरणों, तकनीकों से गुणवत्तापूर्ण और सफल इलाज करने की वजह से एसआरएमएस मेडिकल कालेज भी दिल के मरीजों का पसंदीदा सेंटर बन अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चुनिंदा कार्डियोलाजी सेंटर में से एक एसआरएमएस में अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ 24 घंटे कार्डियक इमरजेंसी में मरीजों का उपचार किया जाता है। इसमें यहां के विशेषज्ञ और अनुभवी डाक्टरों की टीम, विश्वस्तरीय 3 कैथ लैब (डीएसए एवं इलैक्ट्रोफिजियोलॉजी तकनीक से युक्त), समस्त अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कार्डियक ऑपरेशन थियेटर, 20 बेड का डेडिकेटेड कार्डियक आईसीयू का भी बड़ा योगदान है। दिल के मरीजों का उपचार करने वाले अनुभवी विशेषज्ञ और नामचीन कार्डियोलाजिस्ट में यहां एक नाम और जुड़ा है। वह है डा.दीपेश कुमार अग्रवाल का। जो एसआरएमएस मेडिकल कालेज में प्रोफेसर हैं। कार्डियोलाजी में एमडी, डीएम की डिग्री के साथ एफएससीएआई, एफआरसीपी करने वाले डा.दीपेश इंटरवेंशनल कार्डियोलाजिस्ट हैं। दिल की बीमारियों के उपचार में 20 वर्ष से ज्यादा का अनुभव रखने वाले डा.दीपेश एमजी मेडिकल कालेज जयपुर में प्रोफेसर रह चुके हैं। डा.दीपेश ने पांच महीने पहले लीडलेस डबल चैंबर पेसमेकर की मदद से बेहद गंभीर मरीज को जीवनदान दिया। लीडलेस डबल चैंबर पेसमेकर से पहली बार रुहेलखंड और उत्तराखंड रीजन में किसी मरीज का सफल उपचार किया गया। इंटरवेंशनल कार्डियोलाजिस्ट होने के नाते डा.दीपेश बिना सीना खोले, बिना बाईपास के एआईसीडी, आईवीयूएस, वॉल्व इम्पलांटेशन (TAVI), डिवाइस क्लोजर समेत अन्य अत्याधुनिक विधियों से मरीजों के इलाज को वरीयता देते हैं। यही वजह है कि दिल्ली और लखनऊ के किसी भी कार्डियोलाजी सेंटर के मुकाबले यहां उनके इलाज पर बेहद कम खर्च आता है।

भीम सिंह के साथ डा.दीपेश कुमार अग्रवाल

एसआरएमएस में रोज होता है दर्जनों मरीजों का एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, लीडलेस डबल चैंबर पेसमेकर, एआईसीडी, IVUS, रोटावेलेशन, FFR, वॉल्व इम्प्लांटेशन-डिवाइस क्लोजर इलैक्ट्रोफिजियोलॉजी जैसी अत्याधुनिक विधियों से इलाज

बेहद गंभीर स्थिति में थे बागेश्वर के भीम सिंह

फौज से सेवानिवृत्त बागेश्वर के भीम सिंह (59 वर्ष) की दिल की धड़कन बेहद कम थी। सिस्टोल और डायस्टोल का संतुलन भी बिगड़ चुका था। बार बार बेहोश हो रहे थे। 20 जुलाई को सुबह साढ़े 6 बजे एसआरएमएस लाए गए। डा.दीपेश ने उपचार शुरू किया। हालत कुछ स्थिर होने पर डा.दीपेश ने पेसमेकर लगाने की सलाह दी और परिजनों की सहमति के बाद लीडलेस डबल चैंबर पेसमेकर लगाया। अब भीम सिंह पूरी तरह स्वस्थ हैं और सामान्य दिनचर्या से जीवन यापन कर रहे हैं।

हार्ट प्राब्लम के साथ जोधा सिंह की किडनी भी थी डैमेज

हार्ट प्राब्लम के साथ हल्द्वानी निवासी जोधा सिंह (65 वर्ष) की किडनी भी डैमेज थी। 6 अक्टूबर को उन्हें एसआरएमएस मेडिकल कालेज लाया गया। जांच के लिए एंजियोग्राफी जरूरी थी, लेकिन एंजियोग्राफी के लिए लगाई जाने वाली डाई से किडनी को ज्यादा नुकसान संभव था। ऐसे में डा.दीपेश ने इंट्रावैस्कुलर अल्ट्रासाउंड IVUS तकनीक से रक्त वाहिकाओं की स्थिति को देखा और इसी की मदद से एंजियोग्राफी कर 99 फीसद ब्लाक दोनों नसों खोला। अब जोधा सिंह पूरी तरह स्वस्थ हैं।

बगैर बाईपास स्टंट लगा कर नसरा बेगम को बचाया

फहेतगंज पश्चिम निवासी नसरा बेगम (60 वर्ष) हार्ट अटैक पड़ा था। गंभीर हालत में सीपीआर देते हुए उन्हें 24 जुलाई को एसआरएमएस लाया गया। मुख्य नस ब्लाक होने से बाईपास जरूरी था। लेकिन उम्र और गंभीर स्थिति के कारण बाईपास में जोखिम ज्यादा देख डा.दीपेश ने स्टंट डालने का फैसला किया। परिजनों की सहमति के बाद स्टंट डाला गया। इसी से नसरा की हालत में सुधार हुआ। बाईपास के बगैर बिना सीना खोले सिर्फ स्टंट से नसरा बेगम उपचार हुआ। अब वो पूरी तरह स्वस्थ हैं।

कार्डियक अरेस्ट में एसआरएमएस पहुंचे मोहन सिंह

खटीमा निवासी मोहन सिंह (70 वर्ष) की स्थिति बेहद गंभीर थी। कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में सीपीआर देते हुए उन्हें 13 सितंबर को एसआरएमएस लाया गया। वेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया (VT) की वजह से हार्ट रेट 200 से ज्यादा थी। बार-बार बेहोश हो रहे थे। आपातकालीन स्थिति में डा.दीपेश ने आटोमैटिक इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफाइब्रिलेटर (AICD) विधि से उनका उपचार किया। मोहन सिंह पूरी तरह सामान्य दिनचर्या से जीवन यापन कर रहे हैं।

प्रशिक्षित एवं अनुभवी डॉक्टर पैनल
- **डॉ अमरेश अग्रवाल**, वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
- **डॉ दीपेश अग्रवाल**, वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
- **डॉ अमित वार्ष्णेय**, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट एवं इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट
- **डॉ विकास दीप गोयल**, वरिष्ठ कार्डियोथोरेसिक सर्जन

SRMS श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल, बरेली ✆ 9458705555
advt

मेडिकल कॉलेज में विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

पीलीभीत, अमृत विचार : स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में शुक्रवार को बायोकैमिस्ट्री विभाग की ओर से डिजिटल ओएसपीई का आयोजन किया गया। आधुनिक तकनीक आधारित इस परीक्षा ने विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान, क्लिनिकल दक्षता और प्रयोगशाला कौशल का समग्र मूल्यांकन किया। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. शिखा सक्सेना ने किया। एक घंटे तक चले इस डिजिटल ओएसपीई में विद्यार्थियों को कई महत्वपूर्ण तकनीकों पर आधारित स्टेशनों से गुजरना पड़ा। इनमें इलेक्ट्रोफोरेसिस, पीएच असेसमेंट, सेंट्रीफ्यूज संचालन, फ्लेबॉटॉमी कौशल, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, बायोहाज़र्ड संकेत एवं ब्लड कलेक्शन के दौरान वैक्युटेनर्स के उपयोग जैसी अहम प्रक्रियाएं शामिल रही। कार्यक्रम में डॉ. ज्योति त्रिवेदी, पवन जोशी और अभिषेक का विशेष योगदान रहा। डिजिटल ओएसपीई दोपहर तीन से चार बजे तक एलटी-2 में आयोजित की गई। प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने कहा कि डिजिटल ओएसपीई आधुनिक चिकित्सा शिक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला अत्यंत प्रभावी माध्यम है। डिजिटल ओएसपीई जैसे नवोन्मेषी मूल्यांकन छात्रों के व्यावहारिक कौशल को मजबूत करते हैं।

शहर में आज

- जिले के सभी थानों में समाधान दिवस का आयोजन सुबह 10 बजे।
- श्रीबालाजी नीम करौली धाम काशीराम कॉलोनी ईदगाह में हवन दोपहर 12 बजे।
- एसआईआर को लेकर शहर समेत कई इलाकों में शिविर सुबह 10 बजे से।
- बरखेड़ा के उच्चतर प्राथमिक विद्यालय में खेल प्रतियोगिता का समापन सुबह 09 बजे से।
- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

महिला की चेन उड़ाई

बीसलपुर, अमृत विचार : बिलसंडा कस्बे से ई- रिक्शा में सवार होकर ग्राम ललौरगुजरानपुर निवासी महिला आ रही थी। वह गले में सोने की चेन पहने हुई थी। इसी दौरान रास्ते में उसके पास बैठी एक अन्य महिला ने मौका पाते ही सोने की चेन पीछे से काट दी। वह ईदगाह चौराहे पर ई -रिक्शा पहुंचने के बाद जैसे ही बाहर निकलने को हुई। चेन उलझ गई। जिसे एक महिला ने उड़ाने की कोशिश की। आरोपी महिला को रंगे हाथों पकड़ा गया। पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।

जेठ ने की मारपीट

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव खगाई की रहने वाली जावित्री देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका जेठ तेजराम उसके हैंडपंप पर गंदगी फैला जाता है। घर में रखी पताई में भी आग लगा दी। इस पर जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट की। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

किशोरी घर से लापता

पीलीभीत,अमृत विचार : गजरौला क्षेत्र के ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 18 नवंबर को दोपहर 3 बजे उसकी 16 वर्षीय पुत्री को मुकेश निवासी ग्राम औरैया जनकपुरी थाना न्यूरिया बहला -फुसलाकर ले गया। उसकी पुत्री को ले जाने में मुकेश की पत्नी लक्ष्मी देवी और गांव के रवि पुत्र लाल और राम कुमार पुत्र कल्याण राय का भी सहयोग रहा। उसने अपनी पुत्री की काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

क्रय केंद्रों पर सुस्त चाल, आंकड़ों में उछाल

21 नवंबर तक जिले में सरकारी क्रय केंद्रों पर खरीदा जा चुका 36892.01 मीट्रिक टन धान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : सरकारी मूल्य पर धान खरीद को 50 दिन पूरे हो चुके हैं। पिछले कुछ दिनों से धान की गुणवत्ता की चेकिंग, उठान की समस्या या फिर कुछ और, सब मिलाकर क्रय केंद्रों पर तौल की सुस्त चाल दिखाई दी। हालांकि खरीद के आंकड़ों में उछाल है। नवंबर के 21 दिनों में 21072.91 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है, जबकि 31 अक्टूबर तक 15819.10 मीट्रिक टन धान खरीदा गया था। फिलहाल अभी तक 36892.01 मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। जिसमें 5523 किसान लाभान्वित किए गए हैं।

जिले में 3 अक्टूबर से धान खरीद शुरू हुई। पहले 132 क्रय केंद्र बनाए गए थे,जिसे बाद में बढ़ाकर 150 कर किया गया। 2.45 लाख मीट्रिक टन के खरीद का लक्ष्य है। 31 अक्टूबर तक 15819.10 मीट्रिक टन खरीद हुई थी। इसके बाद नवंबर में धीरे-धीरे मंडी समिति में धान की आवक कुछ धीमी पड़ गई। क्रय केंद्रों पर खरीदे गए धान का उठान न होने से टिनशेड पट गए और बाहर की तरफ सड़क पर भी बोरियों के ढेर लगा दिए गए हैं। वैकल्पिक व्यवस्था कराई गई है, लेकिन अभी भी तस्वीर पूरी तरह से बेहतर नहीं हो सकी है। पिछले कई दिन से क्रय केंद्रों पर धान की ट्रॉलियां लदी तौल का इंतजार कर रही है। बीच गुणवत्ता मापने के लिए टीम बनाकर सख्ती की गई और बिचौलियों की दस्तक का अंदेशा भी जताया गया। कुछ केंद्र प्रभारी वारदाना न होने के बहाने तौल से बचते दिखाई दिए, जबकि अधिकारी स्पष्ट कहते रहे कि वारदाना की कोई कमी नहीं है। अधिकारियों की मानें तो अभी करीब पांच लाख बोरे यानी पर्याप्त वारदाना उपलब्ध है। इन सबके बीच अब 21 नवंबर तक 36892.01 मीट्रिक टन धान क्रय केंद्रों पर खरीदा जा चुका है। ऐसे में नवंबर के 21 दिन में अक्टूबर से अधिक 21073.91 मीट्रिक टन की खरीद की गई। इसमें 5523 किसान लाभान्वित हुए। वहीं, किसानों का 94 प्रतिशत भुगतान भी किया जा चुका है। कुछ किसानों के बैंक खाते एनपीसीआई मैपिंग नहीं है। इसके लिए उन्हें बैंक भेजकर मैपिंक कराकर पीएफएमएस पोर्टल पर प्रोसेस कराते हुए भगतान कराया जा रहा है। 24231 किसानों द्वारा धान पंजीकरण कराया जा चुका है, जिसमें से 80 फीसदी का तहसील स्तर से सत्यापन करने का दावा किया गया है।

मंडी समिति में खरीदे गए धान से पटे टिनशेड। ● अमृत विचार

किस एजेंसी ने कितनी की खरीद

एजेंसी	लाभान्वित किसान	खरीद (मीट्रिक टन में)
खाद्य विभाग	1702	11547 .5
पीसीएफ	1143	7502 .6
यूपीएसएस	1227	8428 .4
पीसीयू	1018	6510 .7
मंडी समिति	260	1701 .1
खाद्य निगम	173	1201 .8

- **5523 किसान किए जा चुके लाभान्वित, 80.37 करोड़ हो चुका भुगतान**

शासन की मंशा के तहत धान खरीद कराई जा रही है। अभी तक 5523 किसानों से करीब 37 हजार मीट्रिक टन धान क्रय हो चुका है। 94 प्रतिशत किसानों का भुगतान कर चुके हैं। वारदाना की कहीं कोई कमी नहीं है। पूर्व में कार्रवाईयां भी की गई हैं। – **विजय कुमार शुक्ला,** जिला खाद्य विपणन अधिकारी

एक बिचौलिये पर एफआईआर, 51 केंद्र प्रभारियों का वेतन रोका

50 दिन पूरे कर चुकी सरकारी धान खरीद के बीच कई बार गड़बड़ियां उजागर हुई। जिसे लेकर सवाल उठाए गए। इस दौरान कार्रवाइयां भी की गई है। आंकड़ों के अनुसार, पूरनपुर तहसील में सक्रिय एक बिचौलिये पर एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। 51 धान क्रय केंद्र प्रभारियों का एक दिन का वेतन भी रोका जा चुका है। पीसीयू, पीसीएफ और यूपीएसएस के जिला प्रबंधक को डीएम के स्तर से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। छह धान क्रय केंद्र प्रभारियों को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि व कठोर दंडात्मक कार्रवाई के लिए नियुक्त प्राधिकारी को संस्तुति आख्या भी भेजी गई है। खाद्य विभाग के चार धान क्रय केंद्र प्रभारियों को ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज न करने के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया।

बिना लाइसेंस शराब पार्टी की सूचना पर मारा छापा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **ब्रह्मचारी घाट मार्ग के पास गुरुवार रात हुई कार्रवाई से मची खलबली**

अमृत विचार: ब्रह्मचारी घाट मार्ग पर एक फार्म हाउस में बिना लाइसेंस भीड़ जुटाकर शराब पार्टी करने और विदेशी व अन्य राज्यों की शराब भी लाने की सूचना के बाद खलबली मच गई। आबकारी विभाग की टीम ने पुलिस बल के साथ दबिश दी तो हड़कंप मच गया। पुलिस के हूटर सायरन की आवाज गूंजी तो आसपास के लोग भी जमा हो गए।काफी देर तक जांच पड़ताल चली। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि लाइसेंस के बिना इस तरह से आयोजन न करने की हिदायत दे दी गई थी। मौके पर बाहरी शराब नहीं मिली।

गुरुवार रात शहर के व्यापारी की वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर ब्रह्मचारी घाट मार्ग पर स्थित फार्म हाउस (निजी जगह) पर पार्टी रखी गई थी। जिसमें परिचित व रिश्तेदार शामिल हुए थे। इसी बीच आबकारी अधिकारी को सूचना मिली कि संबंधित स्थान पर बिना लाइसेंस के ही शराब पार्टी का आयोजन किया जा रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश के बाहर की शराब बड़ी मात्रा में लाए जाने की बात कही गई। जिसके बाद आबकारी विभाग सक्रिय हुआ। पुलिस बल के साथ आबकारी निरीक्षक दीपक कुमार ने छापामारी कर दी। बताते हैं कि तीन चार वाहनों से टीम पहुंची और सायरन गूंजे तो खलबली मच गई। आसपास के लोग भी जमा हो गए। टीम काफी देर तक जांच पड़ताल करती रही। फिर टीम ने सूचना को गलत करार दिया। हालांकि बिना लाइसेंस के इस तरह के आयोजन न करने की चेतावनी दी।

जारी किया जा रहा अस्थायी लाइसेंस

आबकारी निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि मौके पर छह बोतल शराब मिली थी। जिसे स्कैनर से चेक किया गया, वह यूपी की ही थी। बाहरी शराब नहीं मिली थी, न ही कोई शराब उस वक्त पी रहा था। ऐसे में लाइसेंस बनवाने के बाद ही इस तरह का आयोजन करने के लिए कह दिया गया था। अब अस्थाई बार का लाइसेंस जारी किया जा रहा है। इसमें 4500 रुपये का शुल्क जमा करना होता है। फिलहाल मामले में कोई अपराध नहीं बनता, इसलिए कार्रवाई नहीं की गई है।

गोकशी रोकने में नाकाम इंस्पेक्टर घुंघचिहाई को किया निलंबित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **एसपी ने डीआईजी के आदेश पर देर शाम की कार्रवाई, विभाग में खलबली**
- **72 घंटे के भीतर मदारपुर में हुई थी दो घटनाएं, एक तस्कर को मुठभेड़ में किया था गिरफ्तार**

अमृत विचार: 72 घंटे में मदारपुर गांव में दो बार हुई गोकशी की घटना का मुठभेड़ में गोमांस तस्कर को गिरफ्तार कर खुलासा कर दिया गया। मगर, घटनाएं रोकने में नाकामी और लापरवाही इंस्पेक्टर घुंघचिहाई प्रकाश सिंह को भारी पड़ गई। आखिरकार उन पर गाज गिर गई।

एसपी ने घुंघचिहाई इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है। उनके स्थान पर जयशंकर को तैनाती दी गई । बताते हैं कि ये कार्रवाई डीआईजी के आदेश पर की गई है। बता दें कि घुंघचिहाई थाना क्षेत्र के मदारपुर गांव में गोमांस तस्कर सक्रिय हुए थे। 14 नवंबर को गन्ने के खेत में अवशेष मिलने पर अज्ञात के खिलाफ थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। इसका खुलासा हो नहीं सका था कि 72 घंटे के भीतर 16 नवंबर को दोबारा कुछ दूरी पर गोकशी कर दी गई थी। जिसके बाद विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर नाराजगी जताई थी। आंदोलन करने की भी चेतावनी दी गई थी। एएसपी विक्रम दहिया, सीओ पूरनपुर प्रतीक दहिया भी मौके पर गए थे और तीन टीमें खुलासे को गठित की गई थी। 17 नवंबर को घुंघचिहाई पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक तस्कर को गिरफ्तार किया था, उसके पैर में गोली भी लगी थी। इसके बाद जिम्मेदार मान रहे थे कि अब उन पर गाज नहीं गिरेगी। मगर, कार्रवाई तय मानी जा रही थी। बरेली रेंज के डीआईजी अजय कुमार साहनी ने भी नाराजगी जताई थी। शुक्रवार को डीआईजी के आदेश पर एसपी अभिषेक यादव ने इंस्पेक्टर घुंघचाई प्रकाश सिंह को निलंबित कर दिया है। अभी उनके स्थान पर जयशंकर को तैनात करके गोतस्कर पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी दी गई है।

74 वाहनों का चालान, जुर्माना भी डाला

पीलीभीत, अमृत विचार: यातायात माह नवंबर के तहत जागरूकता और कार्रवाई को लेकर पुलिस ने कई जगह चेकिंग की। वाहन चालकों, छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरुक किया। प्रमुख मार्गों, बस अड्डों व भीड़ वाले क्षेत्रों में अतिक्रमण हटवाते हुए विशेष चेकिंग अभियान चलाया। गया चौराहो पर छात्र/ छात्राओं एवं अन्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया व नियमों का पालन करने की अपील की । नियमों का उल्लंघन करने पर 74 चालान करते हुए 67000 रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया । इस दौरान 22 डग्गामार वाहनों पर भी कार्रवाई की गई।

बच्चों से भरी मैजिक खाई में गिरी

कार्यालय संवाददाता,पीलीभीत

- **माधोटांडा मार्ग पर अचानक बंदरों का झुंड आने से हादसा**
- **जमुनिया से बच्चों को लेकर आ रही थी मैजिक , सात घायल**

अमृत विचार : स्कूली बच्चों को लेकर आ रही मैजिक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में चली गई और पेड़ से टकरा गई। वाहन के परखच्चे उड़ गए और जिससे बच्चे घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया। सूचना पर पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। एआरटीओ ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जिसमें सामने आया कि अचानक बंदरों का झुंड आगे आने से मैजिक अनियंत्रित हो गई थी।

कलीनगर तहसील क्षेत्र के ग्राम जमुनिया निवासी जय शिव, कनक शर्मा पुत्री कुलदीप शर्मा, चेतन तिवारी पुत्र तरुण तिवारी, अंशुमन शर्मा पुत्र देवेंद्र शर्मा, दिव्यांशी भास्कर पुत्री रामसनेही भास्कर, अर्पणा शर्मा और अक्षय सभी पीलीभीत के एक निजी स्कूल में पढ़ते हैं। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े सात बजे चालक सचिन शर्मा बच्चों को मैजिक से स्कूल ला रहा था। माधोटांडा–पीलीभीत मार्ग पर सिद्ध बाबा स्थल के पास पहुंचते ही मैजिक अनियंत्रित हो गई। जिससे मैजिक सड़क नीचे खाई में जा गिरी। बताते हैं कि अचानक बंदरों का झुंड सड़क के बीच आ गया था, जिसे बचाने के चक्कर में हादसा हो गया। वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और बच्चे घायल होकर फंस गए। कुछ ही देर में लोग जमा हो गए।पुलिस भी मौके पर पहुंच गए। घायल बच्चों को अस्पताल भिजवाया गया। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे और जांच की। चालक से हादसे की जानकारी ली। जिसमें उसने बताया कि मैजिक के आगे बंदरों का अचानक झुंड आ गया था। जब तक वह मैजिक कंट्रोल कर पाता, वाहन खाई में चला गया। एआरटीओ का कहना है कि वैन स्कूल में पंजीकृत है। फिलहाल चालक को हिदायत दी गई है कि वह वाहन सावधानी पूर्वक चलाए।

हादसे के बाद मौके पर क्षतिग्रस्त मैजिक।

27 केंद्रों पर उर्वरक बिक्री में गोलमाल का अंदेशा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **भारत सरकार की ओर से गत दिनों की गई समीक्षा में पकड़ी गई रात आठ बजे के बाद बिक्री**
- **जिला कृषि अधिकारी ने नियमों का पालन कराने के लिए जारी किए आदेश, जांच भी शुरू**

अमृत विचार : भारत सरकार की ओर से उर्वरकों की बिक्री की समीक्षा की गई तो जिले के 57 उर्वरक बिक्री केंद्र रडार पर आ गए। इनमें रात 8 बजे के बाद भी बिक्री मिली है, जो कि नियमानुसार गलत है। इसे लेकर जांच शुरू करा दी गई है। जिला कृषि अधिकारी ने आगे के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं।

बता दें कि 19 नवंबर को भारत सरकार के द्वारा उर्वरकों की बिक्री को लेकर समीक्षा की गई। जिसमें सामने आया कि जिले के 57 उर्वरक बिक्री केंद्र / सहकारी समितियों द्वारा कुल बिक्री का दस फीसदी शाम 8 बजे के बाद किया है। 21 उर्वरक विक्रेताओं का 20 फीसदी, चार उर्वरक विक्रेताओं का कुल उर्वरक बिक्री का 50 फीसदी संभार की बिक्री रात आठ बजे के बाद की है, जबकि रात में बिक्री किया जाना औचित्यहीन है। ऐसे में उर्वरकों की रात्रि के वक्त कालाबाजारी का अंदेशा प्रतीत हो रहा है। जिसे लेकर जांच भी शुरू करा दी गई है। जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल ने इसे लेकर समस्त थोक उर्वरक विक्रेता, फुटकर विक्रेता, सहकारी समिति, कृषक सेवा केंद्र, इफको एवं कृभको बिक्री केंद्र आदि को जिम्मेदारों को निर्देशित किया है। उन्होंने बताया कि उर्वरकों की बिक्री सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक ही की जाए। इसके बाद बिक्री को कालाबाजारी मानते हुए सख्त एक्शन लिया जाएगा। अगर किसी भी विक्रेता द्वारा पीओएस मशीन से उर्वरकों की बिक्री केंद्र के बाहर की जाती है तो सख्त कार्रवाई होगी।

समाधि पर दीपक जलाने गई महिला से बेटे ने किया दुष्कर्म

बरखेड़ा, अमृत विचार: पिता की समाधि पर दीपक जलाने के बहाने एक युवक 45 वर्षीय मां को खेत की तरफ ले गया। आरोप है उसने मां के साथ दुष्कर्म किया। किसी तरह महिला बेटे से बचकर घर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने बरखेड़ा थाने पहुंचकर तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस आरोपी पुत्र की तलाश में जुटी हुई है।

पीड़िता ने बताया उसके पति की मौत हो चुकी है। वह बेटे के साथ रहती है। 20 नवंबर की शाम बेटे ने खेत पर स्थित पिता की समाधि पर दीपक जलाने के लिए साथ चलने की बात कही। पहले बेटे ने समाधि पर दीपक रखवाया और उसके बाद उससे दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज की। सीओ बीसलपुर प्रगति चौहान शुक्रवार दोपहर को गांव पहुंची और पीड़िता से मुलाकात कर जानकारी की। पुलिस मामले में कार्रवाई में जुट गई है।

किराना दुकान की जाल काटकर सामान चोरी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : टनकपुर हाईवे पर सड़क किनारे स्थित किराना दुकान में चोरों ने वारदात की। चोर दुकान से करीब 30 हजार रुपये का सामान समेट ले गए। शुक्रवार सुबह घटना की जानकारी मिलने के बाद कोतवाली पुलिस ने मौका मुआयना किया। अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के निरंजनकुंज कॉलोनी निवासी दुर्गा देवल ने बताया कि टनकपुर हाईवे पर कॉलोनी के बाहर किराने की दुकान है। गुरुवार रात वह दुकान बंदकर घर चले गए थे। इसी बीच चोरों ने दुकान में पहले नकब लगाने की कोशिश की।

भीतर शटर लगा होने से नकब नहीं लग सका। फिर चोर शटर के बाहर लगा जाल काट कर दुकान में घुस गए। चोर दुकान से नकदी और अन्य सामान समेत 30 हजार रुपये की चोरी करके ले गए। सुबह दुकान पर पहुंचे दुकान मालिक ने नजारा देखा तो दंग रह गए। सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। फील्ड यूनिट को भी बुलाया गया। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि घटना के खुलासे के प्रयास किए जा रहे हैं।

दुकान में चोरों द्वारा लगाया गया नकब।

- **दीवार के पार शटर लगा होने के बाद जाल काटकर घुसे चोर**

ई-लॉटरी विधि से 19 किसानों का चयन

पीलीभीत,अमृत विचार: सीआरएम एवं एसएमएएम योजना के तहत अनुदान पर कृषि यंत्र लेने वाले किसानों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया। डीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुई ई-लॉटरी प्रक्रिया के दौरान 19 किसानों का चयन किया गया। चयनित किसान अब 40 से 80 फीसदी अनुदान पर कृषि यंत्र ले सकेंगे।

प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्राप रेजिड्यू योजना (सीआरएम) एवं सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मेकेनाइजेशन (एसएमएएम) योजना के अंतर्गत अनुदान पर कंबाइन हार्वेस्टर, बेलर, कस्टम हायरिंग सेंटर, मल्टीक्राप श्रेसर, सुपर सीडर, रोटावेटर, कल्टीवेटर आदि के लिए जनपद भर से किसानों ने ऑनलाइन बुकिंग कराई थी। किसानों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाना था। इधर शुक्रवार को गांधी सभागार में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में ई-लॉटरी प्रक्रिया शुरू की गई।

अब बरखेड़ा पुलिस ने मुठभेड़ में पकड़ा तस्कर, पैर में लगी गोली

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **घुंघचिहाई इंस्पेक्टर के निलंबन के बाद बरखेड़ा पुलिस का एक्शन दूसरा तस्कर भागा**

अमृत विचार: गोकशी की रोकथाम न करने में असफल होने पर घुंघचियाई इंस्पेक्टर के निलंबन के बाद बरखेड़ा पुलिस ने एक गोमांस तस्कर को मुठभेड़ में गिरफ्तार करने का दावा किया।

बता दें कि बरखेड़ा क्षेत्र में भी बीते दिनों बरेली सीमा पर बड़ी मात्रा में गोकशी की गई थी। देवहा नदी में बोरे में पशुओं के अवशेष मिले थे। जिसमें दो आरोपी जेल भी भेजे जा चुके है।

बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम गाजीपुर कुंडा के निकट शुक्रवार रात रपटा पुल के पास पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान नबाबगंज की ओर से आ रहे बाइक सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया। इस पर बाइक सवारों ने वाहन दूसरी तरफ मोड़कर भागने का प्रयास किया। कुछ दूरी पर ही बाइक फिसलकर गिर गई। पुलिस टीम पकड़ने के लिए आगे बढ़ी तो बाइक सवार ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से दो फायर किए। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में आरोपी कामिल उर्फ मुरादी पुत्र गंठा निवासी ग्राम शेरपुर कला थाना पूरनपुर के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लग गयी, जिससे वह घायल हो गया। दूसरा अभियुक्त जावेद उर्फ कांची पुत्र वली हुसैन निवासी मोहल्ला कुरैशियान लाईनपार साहूकारा कस्बा पूरनपुर अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर भगा गया। उसकी तलाश में टीम तलाश करती रही। घायल आरोपी को सीएचसी बरखेड़ा भेजा गया, जहां उसकी स्थिति सामान्य है। घायल कामिल उर्फ मुरादी शातिर गोमांस तस्कर है। उस पर पूरनपुर व अन्य थानो मे पूर्व में कई मुकदमे दर्ज है।

साधु-संतों ने फिर शुरू की भूख हड़ताल

संवाददाता, बीसलपुर

- **ढाकुलिया बाबा स्थान पर पुलिस बल तैनात करने का विरोध**

अमृत विचार: ढाकुलिया बाबा के पास तैनात की गई पुलिस बल के खिलाफ साधु-संतों ने फिर आंदोलन शुरू कर दिया है। भूख हड़ताल शुरू करते हुए धार्मिक स्थल के पास से पुलिस हटाने व रास्ते को खोलने की मांग की है।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सखिया स्थित डॉक्टर ढाकुलिया बाबा स्थान पर गांव के ही एक व्यक्ति नेतृत्व में 90 दिन तक मेला चला था। मान्यता थी जो भी धार्मिक स्थल की परिक्रमा कर पूजा अर्चना करेगा उसके सारे रोग व परेशानी दूर हो जाएगी। बड़ी संख्या में श्रद्धालु धार्मिक स्थल पर आने लगे थे, जिससे बीसलपुर गजरौला मार्ग पर घंटों जाम लगा रहता था। पिछले महा जूना अखाड़ा से जुड़े बिलसंडा के लंगड़े बाबा आश्रम के महंत सत्य गिरी महाराज ने आश्रम पर साधु -संतों के साथ पहुंचकर भूख हड़ताल शुरू की थी। उन्होंने धार्मिक स्थल पर चढ़ावे में चढ़ने वाली धनराशि का दुरुपयोग करने वाले पर कार्रवाई की मांग उठाई। धार्मिक स्थल को लेकर विवाद बढ़ने पर तत्कालीन एडीएम ऋतु पुनिया ने गांव पहुंचकर धार्मिक स्थल के पास लगी दुकानों को हटवा दिया था। इस धार्मिक स्थल के आसपास की जगह पर तारों को खिंचवाकर रास्ता बंद करा दिया गया और पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। प्रशासन की सख्ती के बाद श्रद्धालुओं का धार्मिक स्थल पर पहुंचना कम हो गया। अब संत सत्यागिरी महाराज ने संतों के साथ भूख हड़ताल शुरु की है। उनका आरोप है कि पुलिस धार्मिक स्थल पर जाने वाले श्रद्धालुओं को रास्ते मे ही रोक कर वापस लौटा रही है। धार्मिक स्थल के आसपास तार खिंचवाकर रास्ता बंद करा दिया गया है जिससे श्रद्धालुओं को यहां तक आने में काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने धार्मिक स्थल के पास व रास्ते में तैनात पुलिस को हटाने व रास्ता खोलने की मांग की। भूख हड़ताल पर बैठने वालों में महंत सत्यागिरी निर्मल गिरी, जितेंद्र गिरी, वीरेंद्र पुरी ,बाबा श्याम गिरी शामिल थे।

भूख हड़ताल पर बैठे साधु संत। ● अमृत विचार

बिना तलाक दिए सामूहिक शादी में किया दूसरा विवाह

पीलीभीत, अमृत विचार: मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को लेकर नया मामला सामने आया है। तथ्य छिपाकर दूसरी शादी की शिकायत डीएम से की गई है।

जिले में बीते दिनों विधानसभा क्षेत्र वार सामूहिक विवाह का आयोजन कराया गया था। इसमें बड़ी संख्या में शादियां कराई गई। बिलसंडा क्षेत्र की महिला ने डीएम से की गई शिकायत में बताया कि उसकी शादी 2021 में हुई थी। आरोप है कि दहेज की मांग को लेकर ससुराल वालों ने घर से निकाल दिया। इसका मुकदमा विचाराधीन है। आरोप है कि तथ्यों को छिपाकर पति ने सामूहिक विवाह में दूसरी शादी की है। इसकी जांच कराकर कार्रवाई की मांग की गई है।

बेहतर काम पर बीएलओ को मिलेगा इनाम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **चूका बीच पर परिजनों के साथ ले सकेंगे लजीज व्यंजनों का स्वाद मिलेगा प्रमाण पत्र**
- **विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य की गति बढ़ाने को जिला प्रशासन ने उठाया कदम**

अमृत विचार: विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) में विधानसभा में सबसे बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ को परिवार के साथ पीलीभीत टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी का तोहफा दिया जाएगा। इतना ही नहीं, उन्हें मिनी गोवा कहे जाने वाले चूका बीच में लंच और परिवार के मूवी देखने के लिए टिकट भी दिए जाएंगें। जिला प्रशासन की ओर से बीएलओ को यह तोहफा प्रोत्साहन स्वरुप दिया जाएगा।

चुनाव आयोग के निर्देश पर जनपद में इन दिनों विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी/ डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर जनपद की चारों विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर गतिमान है। इसके तहत बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरण के साथ उनको मतदाताओं से भरवाकर प्राप्त करने के साथ डिजिटाइजेशन का कार्य कर रहे हैं। इस कार्य के लिए 1522 बीएलओ को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा 172 सुपरवाइजर भी लगाए गए हैं। इस कार्य के पर्यवेक्षण के लिए 52 जिला स्तरीय अधिकारियों को भी लगाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम द्वारा प्रतिदिन इस कार्य की समीक्षा भी की जा रही है। इधर एसआईआर को निर्धारित अवधि में पूरा करने और गति बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन ने बीएलओ को प्रोत्साहित करने की नई पहल की है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा में प्रथम बीएलओ, जो एसआईआर अभियान में सर्वाधिक डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा करेंगे उन्हें एसआईआर के बाद जिला प्रशासन की ओर से प्रोत्साहन स्वरुप सुविधा दी जाएगी। जिला प्रशासन की ओर से ऐसे बीएलओ को सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र तो दिया ही जाएगा, साथ ही उन्हें पीलीभीत टाइगर रिजर्व में परिवार के जंगल सफारी को तोहफा दिया जाएगा। इतना ही उन्हें परिवार के साथ एक बार चूका बीच में लंच और मूवी देखने के लिए टिकट भी मुहैय्या कराए जाएंगें।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,22 नवंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

हिंदू महासभा में बबीता को दी जिम्मेदारी

बीसलपुर, अमृत विचार : अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर संजीव कुमार ने बीसलपुर की सामाजिक कार्यकर्ता बबीता सक्सेना को मंडल अध्यक्ष महिला सभा बनाया है। कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने संगठन को और मजबूत बनाने के लिए कार्य करने की बात कही।

डीएम ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

पीलीभीत, अमृत विचार : डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई और अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि योजनाओं को समयबद्ध और लक्ष्य के अनुरूप पूरा किया जाए।डीएम ने निर्माण कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापरक ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों का चिन्हांकन कर उन्हें दिव्यांग पेंशन से लाभान्वित किया जाए और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का व्यापक प्रसार प्रचार कराया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार श्रीवास, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर आलोक कुमार आदि मौजूद रहे।

रावण वध के साथ मेले का समापन

बिलसंडा, अमृत विचार : गांव बमरोली में चल रही रामलीला का रावण वध लीला के साथ गुरुवार को सम्पन्न हो गया। लीला सम्पन्न होने के बाद रावण का पुतला फूंका। जय श्रीराम के जयकारों से परिसर गूंज उठा। कलाकारों ने श्रीराम और रावण के मध्य युद्ध का मंचन दिखाया। दोनों के बीच घोर युद्ध हुआ। जिसमें रावण को मारने में जब राम काफी परेशान हो जाते है। उसके बाद रावण के भाई विभीषण ने राम को रावण की नाभि का अमृत सुखाने के लिए अग्नि बाण प्रयोग करने के लिए कहा। विभीषण की यह बात सुनकर रावण चिंतित हो जाता है। उसके बाद राम रावण की नाभि में बाण मारते है ।नाभि पर बाण लगते ही रावण का अंत हो जाता है। चारों और जय श्री का उदघोष सुनाई देता है। इसके बाद रावण के पुतले का दहन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग लीला देखने के लिए पहुंचे।

अधिवक्ताओं ने तहसीलदार का किया घेराव

तिलहर, अमृत विचार : अधिवक्ताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर तहसीलदार का घेराव किया। उनका आरोप है तहसील प्रशासन द्वारा उनके काम में बार-बार अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है तथा कई मामलों में सहयोग नहीं किया जा रहा। इसी रोष को व्यक्त करने के लिए बार एसोसिएशन तिलहर के बैनर तले सैकड़ों अधिवक्ता एकजुट हुए और तहसीलदार कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया।प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता नरेश सक्सेना, महासचिव एडवोकेट राजीव सिंह चौहान, उपाध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र पाल कन्नौजिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि अगर उनकी जायज मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। घेराव के दौरान तहसीलदार ने अधिवक्ता प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की और जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद अधिवक्ताओं ने फिलहाल घेराव समाप्त किया ।बार एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं और उनके साथ किसी भी प्रकार का असहयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मकान पर कब्जा करने को महिला से मारपीट, इलाज के दौरान मौत

सिर में गंभीर चोट लगने से गई जान,सदर कोतवाली क्षेत्र के गनेशपुर गौटिया का मामला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: मकान पर कब्जे करने की नियत से किए गए हमले में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल में महिला ने हमले के चार दिन बाद दम तोड़ दिया। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच कर रही है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गनेशपुर गौटिया निवासी मुकेश ने बीते दिनों पुलिस को दी तहरीर में बताया था उसका एक आवासीय प्लॉट था, जिसका उसकी मां के नाम पर बैनामा है। उस पर मकान बनाकर परिवार परिवार वाले लंबे समय से रहते आ रहे हैं। उसके चाचा हरप्रसाद उनकी पत्नी सोनी मकान पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कई बार कर चुके हैं। 16 नवंबर की शाम 4 बजे दोनों आरोपी घर में घुस आए और गाली गलौज शुरू करदी। परिसर में रखे सामान में तोड़फोड़ की गई। मां रामबेटी से भी मारपीट की गई। मां की चीख पुकार सुनकर पिता बाबूराम पहुंचे और बचाया। आरोपी मारने की धमकी देकर भाग गए। इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने के लिा जब वह कोतवाली जा रहे थे तो रास्ते में आरोपियों ने मां रामबेटी पर दोबारा जानलेवा हमला कर दिया। मां के सिर में काफी चोट आई। मां को जिला अस्पताल से बरेली और फिर लखनऊ रेफर कर दिया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक के जवाब देने पर वापस पीलीभीत ले आए थे। यहीं पर मां रामबेटी को भर्ती कराया गया। पुलिस ने उस वक्त रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। इधर, जिला अस्पताल में भर्ती रामबेटी की गुरुवार रात मौत हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि पूर्व में ही रिपोर्ट दर्ज कर ली गई थी। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

हत्यारोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार ,भेजा जेल

बरखेड़ा, अमृत विचार : हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी पिता-पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दें, 18 नवंबर ग्राम पचपेड़ा पुखा निवासी गोकरनलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि गांव के ही रामप्रसाद और उसके पुत्र जितेंद्र ने 16 नवंबर को पुत्र बादशाह पर हमला कर दिया। जिसमें पीड़ित के पुत्र बादशाह की बरेली अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू की। शुक्रवार को दोनों आरोपियों को गाजीपुर कुंडा तिराहा से गिरफ्तार लिया गया। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डंडा बरामद किया गया। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि चालान कर कोर्ट में पेश करके दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी पिता-पुत्र।

दहेज न मिलने पर ससुराल वालों ने मायके में पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने विवाहिता को घर से निकालने के बाद उसके मायके पहुंचकर भी पीट दिया। पुलिस ने पति समेत 10 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम मूड़ा सेमनगर उर्फ पंडरी निवासी रजनी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उसकी शादी थाना गजरौला क्षेत्र के गांव सुहास निवासी दाताराम से 4 मई 2023 को हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल पक्ष के लोग दहेज में पांच लाख रुपये की मांग करने लगे। दहेज न देने पर उसे प्रताड़ित करने लगे। 10 मई 2024 को उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। तब से वह मायके में रह रही है। 5 नवंबर 2025 को करीब सुबह 10 बजे पति दाताराम, सास प्रेमा देवी, जेठ रामलडैते, जेठानी बबली देवी, जेठ फूलचंद, फूलचंद की पत्नी शकुंतला, जेठ हीराचंद, हीराचंद की पत्नी, बहनोई सुधीर आदि मायके पहुंचे। सभी ने अतिरिक्त दहेज की मांग दोहराते हुए मारपीट की।

मार्ग ठीक नहीं होने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: ग्राम रम्पुरा नगरिया के ग्रामीणों ने बाढ़ में कटे मार्ग का सुधार न होने पर पीडब्ल्यूडी के खिलाफ प्रदर्शन किया। साथ ही क्षतिग्रस्त सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

ग्राम रम्पुरा नगरिया के ग्रामीण शुक्रवार को गांव से होकर बरेली मार्ग पर तिराहे पर एकत्र हुए। सभी ने पीडब्लयूडी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना था कि बीसलपुर से रम्पुरा नगरिया होते हुए बरेली जाने वाले मार्ग पर बीते दिनों बाढ़ का पानी आ गया था। जिससे मार्ग कटा और अभी तक सुधारा नहीं जा सका है। चौसर हरदोपट्टी, अभयपुर,पटनिया, सोराह, किशनी, मितेपुर, रिछोला घासी, ललौर गुदरानपुर समेत दर्जन भर गांवों के लोगों का तहसील मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। तहसील मुख्यालय आने के लिए 10 किमी के स्थान पर 26 किमी का चक्कर लगाना पड़ रहा है। इस दौरान सुमित कुमार, वीरपाल, गुड्डू ,अवधेश खन्ना, आशुतोष, जितेंद्र कुमार, उमेश कुमार, हरवंश, राकेश चंद्र ,मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

लंबी कूद में वर्षा, दौड़ में संध्या ने मारी बाजी,मिला इनाम

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। ● अमृत विचार

बरखेड़ा, अमृत विचार: उच्च प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय ग्रामीण खेल लीग की शुरुआत की गई। विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने हरी झंडी दिखाकर शुरुआत कराई। नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता भी शामिल हुए।

लंबी कूद बालिका वर्ग जूनियर स्तर वर्षा प्रथम, 800 मीटर दौड़ सीनियर बालिका वर्ग में संध्या प्रथम, 400 मीटर सीनियर बालिका वर्ग में लता प्रथम, सब जूनियर वॉलीबॉल में पंडित देवदत जनता इंटर कॉलेज प्रथम रहा। 100मीटर सब जूनियर बालिका वर्ग में रानी प्रथम,800मीटर सब जूनियर बालक वर्ग में अनिल कुमार,100मीटर सब जूनियर बालक वर्ग में विकास कुमार ने बाजी मारी। सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, सीवीओ डॉ. पीके त्यागी, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह, बीडीओ बरखेड़ा वेदप्रकाश, खंड शिक्षाधिकारी अजय कुमार समेत अन्य रहे।

युवा शक्ति को सहकारिता से जोड़कर रोजगार सृजन हुआ तेज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में सहकार भारती के तत्वावधान में सहकारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सहकारिता आंदोलन की भावना और उसके सामाजिक-आर्थिक महत्व पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जनपद की विभिन्न सहकारी समितियों, कृषि क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमियों व युवाओं ने हिस्सा लिया।

जिला पंचायत सभागार में शुक्रवार को हुए सहकारी संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहकार भारती के निवर्तमान प्रदेश महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ के निदेशक डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि सहकारिता मॉडल देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों, युवाओं और महिलाओं के आर्थिक उत्थान के लिए सहकारिता के माध्यम से कई महत्त्वपूर्ण योजनाएं संचालित कर रही हैं। कहा कि सहकारिता केवल कृषि उत्पादन तक सीमित न रहकर प्रसंस्करण, विपणन, डेयरी, कृषि यंत्र सेवा केंद्र, मल्टीपरपज समितियों के रूप में रोजगार और आजीविका के नए अवसर उपलब्ध करा रही है। सहकारी संस्थाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने और पैक्स के डिजिटलीकरण पर सरकार विशेष बल दे रही है। सहकारी समितियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी, कृषि आधारित उद्योगों, खाद-बीज वितरण और कृषि मशीनरी बैंक जैसी व्यवस्थाओं के जरिए युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सहायक आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता डॉ. प्रदीप सिंह ने कहा कि जिले में सहकारी संस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए विभाग द्वारा लगातार सुधारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। संचालन सहकार भारती के जिला संगठन प्रमुख संतोष सिंह ने किया। कार्यक्रम में सहकार भारती के प्रदेश मंत्री ओमवीर सिंह, बरेली मंडल के विभाग संयोजक दिग्विजय सिंह, जिलाध्यक्ष मुनेंद्र पाल सागर, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार धवन, समिति अध्यक्ष पंकज सिंह, रामनिवास पांडे, विमलेश पांडे, माया देवी, सतविंदर सिंह, संतोष सिंह, लाल मिश्रा, योगेश श्रीवास्तव, जगजीवन सिंह, प्रदीप कुमार शर्मा, पंकज सिंह, संगीता सिंघल, नवनीत मिश्रा, सुखविंदर विष्णु प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

सहकारी संवाद के दौरान संबोधित करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

संवाद कार्यक्रम में मौजूद समितियों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व अन्य।

● अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में सहकारी संवाद का हुआ आयोजन

जिले में हार्ट और कैंसर के डॉक्टर करेंगे इलाज

जानकारी देते हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. देवेंद्र सिंह साथ में पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव।

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शहर की आशा पैथोलॉजी ने यह कमी दूर करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। 28 से हर शुक्रवार रोगियों को विभिन्न गंभीर बीमारियों के विशेषज्ञों की परामर्श सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी।

इस पहल के मुताबिक हर शुक्रवार सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक लखनऊ के सैन्योर अस्पताल, जानकीपुरम के अनुभवी चिकित्सक लखीमपुर में ओपीडी चलाएंगे। केवल 800 रुपये के पर्चे पर मरीज अपनी जांच और परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। आशा पैथोलॉजी की संचालक और नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने बताया कि शहर में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी। हमारी कोशिश है कि लखीमपुर के लोग बड़े शहरों के चक्कर लगाए बिना विशेषज्ञ परामर्श यहीं पा सकें। कैंसर विशेषज्ञ डॉ. श्वेतिमा चौधरी ने बताया कि अक्सर मरीज कैंसर के शुरुआती लक्षणों को सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे इलाज में देर हो जाती है। डॉ. दिव्या ने बताया कि उम्र के अनुसार विकास न होना, बार-बार झटके आना, गर्दन या शरीर का सीधे न बैठना, सीखने या बोलने में देरी। ऐसे बच्चे समय पर इलाज से जीवन में काफी सुधार पा सकते हैं।

24 से शुरू होगा बीसलपुर मिल का पेराई सत्र

बीसलपुर ,अमृत विचार : किसान सहकारी चीनी मिल का पेराई सत्र 24 से शुरू होगा। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रधान प्रबंधक डॉ.हरिकृष्ण गुप्ता ने बताया कि मशीनों की मरम्मत का कार्य अंतिम चरणों में है। इस बार लक्ष्य 31 लाख क्विंटल है, जबकि पिछले सत्र में 30 लाख क्विंटल था। जिसके सापेक्ष किसान सहकारी चीनी मिल ने 21 लाख 96 हजार कुंतल गन्ने की पिराई करने के बाद रिकवरी 9.26 प्रतिशत प्राप्त की थी। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस सत्र में लगभग 400 हेक्टेयर गन्ना कम हुआ है। इस वर्ष विभाग द्वारा चीनी मिल से बरेली जनपद के एक गन्ना केंद्र को भी संबद्ध किया गया है। इस गन्ना क्रय केंद्र को मिलाकर अब चीनी मिल को गन्ना आपूर्ति करने वाले सेंटरों में बरेली जनपद का क्योंलड़िया गन्ना केंद्र के अतिरिक्त मिल गेट सेंटर, चुर्रासकतपुर, सुहेला प्रथम, बरसिया, नगीपुर अखौला-अ, वैरा, के अतिरिक्त नगीपुर अखौला-व मिलाकर कुल आठ गन्ना सेंटर चीनी मिल को आपूर्ति करेंगे।

न्यूज डायरी

बूथों का निरीक्षण कर परखे हालात

दियोरियाकलां, अमृत विचार : एसआईआर अभियान का जायजा लेने के लिए जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश कुमार पहुंचे। उन्होंने क्षेत्र के कटैया, गाजना सिंधारपुर, इलावांस देवल, किशनपुर लभौआ, पकड़िया ताल्लुके दियोरिया के बूथों का निरीक्षण किया। बीएलओ से गणना प्रपत्र एकत्रित करने में पंचायत सहायक, कोटेदार, सफाई कर्मचारी, आशा से सहयोग करने के निर्देश दिए। इसके अलावा कई बिंदुओं पर जानकारी दी गई।

विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में उभरी नवाचार की नई चमक

लखीमपुर-खीरी, अमृत विचार : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत संचालित जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में शुक्रवार को भगवानदीन आर्य कन्या इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिले भर से पहुंचे 250 से अधिक बाल वैज्ञानिकों ने लगभग 90 नवाचारी मॉडलों के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता, वैज्ञानिक सोच और प्रयोगात्मक दक्षता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीडीओ अभिषेक कुमार ने किया। सीडीओ ने विभिन्न मॉडलों का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच की सराहना की। उन्होंने आर्टिफ़िशियल रोबोटिक कम्पैनियन, एलपीजी गैस सेंसर, ई-डायपर और सेंसर सराउंडिंग सिस्टम जैसे मॉडलों पर विशेष रुचि दिखाते हुए तकनीकी सुधार के महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। मुख्य अतिथि धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने बाल वैज्ञानिकों को सम्मानित किया। साथ ही बच्चों का उत्साहवर्धन किया। जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक सुनील कुमार मिश्र ने बताया कि प्रदर्शनी में चयनित प्रथम 15 मॉडल आगामी दिसंबर माह में लखनऊ में आयोजित मंडल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेंगे। बताया कि राज्य स्तर पर उत्कृष्ट मॉडलों को 50 हजार रुपये का पुरस्कार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा पेटेंट सहायता भी प्रदान की जाती है। इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ज्योति तिवारी, वाईडी कॉलेज से आए विशेषज्ञ डॉ. जे.एन. सेठ, सुरेश पटेल, विनयतोष, डॉ. मो. नजीफ ने बाल वैज्ञानिकों के मॉडलों का तकनीकी मूल्यांकन किया और महत्वपूर्ण परामर्श दिए। मंच संचालन अर्चना वर्मा ने किया। कार्यक्रम में अपर्णा सिंह, उपासना आर्य, कृष्णा चंद्रशेखरन, ज्योति सक्सेना, शिवि गुप्ता, मनीष सक्सेना, अंकुर तिवारी आदि शिक्षक मौजूद रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से तीन दिवसीय प्रतियोगिता शुरू

मझोला, अमृत विचार : एसके पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय अंतरविद्यालयीय खो-खो, कबड्डी और रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि आर्मी कैंप बनबसा के लेफ्टिनेंट कैप्टन राणा करन सिंह, विशिष्ट अतिथिगण किसान मोर्चा उपाध्यक्ष राजपाल सिंह, नगर पंचायत चेयरमैन निशांत प्रताप सिंह ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके कराई। पीलीभीत, पूरनपुर, खटीमा, सितारगंज, रुद्रपुर, बहेड़ी क्षेत्र के 34 विद्यालयों के 1700 बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रबंधक जगजीत सिंह ने कहा कि खेल भावना एक ऐसा दृष्टिकोण है जो ईमानदारी, नैतिकता, सत्यनिष्ठा एवं अनुशासन के साथ खेलने की प्रेरणा देता है। प्रशासनिक अधिकारी राजेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य मोहन चन्द्र तिवारी ने विचार रखे। बालक और बालिका वर्ग में बच्चों ने उत्साह के साथ दमखम दिखाया।

त्रिवटीनाथ चीनी मिल में पेराई शुरू

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: गन्ना विकास एवं चीनी मिलें राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने शुक्रवार को पीलीभीत बरेली जनपद सीमा पर बहेड़ी तहसील क्षेत्र के ग्राम बहादुरपुर में नव स्थापित त्रिवटीनाथ चीनी मिल के प्रथम पराई सत्र की शुरुआत कराई।

राज्यमंत्री ने कहा कि इस चीनी मिल की स्थापना से क्षेत्र के किसानों को लाभ मिलेगा। स्थानीय अर्थव्यवस्था से जुड़े सभी हितधारकों के लिए विकास रोजगार और औद्योगिक प्रगति के नए अवसर प्राप्त होंगे। चीनी मिल के प्रबंधकों को गन्ना किसानों का भुगतान एक सप्ताह के भीतर करने के निर्देश दिए। इससे पीलीभीत के भी किसानों को लाभ होगा। राज्यमंत्री ने गन्ना पेराई के लिए गन्ना पटले में डालकर सत्र की शुरुआत कराई। इस मौके पर बरेली सांसद छत्रपाल गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष बरेली रश्मि पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बरेली उषा गंगवार, एमएलसी बहुरन लाल मौर्य, पूर्व विधायक पप्पू भरतौल, चीनी मिल के अध्यक्ष रामसेवक भारद्वाज, सीताराम मोहता, चीनी मिल के प्रबंध निरीक्षक अश्विनी अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

पेराई सत्र की शुरुआत कराते राज्यमंत्री, सांसद, जिपं अध्यक्ष बरेली व अन्य।

● गन्ना किसानों को सप्ताह में भुगतान करने के दिए निर्देश

अमृत विचार

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय

राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल

एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)

हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

2D ECHO + TMT

हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल

APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC

ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी

एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)

Consultant Urologist & Andrologist

गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन

- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज

कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल

डॉ. एम. खान हॉस्पिटल

मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली

समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

न्यूज ब्रीफ

अजगर दिखने से राहगीरों में हड़कंप

भानपुर, अमृत विचार : शुक्रवार को भीरा-बिजुआ स्टेट हाईवे पर अमरोल फार्म के पास सड़क किनारे एक विशाल अजगर दिखाई देने से राहगीरों में हड़कंप मच गया। अचानक सड़क के किनारे सरकते अजगर को देख लोग पहले तो सहम गए, लेकिन कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जुटने लगी ।राहगीर अपनी बाइक रोककर वीडियो और फोटो बनाने लगे। करीब कुछ मिनट तक अजगर सड़क किनारे मौजूद रहा, जिसके चलते राहगीरों की गति धीमी हो गई और जाम जैसी स्थिति बनने लगी। बाद में अजगर धीरे-धीरे सड़क किनारे झाड़ियों की ओर चला गया।

आज होगी निबंध प्रतियोगिता

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : बेहजम रोड स्थित विवेक ज्ञान स्थली के प्रबंधक रघुवीर सिंह यादव ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर विद्यालय में निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसका विषय धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव का समाजवादी चिंतन, संघर्ष और नेतृत्व है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खारी सांसद उत्कर्ष वर्मा होंगे।

पेड़ कटान करने वालों से जुर्माना वसूला

पलिया कलां, अमृत विचार : मझगई रेंज के बेला कलां में ग्राम समाज की भूमि पर खड़े शीशम के 14 कीमती पेड़ों को गांव के दो लकड़ी ठेकेदारों ने अवैध रूप से काट लिए थे। जांच के दौरान ग्रामीण आरिफ और याकूब को पेड़ काटने का दोषी पाया गया। रेंजर अंकित कुमार सिंह ने बताया कि वन विभाग ने पेड़ों का अवैध कटान करने के मामले में दोनों आरोपियों से 75,000 रुपये का जुर्माना वसूला है।

गो रक्षकों ने पकड़ी भैंसें भरी पिकअप

पलिया कलां, अमृत विचार : संपूर्णानगर रोड पर स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल के आगे नगर के गौ रक्षकों की टीम ने भूसे की तरह ठूंस कर भरी गई भैंसों वाली एक पिकअप पकड़कर पलिया पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

कोल्हू बंदी कराने के विवाद पर प्रशासन ने साधा मौन

जांच के दौरान संचालकों द्वारा पर्यावरण की अनदेखी सामने आने पर की गई कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः तहसील गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र में डीएम के निर्देश पर एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी और प्रशासनिक टीम की 100 कोल्हुओं की जांच में कोल्हू संचालकों द्वारा पर्यावरण की अनदेखी सामने आई थी, जिस पर पांच कोल्हुओं को तत्काल बंद करा दिया गया था, लेकिन इस कार्रवाई के बाद हालात अचानक गर्मा गए। कार्रवाई के विरोध में कोल्हू संचालकों ने अगले दिन गन्ना खरीद बंद कर दी थी, जिसके चलते जलालपुर की सड़कों पर गन्ना लदे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और किसानों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ा। मामला शांत कराने के लिए प्रशासन ने बातचीत तो की, लेकिन उसके बाद सख्ती ढीली पड़ने से सवाल खड़े होने लगे हैं।

एसडीएम गोला के साथ जलालपुर और सिकंद्राबाद क्षेत्र के सहायक पर्यावरण अभियंता, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खांडसारी निरीक्षक सहित संयुक्त टीम ने 18 नवंबर को 100 कोल्हुओं का निरीक्षण किया था। जांच में अधिकांश कोल्हू डीजल इंजन से संचालित, चिमनियां मात्र 4-5 मीटर ऊंची और वेट स्क्रबर जैसी प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था नहीं मिली थीं। इसके कारण चिमनियों से लगातार काला धुआं और राख उड़ने की शिकायतें सही पाई गईं। साथ ही अधिकांश इकाइयों में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सहमति भी नहीं मिली, जो सीपीसीबी की 13 अगस्त 2019 की गाइड लाइन व वायु अधिनियम 1981 का उल्लंघन है।

टीम ने यह भी पाया था कि संचालकों ने न तो कोई रजिस्टर, न कोई बोर्ड, और न ही साफ-सफाई का न्यूनतम स्तर बनाए रखा था। राब व गुड़ के कंटेनर गंदे पाए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर ही लाइसेंस लेने, साफ कंटेनर उपयोग करने और किसी भी प्रकार के रंग/केमिकल को पूर्णतः प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए थे। साथ ही टीम ने मौके पर ही वसीम अहमद उर्फ़ मुन्ना (जलालपुर),

जलालपुर में कोल्हू की चिमनी से निकलता काला धुआं। ● अमृत विचार

मनोज कुमार (जलालपुर), मोहसीन (जलालपुर), विनीत कुमार (सिकंदराबाद) और कनौजी (सिकंदराबाद) के कोल्हुओं का संचालन बंद करा दिया था। अगले दिन प्रशासन की इस कार्रवाई से गुस्साए कोल्हू संचालकों ने अगले दिन 19 नवंबर को तौल बंद करते हुए कोल्हू नहीं चलाए थे, जिससे सड़कों पर किसानों के गन्ना भरे डनलप और ट्रालियों की जाम लग गई थी। इससे प्रशासन बैक फुट पर आ गया था और कोल्हू संचालन करने की बात कहते हुए एक सप्ताह में नियमानुसार व्यवस्थाएं करने को कहा था।

> प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों को पालन कराना प्राथमिकता है और नियमों का पालन हर हाल में कराया जाएगा। कोल्हू संचालकों को निर्धारित समय में सभी निर्देशों के अनुपालन में अपनी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लेनी चाहिए।
> –**प्रतीक्षा त्रिपाठी**, एसडीएम गोला।

बहरहाल, अफसर अब इस मामले में कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। वहीं, कोल्हू बंदी विवाद ने न सिर्फ किसानों को परेशान किया, बल्कि यह भी उजागर कर दिया कि प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन कराने में प्रशासन कितना गंभीर है।

प्रदूषण बोर्ड के नियमों की अनदेखी

सूत्रों के अनुसार कई कोल्हू बिना लाइसेंस, बिना प्रदूषण नियंत्रण मानकों और बिना चिमनी की ऊंचाई तय किए संचालित हो रहे थे। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों के मुताबिक कोल्हू संचालन से पहले अनुमति अनिवार्य है। धुआं नियंत्रण के लिए मानक चिमनी होनी चाहिए। भट्ठियों में वैकल्पिक ईंधन का उपयोग हो। साथ ही ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक निस्तारण हो, लेकिन जलालपुर क्षेत्र में इन नियमों की सिस्टमेटिक अनदेखी की शिकायतें लंबे समय से मिलती रही हैं।

एसडीएम की कार्रवाई पर क्यों भड़के संचालक

एसडीएम ने अचानक निरीक्षण कर कई कोल्हू बंद कराए थे। कोल्हू संचालकों का आरोप है कि कार्रवाई बिना नोटिस के हुई, जिससे छोटे किसानों और संचालकों को नुकसान हुआ। समय कम दिया गया।

कार्रवाई के बाद प्रशासन की खामोशी

कोल्हू यूनियन के विरोध के बाद प्रशासन ने वार्ता तो की, पर उसके बाद न तो दोबारा निरीक्षण किया और न ही अनियमित कोल्हुओं पर कोई ताज़ा रिपोर्ट जारी की। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या प्रशासन यूनियन के दबाव में पीछे हट गया या फिर कार्रवाई सिर्फ दिखावे तक सीमित थी।

आलियाबाद निवासी गन्ना किसान यादवेंद्र कुमार गुलरिया चीनी मिल क्षेत्र के किसान हैं, जो 22 किलोमीटर दूर जलालपुर में गन्ना बेचने आए हैं। इनके हाथ-पैर में चोट लगी है, इलाज कराने के लिए धन की जरूरत है। इसलिए किसानों की गन्ना बेचना मजबूरी है।

गिरधरपुर गांव निवासी सोनेलाल 38 किलोमीटर दूर जलालपुर गन्ना लेकर सुबह आए थे, जिनको खेत खाली कर गेहूं की बुवाई करनी है। गुलरिया चीनी मिल से पर्ची नही मिल पाने से गेहूं बुवाई लेट हो रही थी, इसलिए कोल्हू पर गन्ना लाना मजबूरी है।

जन औषधि केंद्र पर बेची जा रही बाजार की दवाइयां

भानपुर, अमृत विचारः सीएचसी बिजुआ में संचालित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। जहां इस काउंटर पर केवल जन औषधि की सस्ती और गुणवत्तापरक दवाइयों की बिक्री होनी चाहिए, वहीं बाजार में बिकने वाले सिरप और अन्य दवाइयां बेचने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

ग्रामीणों का आरोप है कि काउंटर पर बैठा कर्मचारी जन औषधि के नाम पर बाजार की दवाइयां थमा रहा है और उन्हें भी जन औषधि बताकर महंगे दाम वसूल रहा है, जबकि जन औषधि पर निर्धारित छूट सीधे लोगों तक पहुंचनी चाहिए, लेकिन मरीजों का कहना है कि काउंटर से न तो तय कीमत पर दवाइयां मिल रही हैं और न ही छूट का लाभ दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से मामले की जांच करवाकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। सीएचसी अधीक्षक सुभाष वर्मा ने बताया कि बाहर की कोई दवा जन औषधि केंद्र पर नहीं बेची जा सकती है। ऐसा है तो मैं दिखवाता हूं।

पुलिस कस्टडी से किशोरी फरार, मचा हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● **कोर्ट में बयान और मेडिकल कराने लखीमपुर ला रही थी पुलिस**

अमृत विचारः पुलिस कस्टडी से गुरुवार दोपहर किशोरी के फरार होने ने मोहम्मदी पुलिस की लापरवाही सामने आई है। अदालत में बयान और मेडिकल के लिए लखीमपुर ले जाते समय किशोरी थाना फरधान क्षेत्र में रास्ते से पुलिसकर्मियों को चकमा देकर लापता हो गई। घटना के बाद से मोहम्मदी और फरधान पुलिस अलर्ट हो गई और कई घंटे खोजबीन की गई, लेकिन देर रात तक सुराग नहीं मिला।

कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के एक गांव की किशोरी कुछ दिन पहले अपने प्रेमी के साथ चली गई थी। परिवार की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी और उसके प्रेमी की तलाश शुरू की। दो दिन पहले पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया था। उसके बाद चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के निर्देश पर उसे मेडिकल व न्यायालय प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू हुई। गुरुवार दोपहर तीन सिपाही कार से मोहम्मदी से लखीमपुर की ओर आ रहे थे।

दोपहर ढसरापुर चौराहे के पास किशोरी ने पेशाब जाने का बहाना बनाकर कार रुकवाई। पुलिसकर्मी कार में बैठे रहे और किशोरी को बिना निगरानी झाड़ियों की तरफ जाने दिया। करीब पांच मिनट बीतने के बाद जब

> किशोरी मेडिकल और न्यायालय बयान के लिए ले जाते समय रास्ते से फरार हुई है। उसकी तलाश के लिए पूरी टीम लगी हुई है। सर्च ऑपरेशन जारी है और जल्द ही उसे बरामद कर लिया जाएगा।
> –**दयाशंकर द्विवेदी**, प्रभारी निरीक्षक, फरधान।

किशोरी नहीं आई तो पुलिसकर्मी उतरे, लेकिन तब तक वह लापता हो चुकी थी। महिला सिपाही ने साथी सिपाही के साथ किशोरी की काफी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली तो प्रभारी निरीक्षक मोहम्मदी और थाना फरधान पुलिस को सूचना दी। थाना फरधान और मोहम्मदी पुलिस मौके पर पहुंची। प्रभारी निरीक्षक फरधान दयाशंकर द्विवेदी ने फोर्स के साथ गन्ने के खेतों से लेकर रेलवे ट्रैक तक करीब चार घंटे सर्च अभियान चलाया। देवकली रेलवे स्टेशन पर पूछताछ की। ट्रैक के दोनों ओर लंबी दूरी तक तलाशी की। ढसरापुर से मोहम्मदी मार्ग तक कई बार सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन लड़की का कोई पता नहीं चला। इधर किशोरी के परिजनों को जब उसके पुलिस अभिरक्षा से भागने की जानकारी हुई तो उनकी भी बेचैनी बढ़ गई है। परिवार ने पुलिस से उसकी सुरक्षा और शीघ्र बरामदगी की मांग की है।

किशोरी के फरार होने से महिला सिपाही और पुरुष सिपाही की ड्यूटी पर सवाल खड़े हो गए हैं। नाबालिग को बिना निगरानी झाड़ियों में भेजना पुलिस प्रोटोकॉल के विपरीत है। बताते हैं कि दोनों पुलिसकर्मियों पर विभागीय जांच के बाद कार्रवाई हो सकती है।

बीएलओ-सभासद समन्वय मजबूती पर जोर

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः एसडीएम गोला गोकर्णनाथ प्रतीक्षा त्रिपाठी ने शुक्रवार को नगर पालिका परिषद में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने के लिए सभासदों और बीएलओ के साथ बैठक की।

बैठक में एसडीएम ने बीएलओ और सभासदों के बीच बेहतर समन्वय, संवाद और क्षेत्रवार सहयोग को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान सभी के बीच परिचय एवं मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान कराया गया ताकि क्षेत्र में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य तेजी और पारदर्शिता से पूरा हो सके। एसडीएम ने निर्देश दिए कि 4 दिसंबर तक सभी बीएलओ वार्डों का कार्य और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अभियान में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बैठक में सभासद नानक चंद्र वर्मा, आशीष अवस्थी, धर्मेंद्र तिवारी, राजेश वर्मा, अनिल गुप्ता, धर्मेंद्र जायसवाल, दानिश राइस, धर्मेंद्र वाल्मीकि, भाजपा नगराध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, कुंभी मंडल अध्यक्ष रविंद्र कटियार मौजूद रहे।

बैठक में दिशा-निर्देश देती एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी। ● अमृत विचार

● **एसआईआर अभियान को गति देने के लिए एसडीएम ने की बैठक**

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 22 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

समूह ऋण अदा करने के बाद भी प्रताड़ित करने का आरोप

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : मैगलगंज थाना क्षेत्र के गांव ओलारपुर निवासी दिवाकर सिंह ने समूह ऋण देने वाली एक कंपनी के मैनेजर पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में दिवाकर सिंह ने कहा है कि नगर में एक कंपनी की ब्रांच से उसका समूह लोन चल रहा था, जिसकी भरपाई उसने तीन साल पहले ही कर दी है। ऋण अदायगी के बाद भी कंपनी के कर्मचारियों द्वारा उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। 14 नवंबर को वह कंपनी के शाखा प्रबंधक से वार्ता करने गया तो वहां उसके साथ मारपीट की गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

अलग-अलग हादसों में दो युवकों की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर में एसएसबी कैंप के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। वहीं थाना भीरा क्षेत्र में एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी भी मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव बघइया निवासी सोबरन लाल का 30 वर्षीय बेटा संतोष जायसवाल महेवागंज स्थित शराब की भट्टी बंद कर बाइक से गुरुवार की रात करीब 10 :30 बजे घर वापस लौट रहा था। बताते हैं कि एसएसबी कालोनी के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उधर थाना भीरा क्षेत्र के गांव देवरिया रणा निवासी मनीराम का 28 वर्षीय बेटा रविन्द्र उर्फ छोटू गुरुवार की शाम करीब सात बजे घर से देवरिया चौराहे पर किसी काम से गया था। वापस लौटते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

25 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना फरधान में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के प्रकरण में वांछित चल रहे 25 हजार के इनामी थाना पढुआ के गांव बिनौरा निवासी जुबैर अली को सदर कोतवाली पुलिस ने राजापुर नवीन मंडी से गिरफ्तार किया है। एसपी ने उस पर इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस के मुताबिक आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है।

गूंजी सद्भाव की शहनाई, एक मंडप में सात फेरे और निकाह कुबूल

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत जिले के 206 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ, पारदर्शी खरीद व्यवस्था से 25 हजार में सात हजार बचाए

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: समाज कल्याण विभाग द्वारा शुक्रवार को मोहम्मदी और गोला में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत जिले के 206 जोड़ों ने एक-दूसरे के जीवन भर के लिए हाथ थाम लिया। मोहम्मदी, पसगवां और मोहम्मदी नगरक्षेत्र, बरबर नगरक्षेत्र के 108 जोड़ों के लिए विवाह कार्यक्रम साहबगंज, रेहरिया स्थित फुलकारी गेस्ट हाउस में आयोजित किया गया। वहीं गोला, बिजुआ, गोला नगर क्षेत्र और भीरा नगरक्षेत्र के 98 जोड़ों के लिए ग्राम बसलीपुर ग्रन्ट में नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्पोर्टस स्टेडियम में कार्यक्रम संपन्न हुआ। दोनों कार्यक्रमों में क्रमशः बिजुआ और गोला 49-49 और मोहम्मदी में 49 और पसगवां 48, शहरी क्षेत्र बरबर 03, शहरी क्षेत्र मोहम्मदी 08 जोड़े शामिल हुए।

मोहम्मदी। फुलकारी गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह ने प्रमुख महेंद्र वाजपेयी, डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी वंदना सिंह, बीडीओ अश्विनी सिंह, मोहित कौशिक के साथ सभी वर-वधुओं को उपहार-शगुन किट और आशीर्वाद प्रदान किया। विधायक ने जोड़ों के पास पहुंचकर उनका परिचय पूछा गया और नए दांपत्य जीवन की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दी गईं। नवविवाहित जोड़ों को प्रमाण पत्र के साथ शासन की ओर से दी जाने वाली जरूरी सामग्री भी प्रदान की गई।

मोहम्मदी में सामूहिक विवाह समारोह में नव विवाहित जोड़ों के साथ मोहम्मदी विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

मोहम्मदी में सामूहिक विवाह समारोह में नव विवाहित जोड़ों के साथ मोहम्मदी विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

- सामूहिक विवाह समारोह में लाभार्थियों को मिला अतिरिक्त सामग्री का तोहफा
- जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों संग दिया गिफ्ट, आशीर्वाद देकर बरसाए फूल

वधुओं का मेकअप और मेंहदी व्यवस्था रही आकर्षण का केंद्र

जिला प्रशासन की अभिनव पहल ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में एक नई मिसाल पेश की। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और सीडीओ अभिषेक कुमार की पहल पर विवाह मंडप में प्रवेश से पहले ही मेकअप आर्टिस्टों की टीम ने सभी वधुओं का सिंगार कर उन्हें पूर्ण रूप से तैयार किया। वहीं, मेंहदी लगाने की व्यवस्था भी प्रशासन की ओर से ही कराई गई, जिससे कार्यक्रम में शामिल होने वाली वधुओं और परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

25 हजार की खरीद को 18 हजार में किया

शासन की ओर से प्रति जोड़े के लिए निर्धारित 25 हजार रुपये में से सीडीओ अभिषेक कुमार ने पारदर्शी खरीद प्रक्रिया अपनाते हुए अनुमन्य गुणवत्तापूर्ण सामग्री को लगभग 18 हजार में ही खरीद लिया। शेष सात हजार की बची धनराशि का सदुपयोग करते हुए डीएम और सीडीओ की पहल पर विवाह सामग्री से इतर वर वधु के लिए दो फोल्डिंग बेड और बर्तनों को सुरक्षित रखने के लिए बर्तन स्टैंड भी दिए गए।

बसलीपुर में एक दूसरे के हुए 98 जोड़े

मूड़ा सवारान : मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम बसलीपुर परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 98 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस दौरान बड़ी संख्या में वर-वधू के परिजन शामिल हुए। विवाह कार्यक्रम में हिंदू जोड़ों ने गायत्री शक्ति पीठ की ओर से कराए गए समस्त संस्कारों को पूरा करते हुए एक दूसरे के साथ सात फेरे लिए। आचार्य दयाशंकर ने नवयुगलों का विवाह हिंदू रीति रिवाज से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न कराया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी वंदना सिंह, गोला विधायक अमन गिरि, खंड विकास अधिकारी बिजुआ महावीर सिंह, सहायक विकास अधिकारी अनिल वर्मा, ग्राम प्रधान ओंमकार सिंह, बिजुआ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि वीरेंद्र भूषण, कुंभी ब्लॉक प्रमुख विमल वर्मा, विनीत पांडे आदि ने नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए विवाह प्रमाण पत्र और सभी नव विवाहित जोड़ों को उपहार भी प्रदान किये।

छुट्टा पशु कर रहे फसलों को बर्बाद

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: क्षेत्र में घूम रहे छुट्टा पशु किसानों के लिए बड़ी मुसीबत बने हैं। गांवों और सड़कों के आसपास भटक रहे ये पशु सरसों, गेहूं, गन्ना और सब्जियों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे किसान काफी परेशान है। दिन-रात फसल की रखवाली करने के बावजूद भी जरा सी चूक किसानों पर भारी पड़ जाती है। ये पशु फसल को चट जाते हैं।

किसानों का कहना है कि फसलों को बचाने के लिए दिन-रात पहरा देना पड़ रहा है, फिर भी झुंड बनाकर आने वाले पशु मिनटों में खेत बर्बाद कर देते हैं। इससे आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। खेतों में कटीली तार, घेरा और अन्य सुरक्षा उपाय करने के बाद भी फसलें सुरक्षित नहीं हैं। इससे किसानों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गोशालाओं के निर्माण के बावजूद प्रशासन छुट्टा पशुओं को वहां पहुंचाने में नाकाम साबित हो रहा है।

दर्जनों की संख्या में पशु खुले में घूम रहे हैं, जबकि कागजों में व्यवस्था दुरुस्त दिखाई जाती है। इन पशुओं ने न सिर्फ खेती को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि सड़क हादसों का खतरा भी बढ़ा दिया है। रात में सड़क पर अचानक पशु आ जाने से वाहन चालकों को भारी परेशानी होती है और कई बार गंभीर दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं।

खेतों में फसल को बर्बाद कर रहे छुट्टा पशु। ● अमृत विचार

- किसानों ने प्रशासन पर लगाया लापरवाही का आरोप

पलिया निघासन हाईवे पर घूम रहे छुट्टा पशु।

जड़ौरा में शिक्षिका ने छात्र को बेरहमी से पीटा

संवाददाता, बिलहरी

अमृत विचार: ब्लॉक कुम्भी क्षेत्र के गांव जड़ौरा में प्राथमिक विद्यालय की सहायक अध्यापिका तपस्या वैश्य ने गुरुवार को करीब डेढ़ बजे मध्याह्न भोजन के बाद कक्षा 2 के छात्र कार्तिकेय को खेलते समय बुलाकर बेरहमी से पिटाई कर जातिसूचक शब्द कहे। पीड़ित पिता ने हैदराबाद थाना में तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

छात्र कार्तिकेय।

जड़ौरा प्राथमिक विद्यालय में अध्यापिका तपस्या वैश्य की छात्र कार्तिकेय (7) पुत्र जसपाल को पिटाई के मामले में विद्यालय के अध्यापकों ने मना किया तो उनसे भी गाली गलौज कर कार्रवाई करने की धमकी दी। छात्र कार्तिकेय गौतम के पिता जसपाल गौतम ने अध्यापिका के विरुद्ध आरोप लगाते हुए कहा कि जब उन्हें पता चला कि स्कूल की मैंडम तपस्या वैश्य ने बच्चे को अकारण मारा पीटा और जाति सूचक शब्द कहे हैं तो इसकी शिकायत लेकर स्कूल गये थे तो पता चला कि तपस्या मैंडम अपने घर जा चुकी है। पिता जसपाल ने बताया कि कार्तिकेय की पिटाई के कारण उसके कान में दर्द है और वह काफी डरा सहमा हुआ है।

जसपाल गौतम ने हैदराबाद थाने में गुरुवार को लिखित तहरीर दी, लेकिन अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। शुक्रवार को जांच करने पहुंचे हैदराबाद थाना प्रभारी सुनील कुमार मलिक के साथ प्रधान प्रतिनिधि आशीष मिश्रा मामले को पुरजोर तरीके से दबाने का प्रयास किया जा रहा हैं। छात्र के पिता ने अध्यापिका के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है और कहा है कि यदि कार्रवाई नहीं की गई तो वह जिला अधिकारी से मिलकर शिकायत करेंगे और अपने बेटे के लिए न्याय की गुहार लगाएंगे।

- तहरीर के बाबजूद पुलिस ने दर्ज नहीं की रिपोर्ट

मामले को दबाने का प्रयास, पुलिस की कार्यशैली भी संदेहपूर्ण

विद्यालय स्टाफ कुछ भी जानकारी नहीं दे रहे हैं। जांच करने पहुंचे थानाध्यक्ष सुनील कुमार मलिक ने ग्राम प्रधान पति आशीष मिश्रा के साथ मिलकर मामले को दबाने का प्रयास किया है। विद्यालय परिसर में ग्रामीणों, पीड़ित छात्र के माता-पिता व मीडियाकर्मियों को प्रवेश नहीं करने दिया गया। पिता जसपाल ने आरोप लगाया जब माता-पिता से कोई जानकारी ली ही नहीं गई तो यह जांच कैसी। कार्रवाई न होने पर उच्च अधिकारियों से शिकायत करने व बच्चे का नाम कटवाने की मांग की है। गांव के अन्य अभिभावकों ने भी सहायक अध्यापिका द्वारा मारपीट का विरोध करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है।

> इस घटना की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। यदि किसी बच्चे को विद्यालय के किसी भी टीचर ने मारपीट की होगी, तो स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।
> **-प्रतीक्षा त्रिपाठी**, एसडीएम गोला।

> विद्यालय में किसी भी शिक्षक को बच्चों के साथ में मारपीट करने का कोई अधिकार नहीं है। यदि जडौरा विद्यालय में किसी शिक्षक ने बच्चे को मारा पीटा होगा तो विभागीय कारवाई की जायेगी।
> **-श्रीराम**, खंड शिक्षा अधिकारी, कुंभी गोला खीरी।

> पीड़ित छात्र के पिता व स्कूल की शिक्षिका ने विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रताडित करने की तहरीर दी थी। मौके पर पहुंच कर दोनों पक्षों में सुलह समझौता करा दिया गया है।
> **-सुनील मलिक**, थानाध्यक्ष हैदराबाद।

> जडौरा के प्राथमिक विद्यालय मे शिक्षिका के द्वारा प्रताड़ना को लेकर थाने मे शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसका सुलह समझौता कराया गया है।
> **-संध्या मिश्रा**, ग्राम प्रधान जडौरा।

जांच कराने को किसान संगठन ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, सिधौली

अमृत विचार: नव भारती किसान संगठन के कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार सोनू के नेतृत्व में बीडीओ की अनुपस्थिति में पांच सूत्रीय ज्ञापन एडीओ को सौंपा। ज्ञापन में संगठन ने ग्राम पंचायत पनवाड़ी में हो रहे अनियमित कार्यों पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

बताया गया कि पंचायत में पीली और पुरानी ईंटों का प्रयोग कर निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसकी तत्काल जांच कर कार्रवाई होनी चाहिए। किसान संगठन ने गन्ना सेंट्रो पर किसानों से अवैध वसूली और 50 किलो गन्ना काटने जैसी अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने मांग की कि इसकी जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके अलावा जन सेवा केंद्रों पर आधार कार्ड बनवाने के नाम पर अवैध रूप से पैसे वसूलने और पात्र लोगों के राशन कार्ड निरस्त करने की शिकायतें भी शामिल रहीं।

संगठन ने कहा कि पात्रों के राशन कार्ड बनवाने के लिए कागज तो ले लिए जाते हैं पर काम नहीं होता, जिसकी जांच आवश्यक है। बाजपुर में सफाई कर्मचारी द्वारा ठीक से सफाई न किए जाने और ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जे का मामला भी ज्ञापन में प्रमुख रूप से उठाया गया। ज्ञापन देने वालों में प्रेम वर्मा, दिनेश मिश्रा, पुनीत मिश्रा, सुमित मिश्रा, शुभम मिश्रा, सागर मिश्रा, धर्मेंद्र मिश्रा, अजय मौर्या, जसबीर वर्मा, सियादेवी शर्मा, मनोज कुमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खनन टीम पर हमले के आरोपी अभी फरार

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचार: खनन विभाग की टीम पर हुए हमले के चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन सिंगाही पुलिस अब तक एक भी नामजद आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। कार्रवाई का यह शून्य स्तर अब पुलिस की भूमिका को संदिग्ध बना रहा है। क्षेत्र में पुलिस-माफिया गठजोड़ की चर्चा लगातार तेज होती जा रही है और लोग खुलेआम सवाल उठा रहे हैं कि आखिर पुलिस किस दबाव में काम कर रही है।

बता दें कि थाना क्षेत्र के मोतीपुर स्थित जौराहा नदी पर काफी लंबे अरसे से अवैध बालू खनन का कारोबार चल रहा था। तमाम शिकायतों के बाद भी स्थानीय पुलिस और तहसील निघासन के राजस्व अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे थे। प्रशासन कभी-कभार एक दो ट्रैक्टर-ट्राली पकड़कर सीज कर कागजी कोरम पूरा करते थे। 18 नवंबर को खनन अधिकारी आशीष सिंह ने रात करीब 11 बजे मोतीपुर के भौका घाट पर छापा मारा था और बालू भरी दो ट्रैक्टर ट्राली और दो खाली ट्रैक्टर ट्राली पकड़ी थी। इसी बीच मौके पर पहुंचे खनन माफियाओं ने टीम पर हमला बोल दिया था।

तमंचे के बल पर खनन निरीक्षक के गनर की राइफल छीनने की कोशिश की थी। इतना ही नहीं हाथापाई कर टीम को ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास किया था। पुलिस जब तक मौके पर पहुंचती। इससे पहले ही खनन माफिया खाली दोनों ट्रैक्टर और ट्राली लेकर भाग निकले थे। खनन निरीक्षक की तहरीर पर पुलिस ने 19 नवंबर को गांव मोतीपुर निवासी मुन्ना खान, कल्लू पुरवा निवासी हीरालाल, कोतवाली तिकुनिया के गांव तकियापुरवा निवासी रविंद्र भार्गव और बंजरिया फार्म निवासी फतेह सिंह व पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला समेत कई गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी, जिसके बाद उम्मीद थी कि पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी, लेकिन चार दिन बाद भी पुलिस की गिरफ्तारी शून्य है, जबकि आरोपियों के गांव और ठिकाने पुलिस की जानकारी में हैं। इस तरह की लापरवाही और सुस्ती ने जहां मामले को संदिग्ध बना दिया है। वहीं पुलिस और माफिया गठजोड़ की तरफ इशारा कर रहा है।

- सिंगाही पुलिस की भूमिका संदिग्ध, गठजोड़ की खुली पोल

> आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। पुलिस की संलिप्तता का जहां तक सवाल है। इसकी भी जांच की जाएगी।
> **-पवन गौतम**, एएसपी पूर्वी।

गनर पर तमंचा ताना, राइफल छीनने की कोशिश

अमृत विचार में छपी खबर की पीडीएफ।

दो नामजद आरोपियों को बचाने की कोशिश

पुलिस सूत्रों का कहना है कि मामले में दो प्रमुख आरोपी ऐसे हैं, जिनका अवैध खनन नेटवर्क काफी बड़ा है और कुछ पुलिसकर्मियों के साथ इनका गहरा संपर्क माना जाता है। पुलिस ने जानबूझकर इन दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए कोई दबिश अभी तक नहीं दी और न ही गिरफ्तारी की दिशा में कोई कदम उठाए हैं। थाने के अधिकारी मामले को हल्का दिखाने के लिए रिपोर्ट कमजोर करने की कोशिश में लगे हैं।

ट्रस्ट की दुकान पर कब्जे की कोशिश में केस दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: स्वामी श्याम प्रकाश उदासीन आश्रम और स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेज के सरबराहकार अध्यक्ष आनंद मोहन त्रिवेदी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोप है कि आश्रम की एक दुकान पर अवैध कब्जा जमाने को लेकर विवाद के दौरान दो युवकों ने दुकान का शटर तोड़ दिया और विरोध करने पर मारपीट और हमला करने की कोशिश की।

अध्यक्ष आनंद मोहन त्रिवेदी के अनुसार विवादित दुकान पूर्व में दिलीप गुप्ता पर किराए पर थी। 2022 में अधिवक्ता की सलाह पर फरहत खान के साथ एक एग्रीमेंट हुआ था, जिसकी अवधि दिसंबर 2024 में समाप्त हो गई। आरोप है कि किराया जमा न करने पर 3 नवंबर 2025 को चाबी लेकर दुकान बंद करा दी थी। इसी बीच 6 नवंबर को मोहल्ला नई बस्ती निवासी इमरान और शादाब दुकान का शटर तोड़कर अंदर बैठ गए। शुभम वर्मा, चेतन रस्तोगी और शिवम गुप्ता ने उन्हें घटना की सूचना दी। सरबराहकार आनंद मोहन त्रिवेदी मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। भीड़ बढ़ गई और उनके साथ कोर्ट जा रहे कई अधिवक्ता मौके पर पहुंचे। आरोप है कि शादाब ने कैंची से उन पर वार करने का प्रयास किया, लेकिन साथियों ने धक्का देकर वार को विफल कर दिया। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई प्रवीण कुमार को सौंप दी है।

- मंदिर की दुकान का शटर तोड़कर कब्जा करने का आरोप

रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल
पता : सेक्टर-7, राम गंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली
द्वारा आयोजित
नि:शुल्क भगन्दर, बवासीर/पाइल्स, नासूर, मस्से, PNS का चिकित्सा शिविर
धागा विधि (क्षारसूत्र) द्वारा भगन्दर, बवासीर/पाइल्स, नासूर, मस्से PNS आदि का सफल इलाज
परीक्षण, उपचार एवं ऑपरेशन अनुभवी चिकित्सकों द्वारा किया जाता है।
यदि आप निम्न लक्षणों से पीड़ित है तो एक बार अवश्य डोहरा रोड स्थित रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में दिखायें।
● शौच के समय मल द्वार से खून आना (बवासीर/मस्से/Piles)
● गुदामार्ग के पास फोड़ा होना, मवाद (पस) आना (नासूर/भगन्दर)
● कब्ज़ की शिकायत रहना
● शौच के समय दर्द एवं जलन रहना
● बच्चों के मलद्वार से खून आना, दर्द होना, कब्ज़ की शिकायत होना
शिविर में आये हुये मरीजों की नि:शुल्क शुगर की जाँच
नि:शुल्क परामर्श
● धागा विधि (क्षारसूत्र) द्वारा भगन्दर, बवासीर, PNS का सफल इलाज
● आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर
शिविर का स्थान
किरण हेल्थ केयर, सरकारी अस्पताल के गेट पर, नियम जगतपुर पुलिस चौकी, बरेली
दिनांक : 22-11-2025, शनिवार, समय प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक
शिविर का लाभ लेने के लिए निम्न नम्बर पर फोन करके रजिस्ट्रेशन करवायें
मो. 8077808309
नियमित सेवायें : क्षारसूत्र चिकित्सा की क्षारसूत्र विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सा कमरा नं0 10

स्वास्थ्य शिविर का मरीजों ने उठाया लाभ

खमरिया, अमृत विचार: बसढिया चौराहा भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की ओर से निशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर उपचार व परामर्श प्राप्त किया। शिविर में मौजूद सेल्स ऑफिसर सुशील मीड़ा, डॉ. अंशुल गुप्ता, जनरल फिजिशियन डॉ. अरविंद वर्मा, व डेंटल विशेषज्ञ डॉ. मोहित वर्मा ने मरीजों की जांच की और उपचार एवं भविष्य के लिए चिकित्सीय सुझाव दिए।टीम ने ब्लड प्रेशर, शुगर, सामान्य रोग, दांत संबंधी समस्याएं और मेडिसिन से जुड़ी कई जटिलताओं की जांच की गई। मरीजों को वहीं पर प्राथमिक उपचार भी उपलब्ध कराया गया।

लाखों रुपये खर्च, फिर भी सड़कों पर घूमते गोवंश

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर सहित न्याय पंचायत स्तर पर लाखों रुपया खर्च कर गौशाला बनाई गईं फिर भी रात में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गोवंश सड़कों पर विचरण करते हैं, जिनसे दुर्घटनाओं का भय बना रहता है। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने एसडीएम के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा है।

भारतीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष अनूप गुप्ता के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने तहसीलदार भीम सिंह को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में बड़ी संख्या में छुट्टा गोवंश रात के समय सड़कों पर घूमते रहते हैं। सर्दियों के मौसम में धुंध एवं अंधेरा होने के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संभावना अत्यधिक बढ़ जाती है।

कई बार भारी वाहनों से टकराकर गोवंश की मृत्यु हो जाती है तथा राहगीरों को भी गंभीर चोटें आती हैं। गोवंश का इस प्रकार असुरक्षित रूप से सड़कों पर घूमना न केवल जनमानस के लिए खतरा है, बल्कि यह गोवंश के जीवन के लिए भी हानिकारक है। इन्हें गोशाला भेजवाया जाए, जिससें चारा, पानी एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके।

गोला में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते बजरंग दल के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- बजरंग दल के पदाधिकारियों ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन

दल के जिला अध्यक्ष अनूप गुप्ता ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रदेश सरकार गौशालाओं पर प्रतिमाह करोड़ों रुपये खर्च करती है। इसके बावजूद गोवंश सड़कों पर घूमने को मजबूर हैं, जो जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही को दर्शाता है। ज्ञापन देते समय प्रदेश मंत्री अशोक जोशी, अमित मिश्रा, हिमांशु जोशी, विनय माहेश्वरी, सुमित गुप्ता, विकास कुमार, शिवम राज, अभिषेक पटेल, मनीष सिंह, राजेंद्र कुमार तिवारी, सूरज आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

विदेश भेजने के नाम पर युवक से ठगी

बेहजम, अमृत विचार : नीमगांव थाना क्षेत्र में विदेश भेजने के नाम पर ठगी का गंभीर मामला सामने आया है। कैमा बुजुर्ग निवासी सुरेन्द्र मोहन ने आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने पुत्र मोहित को विदेश भेजने के लिए वीज़ा बनवाने की प्रक्रिया में शाहजहांपुर के थाना खुटार के गांव मदनापुर निवासी गुरूप्रीत सिंह एवं गुरूपेज सिंह को कुल आठ लाख बीस हजार रुपये अपने बैंक खाते से स्थानांतरित किए थे। पीड़ित के अनुसार दोनों आरोपितों ने वीजा बनवाने का भरोसा देकर रकम ली, किंतु न तो वीजा तैयार कराया गया और न ही दी गई राशि वापस की। काफी समय बीत जाने के बाद जब कोई समाधान न निकला तो सुरेन्द्र मोहन ने नीमगांव थाने में पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब पीड़ित ने यह आरोप लगाया कि कार्रवाई के एवज में हल्का इंचार्ज जितेन्द्र पाल सिंह ने उनसे नौ हजार रुपये ले लिए। पीड़ित ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया है, जिसमें वह एसपी से करवाई की मांग कर रहा है। नीमगांव पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी हुई है। हालांकि आरोपी दरोगा ने अभी तक आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

फार्मर रजिस्ट्री में प्रदेश में लखीमपुर खीरी प्रथम

डीएम ने किया कृषि विभाग कर्मियों का सम्मान, 4 लाख और फार्मर रजिस्ट्री वाले जिलों में लखीमपुर खीरी टॉप-फाइव में शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: किसानों के दस्तावेजों को डिजिटल पहचान देने और सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने के लिए चलाए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री अभियान में लखीमपुर ने इस बार शानदार प्रदर्शन किया है। प्रदेश में 4 लाख से अधिक फार्मर रजिस्ट्री करने वाले शीर्ष जनपदों में खीरी टॉप-फाइव में पहुंच गया है। 15 अक्टूबर से लगातार जिले का दैनिक औसत 2233 फार्मर आईडी, जो प्रदेश में सर्वाधिक है, शासन स्तर पर विशेष सराहना का विषय बना हुआ है।

अटल सभागार में शुक्रवार को आयोजित सम्मान समारोह में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार और एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने तहसील स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषि विभाग के तीन-तीन कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान सम्मानित 21 कार्मिकों ने अभियान से जुड़े अपने अनुभव, चुनौतियाँ और ग्रामीणों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं भी साझा कीं। सम्मान समारोह में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि प्रदेश में 04 लाख से अधिक फार्मर रजिस्ट्री करने वाले शीर्ष जनपदों में जिले का प्रदेश में टॉप 5 पर पहुंचना और सबसे अधिक दैनिक औसत 2233 फार्मर आईडी बनाना टीम की उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रमाण है। उन्होंने कृषि विभाग, तहसील स्तर की टीमों और क्षेत्रीय कार्मिकों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान डीडी (कृषि) गिरीश चंद्र और जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने अभियान की प्रगति, विभाग की रणनीति और किसानों को मिलने वाले लाभों पर विस्तृत जानकारी साझा की। समारोह में कृषि विभाग के अधिकारियों व कार्मिकों ने अभियान को और अधिक गति देने का संकल्प दोहराया।

कर्मचारियों को सम्मानित करतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, साथ में सीडीओ अभिषेक कुमार।

कृषि विभाग के कार्मिकों को सम्मानित करने के दौरान डीएम व जिला स्तरीय अधिकारी। ● अमृत विचार

अगले माह और भी कार्मिक होंगे सम्मानित

डीएम ने घोषणा की है कि अगले एक माह में सर्वाधिक फार्मर रजिस्ट्री करने वाले कार्मिकों को विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा। इससे विभाग में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और कार्य की गति में और बढ़ोतरी की उम्मीद है।

इन कार्मिकों का किया गया सम्मान

सम्मानित कार्मिकों में विभिन्न विकास खंडों के प्राविधिक सहायक, एटीएम और बीटीएम शामिल रहे। नकहा के अजीत वर्मा, फूलबेहड़ के प्रदीप वर्मा, सदर के अखिलेश कुमार, गोला के मोहम्मद अनीश ख़ान, बांकेगंज के कमलेश कुमार, बिजुआ के अरविंद कुमार, मितौली से संदीप कुमार और हरजेश सिंह, बेहजम के अनिल कुमार, पलिया के सुनील कुमार, अहमद अली और रोहित वर्मा, निघासन के जितेंद्र कुमार और दिलीप कुमार, रमियाबेहड़ के अनिल कुमार व योगेश कुमार, धौरहरा के रामसागर, ईसानगर के गुड्डू लाल, मोहम्मदी के सुशील कुमार यादव और नरेंद्र कुमार, जबकि पसगवां से अरविंद व रशीद अंसारी को सम्मानित किया गया।

यह है फार्मर रजिस्ट्री के बड़े लाभ

फार्मर रजिस्ट्री बनने से किसानों को अनेक सुविधाएं मिलती हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ बिना अतिरिक्त सत्यापन के सीधे उपलब्ध हो जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कृषि उत्पाद बेचने की प्रक्रिया सरल होती है और पंजीकरण संबंधी औपचारिकताओं का बोझ कम हो जाता है। फसल नुकसान की स्थिति में वास्तविक क्षति के आधार पर मुआवजा प्राप्त करना आसान हो जाता है। प्रत्येक कृषक को अपनी एक डिजिटल पहचान मिलती है, जिससे उसके अभिलेख सुरक्षित और सुव्यवस्थित रहते हैं। इसके साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि की किस्तें भी निर्बाध रूप से सीधे खाते में प्राप्त होती हैं, जिससे किसानों को योजनाओं का लाभ समय पर और बिना किसी बाधा के मिल पाता है।

करंट लगने से पांच साल के बच्चे की मौत

सिंगाही, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के करदहिया गांव में घर में खेल रहे पांच वर्षीय मासूम की करंट लगने से मौत हो गई। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। परिवार वालों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है।

मृतक साहिल।

ग्राम पंचायत बंगलहा तकिया के करदहिया गांव निवासी रहीस का 5 वर्षीय पुत्र साहिल सुबह घर के आंगन में खेल रहा था। खेलते-खेलते वह घर के एक कमरे में पहुंच गया। उसी कमरे में बिजली का एक नंगा तार पड़ा हुआ था। साहिल नंगे पैर था। वह जैसे ही तारों के संपर्क में आया। उसे करंट लग गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय कमरे में कोई मौजूद नहीं था। काफी देर तक साहिल कमरे से बाहर नहीं आया तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। जब वे कमरे में पहुंचे तो साहिल जमीन पर बेसुध पड़ा मिला। बच्चे की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। शव देख परिवार में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की हुई मौत

संवाददाता, बांकेगंज

अमृत विचार: गोला बांकेगंज रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गयी। घटनास्थल से कुछ दूरी पर उसकी बाइक स्टार्ट खड़ी मिली। गेटमैन की सूचना पर पहुंची पुलिस व जीआरपी टीम ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक सोनेलाल।

गुरुवार रात ट्रेन संख्या 55085 पीलीभीत डालीगंज पैसेंजर गोला की ओर जा रही थी। तभी पोल संख्या 173/3 और 173/4 के बीच सरकारपुर गांव के निकट सोनेलाल (22) ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन की चपेट में आने पर उसका सिर क्षत विक्षत हो गया। लोको पायलट ने गोला रेलवे स्टेशन मास्टर को घटना की सूचना दी। गोला से जीआरपी से एसआई विनोद सिंह और बांकेगंज पुलिस चौकी से दीवान श्याम सिंह घटना स्थल पर पहुंचे।

● घटना स्थल से कुछ दूर स्टार्ट खड़ी मिली बाइक

मृतक युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से आधार कार्ड मिला। जिससे उसकी पहचान विकास खंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत ग्रंट नंबर 11 के गांव धर्मपुर निवासी प्रेमचंद्र के 22 वर्षीय पुत्र सोनेलाल मौर्य के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक के परिजन के घर सूचना दी। परिजनों के मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मौके पर उसके पास मोबाइल नहीं मिला। उसके भाई संजय की बाइक रेलवे ट्रेक से नीचे स्टार्ट खड़ी मिली।

परिजनों ने बताया कि मृतक सोनेलाल गोला में भदौरिया शटरिंग के यहां काम करता था। सोनेलाल का एक भाई 25 वर्षीय संजय बाहर मजदूरी करता है। मां की बचपन में ही मृत्यु हो गयी थी। दोनों का उनकी ताई शकुन्तला ने पालन पोषण कर बड़ा किया। ताई शकुन्तला का रो रोकर बुरा हाल था। परिवार ने किसी भी प्रकार की रंजिश से इंकार किया है।

रैन बसेरों एवं अलाव स्थलों पर न रहे कमी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में समीक्षा बैठक की, जिसमें उनका जोर शीतलहर के दौरान तैयारियों पर रहा। उन्होंने कहा कि रैन बसेरों और अलाव स्थलों पर व्यवस्था में कोई कमी न रहे।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने प्रभारी मंत्री के गत भ्रमण के दौरान की गई विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में प्राप्त दिशा निर्देशों के शत प्रतिशत अनुपालन की पुष्टि की। प्रभारी मंत्री ने शीतलहर के मद्देनजर की गई तैयारियों की गहन समीक्षा की। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि जरूरतमंदों को बांटे जाने वाले कंबलों का टेंडर पूर्ण हो चुका है। नगर निकायों ने रैन बसेरों और अलाव स्थलों को चिह्नित कर लिया है। मंत्री ने साफ निर्देश दिए कि रैन बसेरों में हर सुविधा मुस्तैद हो, ठंड बढ़ने से पहले इंतजाम दुरुस्त कर दिए जाएं।साथ ही उन्होंने गो-आश्रय स्थलों में भी ठंड से बचाव की व्यवस्थाएं मजबूती से करने का आदेश दिया। इस दौरान विधायक योगेश वर्मा, विनोद शंकर अवस्थी, शशांक वर्मा, जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा, सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक में दिशा निर्देश देते प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल। ● अमृत विचार

● प्रभारी मंत्री की समीक्षा बैठक में शीतलहर की तैयारियों पर जोर

जनसुनवाई को सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रभारी मंत्री ने सीएम युवा उद्यमी योजना की समीक्षा की और सभी विभाग समेकित रूप से प्रयास करते हुए युवाओं को इस महत्वाकांक्षी योजना से जोड़कर उनके जीवन समृद्ध बनाएं। कहा कि प्राथमिकता के आधार पर जनसुनवाई अवश्य करें। वरासत, मेड़बंदी, जमीनी विवाद के मामलो का समयबद्ध निस्तारण कराए। बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

शिविर में 300 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: रोटरी क्लब गोला मुस्कान एवं रोटरेक्ट क्लब गोला यूथ के संयुक्त प्रयासों से श्री गुरु नानक कन्या महाविद्यालय में लगाए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 300 लोगों का परीक्षण हुआ। कैंप में श्री राम मूर्ति स्मारक हॉस्पिटल बरेली के डॉक्टरों कार्डियोलॉजी डिपार्मेंट के डॉ. अमरेश अग्रवाल, ऑर्थोपेडिक डॉ. अफसर खान, गैस्ट्रोलॉजी डॉ. अतुल कुमार राठौर, कैंसर रोग स्पेशलिस्ट डॉ. अनिकेत गणेश ने 300 मरीजों की ईसीजी, बीपी, शुगर आदि जांचें करवाईं। भीड़ की अधिकता देख रोटरी और रोटरेक्ट के साथियों ने तत्काल सभी ब्रांचों के रजिस्ट्रेशन कराने में सहयोग किया। रोटरी मुस्कान के पदाधिकारियों ने डॉक्टरों का फूल माला पहना कर, स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। व्यवस्था में रोटरी क्लब के अध्यक्ष अरविंद गुप्त रामजी, पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, मिली गुप्ता, सचिव अनुराधा गुप्ता, नीलू भारती, विवेक वर्मा, राजीव गुप्ता, संदीप मित्तल आदि लगे रहे।

बेटियों को मंडल स्तर पर मिला पहला स्थान

पुरस्कार के साथ प्रतियोगिता में विजयी छात्राएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: गुरु नानक विद्यासभा कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने मंडल स्तर पर आयोजित महादेवी वर्मा वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर लखीमपुर का नाम एक बार फिर रोशन किया है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी आफरीन अंसारी (पक्ष) और त्रिशिका सिंह (विपक्ष) ने अपने सशक्त तर्कों, प्रभावशाली प्रस्तुति और बेहतरीन वक्तृत्व कला से निर्णायकों को प्रभावित किया।

20 नवंबर को राजकीय इंटर कॉलेज, निशातगंज, लखनऊ में आयोजित प्रतियोगिता में मंडल के विभिन्न जिलों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें राजकीय कन्या इंटर कॉलेज उन्नाव द्वितीय स्थान पर रहा। होनहार छात्राओं की उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा, विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ. मीनाक्षी तिवारी, डॉ. अनिल कुमार, तथा युवा स्वयंसेवक संदीप कुमार वर्मा ने विजयी छात्राओं को बधाई देते हुए आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। स्कूल के शिक्षक शिव शंकर अवस्थी का विशेष योगदान रहा।

बैठक में कई विकास कार्यों को दी गई स्वीकृति

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: कुंभी ब्लॉक के सभागार में हुई क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक में विधायक ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ लेने के बारे में अवगत कराया।

नगर के लखीमपुर रोड स्थित कुंभी ब्लॉक के सभागार में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक में मुख्य अतिथि विधायक अमन गिरि ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती को नमन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अधिकारियों से सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने इनका लाभ लेने के तरीके भी बताएं। बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत वधु के खाते में 60 हजार रुपये के साथ ही 25 हजार की सामग्री, वृद्धा पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना, सुकन्या योजना, महिलाओं के समूह योजना से किए जा रहे कार्य, ग्राम सभा में तीन से चार एकड़ जमीन होने पर बच्चों के खेल का मैदान बनाने आदि तमाम लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी।

ब्लॉक प्रमुख विमल वर्मा ने बताया कि समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण व विधायक अमन गिरि के प्रयास से कुंभी क्षेत्र में ग्राम कोटनाथ में 80 लाख रुपये की लागत से तमाम विकास कार्य कराए जाने हैं, जिसमें 50 लाख रुपये स्वीकृत हो चुके हैं। विधायक ने इस कार्य को स्वीकृत करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण का आभार व्यक्त किया। विधानसभा संयोजक अवधेश मिश्रा, बीडीओ एपी रस्तोगी, जिला पंचायत सदस्य तौहीद खान, आलमी, गोला देहात प्रधान राजेश गिरि, अशोक कनौजिया सहित तमाम ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

कुभी क्षेत्र पंचायत की बैठक में मौजूद विधायक, अधिकारी और सदस्य।

● क्षेत्र पंचायत की बैठक में दी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की जानकारी

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ गायत्री महायज्ञ

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचार: गोला तहसील क्षेत्र के गांव इमलिया में बरमबाबा आश्रम पर गायत्री परिवार की ओर से पांच कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा सम्मेलन का आरंभ कलश यात्रा के साथ किया गया।

कलश यात्रा हनुमान मंदिर बरमबाबा आश्रम से शुरू हुई और अजान कस्बे में रामजानकी मंदिर पर महिलाओं ने कलश भरा। गांव अजान के मार्गों का भ्रमण कर वापस यज्ञस्थल तक पहुची। इस दौरान महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश रखकर हम बदलेंगे युग बदलेगा, हम सुधरेंगे युग सुधरेंगा, नारियो जागो, अपने को पहचानो जैसे उद्घोष करती हुई शोभायात्रा आगे बढ़ी। गायत्री माता की पूजा-अर्चना की। कलश यात्रा के समापन पर शान्ति कुंज की टोली ने आरती की। आचार्य सत्यनारायण वर्मा, सुशील गुप्ता, रामनरेश, आयोजक तिलकराम वर्मा ने बताया कि गायत्री महायज्ञ का उद्देश्य मानव कल्याण और शांति को बढ़ावा देना है। सुशील गुप्ता, सुंदरलाल प्रजापति, अयोध्या प्रसाद वर्मा, जगदीश राजवंशी, मुनीश चन्द्र शुक्ला, सरस्वती द्विवेदी आदि रहीं।

इमलिया में महायज्ञ की शुरुआत कराते गायत्री परिवार के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सूचित किया जाता कि मकान नम्बर 267 बाग अहमद अली तालाब गंगापुर रोड बरेली जिसके सम्बन्ध में हिस्से को लेकर विवाद सिविल न्यायालय में विचाराधीन है जिसमें माननीय न्यायालय द्वारा मौके पर यथास्थिति बनाये रखे जाने का स्टे आदेश पारित किया गया है जिसकी प्रति संलग्न की जाती है। यदि उक्त मकान को कोई भी व्यक्ति क्रय करता है तो उसका समस्त उत्तरदायित्व उसी व्यक्ति का होगा। **रेशमा खातून पुत्री इश्तियाक उल हसन निवासी बिहारीपुर कहरवान बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र जोगेन्द्र सिंह यादव को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **कल्लू यादव पुत्र श्री शिव लाल यादव निवासी 132, सिविल लाइन्स, चौपला बरेली, उ.प्र.**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आर्मी नं. 6933240वाई रैंक-हवलदार के सर्विस रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम भूलवश रीना रावत जन्मतिथि 30.05.1975 दर्ज हो गई है जबकि सही नाम रीना नेगी जन्मतिथि 02.08.1976 है। **पदम भूषण सिंह पुत्र श्री भीम सिंह नेगी निवासी भरतौल तह. व जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के स्कूल के अभिलेखों में भूलवश नाम ABHAY PRATAP व जन्मतिथि 10.09.2014 जन्म हो गया है जबकि उसका वास्तविक नाम ABHAY व जन्मतिथि 10.09.2016 है। आधार कार्ड में भी यही नाम व जन्मतिथि दर्ज है। **राम मोहन पुत्र श्री बाबू राम निवासी ग्राम बिलहारी जिला शाहजहांपुर।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के स्कूल के अभिलेखों में भूलवश नाम AJAY PRATAP व जन्मतिथि 10.11.2015 जन्म हो गया है जबकि उसका वास्तविक नाम AKSHAY व जन्मतिथि 10.11.2017 है। आधार कार्ड में भी यही नाम व जन्मतिथि दर्ज है। **राम मोहन पुत्र श्री बाबू राम निवासी ग्राम बिलहारी जिला शाहजहांपुर।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी एम.कॉम. की डिग्री रोल नं. 6403352 इनरोलमेन्ट नं. 0671499 दिनांक 15.02.2012 को एम.जे.पी.आर.यू. द्वारा जारी की गई थी दिनांक 01.11.2025 को मेरे बैग के साथ चोरी हो गई है। **शफत अली खान पुत्र शौकत अली खान निवासी 666,667 बिहारीपुर सिविल लाइन बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

बाल कवि सम्मेलन में बच्चों ने सुनाईं कविताएं

गोला में बाल कवियों के साथ अतिथि और कथावाचक। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: श्रीधाम वृंदावन के राधिका शरण जी महाराज, राधिका किशोरी एवं श्यामा किशोरी द्वारा आयोजित कथा में विद्यालय उमा देवी चिल्ड्रेंस एकेडमी के बच्चों द्वारा बाल कवि सम्मेलन का आयोजन कर कविताएं सुनाई गईं।

बाल कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू, विशिष्ट अतिथि आचार्य रामदेव शास्त्री, विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव कुमार गुप्ता, अमित कुमार पांडे, रवींद्र कटियार, आदित्य शास्त्री ने कवि सम्मेलन में कवियों का सम्मान किया। संचालन हितेश पांडे ने किया। सम्मेलन में कवि सौम्या सिरोही, निमृत चौधरी, वंशिका वर्मा, गुरलीन कौर, आर्यन वर्मा, अनिकेत वर्मा, अनन्य कृष्ण मिश्रा, अमोल शुक्ला आदि ने काव्यपाठ किया।

नवंबर में 487 रुपये में होगी लखनऊ से दुधवा की यात्रा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: आगामी छुट्टियों के बढ़ते आवागमन को देखते हुए लखनऊ के कैसरबाग बस स्टेशन से दुधवा नेशनल पार्क के लिए चल रही विशेष एसी 2x2 बस सेवा को अब पूरे नवंबर महीने तक बढ़ा दिया गया है। 4 नवम्बर को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई यह सेवा शुरुआती चरण में मात्र पंद्रह दिनों के लिए तय थी, लेकिन यात्रियों की बढ़ती मांग पर इसे पूरे माह संचालित करने का निर्णय लिया है। इस विस्तार के साथ अधिक से अधिक प्रकृति प्रेमी और पर्यटक अब दुधवा की अद्वितीय हरियाली, समृद्ध वन्यजीव और शांत प्राकृतिक वातावरण की सहज एवं किफायती यात्रा का आनंद ले सकेंगे।

फैक्ट फाइल

रूट : कैसरबाग, लखनऊ से दुधवा नेशनल पार्क
किराया : 487 प्रति यात्री
लखनऊ से प्रस्थान : सुबह 8:00 बजे
लखनऊ में आगमन : रात 8:00 बजे
सेवा प्रकार : एसी 2X2 बस

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, यूपीएसआरटीसी ने उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड के प्रस्ताव पर शुरू की गई इस विशेष सेवा को वन विभाग का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त है। यह पहल दुधवा जैसे देश के सबसे समृद्ध और संवेदनशील वन्यजीव आवास तक पर्यटकों की सहज, सुरक्षित तथा किफायती पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कैसरबाग से सुबह 8 बजे रवाना होती है बस

यह बस प्रतिदिन कैसरबाग से सुबह 8:00 बजे रवाना होती है और दोपहर 1:30 बजे दुधवा नेशनल पार्क पहुंचती है। मात्र 487 रुपये प्रति यात्री के किफायती किराये के साथ यह सेवा स्कूली बच्चों, अभिभावकों, वन्यजीव प्रेमियों, छात्र समूहों तथा प्रकृति के बीच अल्पावधि अवकाश बिताने के इच्छुक यात्रियों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरी है। दुधवा का तराई वाला क्षेत्र बाघ, एक-सींग वाले गैंडे, हाथी, बारहसिंगा, घड़ियाल सहित 450 से अधिक पक्षी प्रजातियों का अभयारण्य माना जाता है। साल के पेड़ों वाले घने जंगल, फैले हुए जल-समृद्ध क्षेत्र और घास के मैदान इस पूरे परिदृश्य को भारत के सबसे संरक्षित और जीवंत प्राकृतिक आवासों में शामिल करते हैं।

विस्टाडोम सफारी में बढ़ी पर्यटकों की दिलचस्पी

इसी महीने पुन : शुरू की गई स्पेशल विस्टाडोम ट्रेन सफारी में भी पर्यटकों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। अब तक लगभग 150 बच्चे, छात्र और प्रकृति प्रेमी इस अनोखी यात्रा का अनुभव कर चुके हैं, जिसमें खुला दृश्य प्रदान करने वाली पारदर्शी खिड़कियां और आरामदायक डिब्बे जंगल के बीच से गुजरते समय एक रोमांचक एहसास कराते हैं। इस महीने लगभग 150 छात्र विस्टाडोम सफारी का आनंद ले चुके हैं।

आरामदायक सुविधाओं से परिपूर्ण यह बस सेवा उन यात्रियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो रही है।

स्पेशल बैक परीक्षा में फेल छात्रों को एक और मौका

बरेली, अमृत विचारः रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-25 की स्पेशल बैक परीक्षा में फेल छात्रों को एक और मौका दिया है। परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार के मुताबिक ऐसे छात्र जिन्होंने बैक परीक्षा का फार्म भरकर परीक्षा दी और फेल हो गए और जिन्होंने परीक्षा नहीं दी वह मुख्य परीक्षा वर्ष 2026 के स्नातक स्तर पर विषम सेमेस्टर में सिर्फ केवल पंचम सेमेस्टर और स्नातकोत्तर स्तर पर सिर्फ तृतीय सेमेस्टर बैक परीक्षा के आवेदन 22 नवंबर से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन भर सकेंगे। छात्रों को 27 नवंबर तक फार्म भरने होंगे और भरे हुए फार्म 28 नवंबर तक महाविद्यालय में जमा करने होंगे। महाविद्यालयों को भरे हुए फार्म 29 नवंबर तक ऑनलाइन जमा करने होंगे। स्नातक और स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर वर्ष मुख्य परीक्षा 2026 के फार्म भरने की तिथि अलग से जारी की जाएगी।

आजम के मामलों की सुनवाई से खुद को किया अलग

यतीमख़ाना मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जैन ने अधिवक्ताओं की मौजूदगी में अचानक यह घोषणा की

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचारः समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रहे इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति समीर जैन ने अचानक स्वयं को इन सभी मामलों से अलग कर लिया। शुक्रवार को यतीमख़ाना मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जैन ने अधिवक्ताओं की मौजूदगी में अचानक यह घोषणा की कि वह अब आजम खान से जुड़े किसी भी मामले की सुनवाई नहीं करेंगे। हालांकि उन्होंने इस निर्णय के पीछे कोई कारण नहीं बताया।

आजम खां।

न्यायमूर्ति जैन की एकलपीठ के समक्ष आजम खान के कुल चार मामले लंबित थे। उनकी अलगाव घोषणा के साथ ही अब इन मामलों को नई पीठ को सौंपा जाएगा, जिसके निर्धारण की जिम्मेदारी मुख्य न्यायाधीश पर होगी। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति समीर जैन अदालत में कई चर्चित संवेदनशील मामलों की सुनवाई के लिए जाने जाते हैं।

उन्होंने पूर्व में माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को सुनाई गई दो वर्ष की सजा पर रोक लगाने का आदेश दिया था, जिससे उनकी विधायकी बहाल हुई थी। इसके अतिरिक्त कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आज़ाद, सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क और पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के मामलों की सुनवाई भी उनकी पीठ ने की है। आजम खान के मामलों से स्वयं को अलग करने के उनके निर्णय ने न्यायिक और राजनीतिक गलियारों में आश्चर्य उत्पन्न कर दिया है।

क्वालिटी बार में 8 दिसंबर को सुनवाई : रामपुर,अमृत विचारः सिविल लाइंस स्थित क्वालिटी बार में लूटपाट करने के मामले में आजम खां सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया था। जिसकी सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में हो रही है। शुक्रवार को वादी कोर्ट पहुंचे। हालांकि सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले में 8 दिसंबर को सुनवाई होगी।

आजम खान की तबीयत बिगड़ी, सांस लेने में दिक्कत

रामपुर, अमृत विचार : रामपुर जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की शुक्रवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ गई है। शुक्रवार शाम से उन्हें सांस लेने में समस्या हो रही है। हाल में ही दो पैन कार्ड मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल आजम खान को सात-सात साल की सजा सुनाई थी। तभी से पिता-पुत्र रामपुर जिला कारागार में बंद है। शुक्रवार शाम को अचानक आजमगढ़ की हालत बिगड़ गई। उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी। जानकारी मिलने के बाद जेल प्रशासन ने डॉक्टर को बुलाकर चेकअप कराया। नेबुलाइजर दिया गया ताकि सांस लेने में कोई परेशानी ना हो। जेलर सुनील कुमार ने बताया कि जेल के डॉक्टरों ने आजम खान का चेकअप किया। दवाएं दी हैं। इससे पहले आजम खान ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए कुर्सी की मांग की थी, लेकिन जेल प्रशासन ने नियमों का हवाला देकर इसे मना कर दिया था। कुर्सी न मिलने पर आजम खान नाराज हो गए थे। इसके बाद उन्होंने शुक्रवार को किसी से भी मुलाकात करने से इंकार कर दिया था।

कार्यालय नगर पंचायत मीरगंज (बरेली)

पत्रांक : 489/पं.मी./2025-26 दिनांक : 21.11.2025

सूचना

समस्त जलौनी लकड़ी विक्रेताओं/फर्मो/सप्लायर्स को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत मीरगंज जनपद बरेली के द्वारा गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी नगर के गरीब व असहाय व्यक्तियों को शीतलहर के प्रकोप से बचाव को दृष्टिगत रखते हुये नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाने हेतु सूखी जलौनी लकड़ी की आपूर्ति हेतु प्रति कुन्टल दरें/भाव दिनांक 22.11.2025 को सुबह 10:00 बजे से दिनांक 28.11.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्राप्त प्रति कुन्टल दरें/भाव दिनांक 28.11.2025 को दोपहर 02:00 बजे उपस्थित विक्रेताओं की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी के समक्ष खोली जायेगी। अन्य शर्तो की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय नगर पंचायत मीरगंज से प्राप्त कर सकते हैं।

लिपिक नगर पंचायत मीरगंज बरेली | **अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मीरगंज बरेली** | **अध्यक्ष नगर पंचायत मीरगंज बरेली**

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

पत्रांक: 4350 का0ब0वि0प्रा0/2024-25 दिनांक 21.11.2025

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मैसर्स जी0पी0डी0 एसोसिएट प्रा0लि0 द्वारा डायरेक्टर डा0 गोपाल दत्त पुत्र स्व0 श्री सत्यपाल दत्त द्वारा निर्माण स्थल-प्लॉट नंबर 35/I-4 पुराना नगर निगम 153/9-6 पुराना एवं न्यू नगर निगम नंबर 183/158/1-6 रामपुर बाग, सिविल लाइंस, बरेली क्षेत्रफल 1671.58 वर्गमी0 भूमि पर ''व्यावसायिक परिसर '' की अनुज्ञा हेतु ऑनलाइन मानचित्र संख्या-बी0डी0ए0/बी0पी0/25-26/0307 प्रस्तुत किया गया है। बरेली महायोजना-2031 के अनुसार स्थल का भू-उपयोग कार्यालय है व स्थल के सम्मुख 30 मीटर चौड़ा मार्ग दर्शित है।

उत्तर प्रदेश के विकास प्राधिकरणों हेतु मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन - 2025 के प्रस्तर 15.3.2 के क्रम संख्या - 2.2 के अनुसार ''व्यावसायिक परिसर क्रिया '' भू - उपयोग '' कार्यालय उपयोग '' में अनुमन्य है। प्रस्तर 15.1.3 के बिन्दु (iv) में उल्लेख है कि महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित ले-आउट में परिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्ति / सुझाव आमंत्रित करने के उपरान्त दी जाएगी। उक्त के क्रम में जन-सामान्य को कोई आपत्ति / सुझाव देने हैं तो विज्ञप्ति प्रकाशन के एक माह के अन्दर प्राधिकरण लिपिक श्री मोहित कुमार (प्रथम) को प्राप्त करा सकते हैं। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति / सुझाव को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण
बरेली

सुभाषनगर में बुजुर्ग समेत दो ने फंदा लगाकर दी जान

बरेली, अमृत विचारः सुभाषनगर थाना क्षेत्र में 24 घंटे में बुजुर्ग समेत दो लोगों ने फांसी लगाकर जान दे दी। पहले मामले में पत्नी से विवाद के बाद युवक फंदे पर लटक गया, जबकि दूसरे मामले में बुजुर्ग ने आत्महत्या कर ली।

बग्गा कॉलोनी निवासी बुजुर्ग अजयपाल (62) की पत्नी की वर्ष 2018 में मौत हो गई थी। इसकी वजह से वह मकान में अकेले ही रहते थे। उनका बेटा ब्रजेश सिंह गुजरात में प्राइवेट कंपनी में काम करता है। अजयपाल ने गुरुवार रात में खिड़की के पर्दे को छत के कुंडे में बांधकर लटककर जान दे दी। पुलिस ने मृतक के भाई एवं भतीजे की मौजूदगी में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं प्रजापति कॉलोनी निवासी अमन का शव शुक्रवार सुबह कमरे में खिड़की की सरिया के सहारे फंदे से लटका मिला। परिजनों ने बताया कि साल 2021 में अमन की शादी काजल नाम की युवती के साथ हुई थी। शादी के बाद पति-पत्नी में विवाद होने लगा। इसके चलते काजल उसे छोड़कर अलग रहने लगी। इस बीच अमन ने अलीगढ़ के माणिक चौक निवासी मुस्कान से वर्ष 2022 में दूसरी शादी कर ली थी। परिजनों का आरोप है कि पहली पत्नी काजल समझौते के नाम पर उससे रुपये मांग रही थी। जिससे अमन परेशान था। इसी के चलते अमन ने फंदा लगाकर जान दे दी।

दंपती गिरफ्तार, दूसरे आरोपी दंपती की तलाश

हनी ट्रैप गैंग

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

पुलिस की गिरफ्त में हनी ट्रैप के आरोपी।

- पति से 1.60 लाख रुपये वसूले जाने पर महिला ने दर्ज कराई थी रिपोर्ट

अमृत विचार : थाना सिविल लाइंस पुलिस ने हनी ट्रैप के जरिए लोगों से अवैध वसूली करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए एक दंपती को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने प्रेस वार्ता में मामले का खुलासा किया।

एपी सिटी ने बताया कि मामला शिकायतकर्ता फारिया पत्नी असीम अहमद की तहरीर पर सामने आया था। पीड़िता फारिया ने बताया कि कुछ लोगों ने उनके पति को हनी ट्रैप में फंसाकर 1 लाख 60 हजार रुपये वसूल लिए और वीडियो वायरल करने व दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी। आरोपी दंपती वसीम और पत्नी मुस्कान के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। जिसके बाद टीम ने आरोपी दंपती की तलाश में दबिश दी। साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी वसीम उर्फ मुन्ना और उसकी पत्नी मुस्कान निवासी चक्कर की मिलक (हाल निवासी मुगलपुरा) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि गैंग की महिला सदस्य सोशल मीडिया और फोन के जरिए लोगों को फुसलाकर बुलाती हैं, जहां आपत्तिजनक वीडियो बनाया जाता है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11350 / 141सी0(ई0टेण्डर)-3 / 25 दिनांक: 17.11.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन-लाइन ई-निविदा दिनांक 24.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.25 को अपरान्ह .12 30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (सेतु कार्य हेतु)
1	2	3	4	7	8	9	10
1	जनपद शाहजहाँपुर में ग्राम कुकहा महमूदपुर से प्राइमरी स्कूल विक्रमपुर चकोरा सम्पर्क मार्ग पर 4 गुणा 6.00 मीटर स्पान के लघु सेतु एवं अतिरिक्त पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025-26)	प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर	350.00	19.50	2725.00	12 माह	'ए' (सेतु कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 240935 दिनांक: 20/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(महेन्द्र कुमार पाल) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर
(प्रकाश चन्द्र) अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकण, बरेली

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वेदान्त बिल्डर्स एल.एल.पी. के पार्टनर मो. हसीब पुत्र श्री मो. हनीफ निवासी 39 काजी टोला, पुराना शहर, बरेली एवं लकीब्रिक बिल्डवेल प्रा. लि. के डायरेक्टर श्री अमित सेठी पुत्र श्री रामचन्द्र सेठी, मो. हसीब पुत्र श्री मो. हनीफ मानचित्र संख्या-बी.डी.ए./एल.डी./25-26/0241 गाटा संख्या-822 ग्राम कलारी बरेली पर आवासीय तलपट मानचित्र प्रस्तावित किया गया है, जो पूर्व स्वीकृत कालोनी बालाजी बिल्डर्स मानचित्र संख्या-बी.डी.ए./एल.डी./24-25/0535 ग्राम कलारी बरेली के आन्तरिक 12 मीटर चौड़े मार्ग का प्रयोग प्रस्तावित कालोनी में पहुंच (एप्रोच) हेतु किया गया है।

अतः उक्त प्रस्तावित मानचित्र में पहुँच हेतु प्रयोग किये जाने वाले 12 मीटर चौड़े मार्ग के सम्बन्ध में जन-सामान्य को आपत्ति/सुझाव देने है, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर अपना आपत्ति/सुझाव प्राधिकरण कार्यालय में मानचित्र लिपिक श्री मोहित कुमार को प्राप्त करा सकते हैं। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति/सुझाव को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण
बरेली।

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति, दातागंज (बदायूं)

पत्रांक:- कृ.उ.म.स./2025-87 दिनांक: 21.11.2025

दुकान आवंटन/नीलामी सूचना

कृषि उत्पादन मण्डी समिति दातागंज (बदायूं) की रिक्त दुकानों का आवंटन/नीलामी दिनांक 12.12.2025 को पूर्वाह्न 11:30 बजे मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति / फर्म मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय से रू. 295.00 नकद जमा करके आवंटन प्रार्थना पत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरकर पंजीकरण की धनराशि का ड्राफ्ट संलग्न कर दिनांक 11.12.2025 को सायं 05:00 बजे तक मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा कर दें। दुकानों एवं पंजीकरण धनराशि का विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	दुकानों का विवरण	कुल संख्या	दुकानों में आरक्षण का विवरण (दुकान सं.)				न्यूनतम प्रीमियम
			अनु. जाति	अ.पि.वर्ग	सामान्य	दिव्यांग	
3	मण्डी स्थल 'स' श्रेणी की	02	-	01	01	-	872130.33

शेष शर्ते किसी भी कार्य दिवस में मण्डी समिति कार्यालय में देखी जा सकती है। सभी धनराशि पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. देय होगा।

खडबिन्द प्रकाश सचिव
धर्मेन्द्र कुमार सिंह उपजिलाधिकारी/सभापति

कार्यालय मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, बरेली

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्रांक : 288/मु.अभि./नि.वि./2025-26 दिनांक 21.11.25

ई-निविदा सूचना शासनादेश सं.-3890/नौ -5 -149सा/2019 नगर विकास अनुभाग-05 उ.प्र. शासन लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर, 2019 के अनुपालन में ठेकेदारों से निर्माण कार्यो हेतु निविदायें टू बिड पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदाएं अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी। ई-निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई - प्रक्योरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की बेवसाइट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है।

पुनः ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं. 01 से 05 तक)	
ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	24.11.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	24.11.2025 - (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	01.12.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	01.12.2025 - (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

प्रथम बार ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं. 06 से 56 तक)	
ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	27.11.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	27.11.2025 - (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	17.12.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	17.12.2025 - (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

कार्यो का विवरण, नियम व शर्ते नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, बरेली

महिला के साथ मारपीट, युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बरेली, अमृत विचार : महिला ने मारपीट के मामले में युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर निवासी गुड़िया ने बताया कि 10 नवंबर को सुबह करीब 9 बजे बिलाल गली में अपनी गाड़ी निकाल रहा था। इसी दौरान उसने घर के बाहर रखा ठेला पलट दिया। जब विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि उसके बाद वह जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत

पत्रांक : मेमो/न.पं.गु.भि./2025-26 दिनांक : 6.11.2025

नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरण के अनुसार कॉलम-04 में अंकित व्यक्ति के द्वारा किये गये रजिस्टर्ड बैनामा के द्वारा हस्तांतरण के आधार पर कॉलम-05 में उल्लिखित व्यक्ति ने अपना नाम गृह कर पंजिका में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र दिया है, यदि कॉलम संख्या-05 में अंकित व्यक्ति अपने नाम को गृहकर पंजिका में अंकित किये जाने में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 01 माह के अन्दर नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा में लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकता है। उल्लिखित समय-सीमा के अन्दर किसी प्रकार की आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में प्रस्तावित नाम को नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा के गृहकर रजिस्टर में गृहकर वसूली के उद्देश्य से दर्ज कर लिया जायेगा।

क्र.सं.	सम्पत्ति का विवरण	हस्तांतरण हेतु प्रस्तावित सम्पत्ति का वार्ड का नाम व पता	रजिस्टर्ड बैनामाकर्ता वयीयतनामाकर्ता/ दानकर्ता का नाम व पता	प्रस्तावित व्यक्ति का नाम जो उस व्यक्ति को गृहकर हेतु दर्ज किया जाना है।	हस्तांकरण का आधार
1	2	3	4	5	6
1.	गाटा सं-138 मि. रकबा-83.64 वर्गमी.	वार्ड नं. 02 नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा तहसील-अमरिया जिला पीलीभीत	श्री रमेश चन्द्र शुक्ला पुत्र श्री बाबू राम शुक्ला नि. फ्लैट नं. 245, फेस-01 पुष्पांजलि, वृन्दावन बांगर वृन्दावन मथुरा उ.प्र.	श्री मोहित गोगिया पुत्र श्री केवल किशोर गोगिया नि. मझोला डाकखाना-जमौर तहसील-खटीमा जिला-ऊधमसिंह उत्तराखण्ड	रजिस्टर्ड बैनामा

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत
अध्यक्ष नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
नलकूप खण्ड-द्वितीय, बरेली

निरस्तीकरण-पत्र

नलकूप खण्ड-द्वितीय, बरेली के अन्तर्गत फतेहगंज पूर्वी एवं हाजीपुर पम्प नहर पर इस कार्यालय के पत्रांक:-1805/नख2ब/टेण्डर/दिनांक: 31.10.2025 के द्वारा पूर्व में आमंत्रित की गयी अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या-02/अधि0अभि0/2025-26 को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

अधिशासी अभियन्ता
नलकूप खण्ड-द्वितीय, बरेली

UP - 240909 दिनांक: 20/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

व्हाट्सएप लिंक भेजकर सेना के जवान को ठगा

बरेली, अमृत विचारः सेना के जवान को व्हाट्सएप लिंक भेजकर साइबर ठगी कर ली गई। अज्ञात नंबर से आए लिंक खोलने के बाद उसके खाते से पैसे कट गए। पीड़ित ने कैंट थाने में शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

130 साटा रेजिमेंट निवासी विवेगनातन ने कैंट थाने में दी तहरीर में बताया कि 12 नवंबर की सुबह उनके व्हाट्सएप पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने एक लिंक भेजा। जैसे ही उन्होंने लिंक ओपन किया, उनके बैंक खाते से लगातार तीन ट्रांजेक्शन हो गए, जिसमें पहली बार में 73 हजार, दूसरी बार में 35 हजार और फिर 27 हजार रुपये कट गए। ऐसे में कुल 1 लाख 35 हजार रुपये उनके खाते से कट गए। उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराकर खाते से कटी रकम होल्ड करा ली। उसके बाद कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11285 / 141सी0(ई0टेण्डर)-3 / 25 दिनांक: 14.11.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई-निविदा दिनांक 22.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	पुवायाँ नाहिल मार्ग किमी-11 से भरसण्डा सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहांपुर	157.50	11.07	168.57	10.43	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
2	ग्राम कुरसण्डा से पंचपीर बाबा तक नवनिर्माण का कार्य।		105.70	6.50	112.20	7.61	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 240903 दिनांक: 20/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(महेन्द्र कुमार पाल) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,शाहजहांपुर
(प्रकाश चन्द्र) अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

कार्यालय स्वास्थ्य विभाग नगर निगम, बरेली

पत्रांक : 273/स्वा.वि./उप न.स्वा.अधि./2025-26 दिनांक : 20.11.2025

पुनः ई-निविदा सूचना

नगर आयुक्त महोदय की स्वीकृति दिनांक 17.11.2025 के अनुपालन में नगर निगम बरेली के क्षेत्र से उत्पाती बन्दर पकड़कर जंगल (पीलीभीत व शाहजहांपुर वन क्षेत्र) में छोड़े जाने हेतु डबल बिड पुनः ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जो ई-निविदायें ई-निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाईट htp..//etender.up.nic.in व नगर निगम की वेबसाईट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है। शासनादेश संख्या-/नौ-5-2018-149सा/2019 नगर विकास अनुभाग-5 उ.प्र. शासन लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर 2019 के क्रम में ठेके से उक्त कार्य कराने हेतु पुनः ई-निविदा डबल बिड पद्धति (तकनीकि एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदायें अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। तथा अन्य शर्ते एवं विवरण उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। ई-निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	24.11.2025	(01:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ की तिथि/समय	24.11.2025	(03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	03.12.2025	(03:00 PM)
तकनीकी बिड खोली जाने की तिथि/समय	स्वीकृति उपरान्त	
वित्तीय बिड खोले जाने की तिथि/समय	स्वीकृति उपरान्त	

क्र. सं.	कार्य का नाम	जमानत धनराशि	निविदा शुल्क स्वीकृति उपरान्त	18% GST	निविदा मूल्य 15%
01	नगर निगम बरेली के 01 से 80 वार्डो के क्षेत्रों से विभिन्न स्थानों पर आतंकी/उत्पाती व कटखने बन्दरों (ए.वे बोर्ड द्वारा समय-समय पर दी गयी गाईडलाईन्स के अनुसार) को पकड़कर जंगल (पीलभीत व शाहजहाँपुर वन क्षेत्र) में छोड़ने जाने (जी.पी.एस. फोटो सहित) हेतु दर मय जी.एस.टी. सहित प्रति बन्दर देनी है (लगभग 10,000 बन्दर स्वीकृति के दिनांक से एक वर्ष लिए)	1,98,000.00	6600.00	1188.00	7788.00

उप नगर स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम बरेली

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य परियोजना प्रबन्धक, गतिशक्ति, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।, **क्रम सं.:-1., ई-निविदा संख्याः-** CPM-GS-IZN-2025-15, **कार्य का नामः-** अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन के विकास के संबंध में बचे हुए कार्यों का निर्माण जैसे कि आरएमआर स्टेशन पर पहुंच मार्ग, केपीवी स्टेशन पर 1 नं. टाइप-III क्वार्टर का निर्माण, बीएचआई, केएचएच और यूजेएच स्टेशन पर वाटर कूलर केज, केपीवी स्टेशन पर एसएस बिल्डिंग, केजीएम, केएचएच, बीएचआई और बीईएम स्टेशन पर पोर्च, केएचएच स्टेशन पर 2 बे पी.पी. शेल्टर, काशीपुर पीआरएस बिल्डिंग की पुनः छत, केएचएच और बीईएम स्टेशन पर चाय की दुकान और केएचएच, केपीवी स्टेशन पर अग्रभाग का सुधार, बीईएम पर जीआरपी बैरक और स्टील शेड और अन्य विविध कार्य।, **अनुमानित निविदा मूल्यः**-10,66,33,152.66, **बयाना राशिः**-6,83,200/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू०):**- निल, **कार्य पूर्ण करने की अवधिः**- 09 (नौ) माह, • बिडिंग प्रारम्भा करने की तिथि 28.11.2025, • उपरोक्त ई निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि- दिनांक 12.12.2025 15.00 बजे तक, • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि दिनांक 12.12.2025 15.30 बजे, • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेवसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर/गतिशक्ति
मुजाधि/डब्लू-340 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

रामायण वाटिका का कमिश्नर ने किया निरीक्षण

बरेली, अमृत विचार : कमिश्नर भूपेंद्र एस चौधरी शुक्रवार को बीडीए की रामगंगा नगर आवासीय योजना पहुंचे। उन्होंने स्थलीय निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट देखी। इस दौरान बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. ए मनिकंडन ने रामायण वाटिका, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एवं कन्वेंशन सेंटर, रूद्रावनम समेत अन्य विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

सबसे पहले कमिश्नर रामगंगा नगर आवासीय योजना के सेक्टर 2 में बनी रामायण वाटिका पहुंचे। उन्होंने भगवान श्रीराम की 51 फुट ऊंची भव्य प्रतिमा, वाटिका में स्थापित कलात्मक म्यूरल्स, विकसित मियावाकी वन क्षेत्र, पाथवे, लैंडस्केपिंग समेत अन्य कार्यों को देख प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने सेक्टर-7 में विकसित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स व कन्वेंशन सेंटर को भी देखा। यहां खेल गतिविधियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, मल्टी-स्पोर्ट्स एरीना, दर्शक दीर्घाओं, पार्किंग व कन्वेंशन सेंटर के सभागार एवं अन्य संरचनात्मक कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों की गति और गुणवत्ता बढ़ाने के निर्देश दिए। ग्रेटर बरेली आवासीय योजना में निर्माणाधीन रूद्रावनम पार्क का भी जायजा लिया। इस दौरान बीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि यह पार्क लगभग 1 लाख वर्गमीटर में विकसित किया जा रहा। इसके बरेली की भावी पहचान बनने की संभावना पर कमिश्नर ने संतोष व्यक्त किया।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली में अब अंतर्राष्ट्रीय मानक वाला ट्रैक

बरेली के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तैयारी के लिए स्पोर्टस स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण पूरा हो चुका है। ट्रैक का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिस पर 9.34 करोड़ रुपये की लागत आई है। 400 मीटर लंबे इस ट्रैक का निर्माण मार्च 2024 में शुरू हुआ था। ट्रैक एक विशेष प्रकार का कृत्रिम रूप से निर्मित रनिंग ट्रैक होता है, जिसे एथलीट्स के प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाता है। यह ट्रैक आमतौर पर रबर ग्रेन्यूल्स और पॉलीयुरेथेन की कई परतों से बना होता है, जो इसे लचीला, टिकाऊ और झटकों को अवशोषित करने योग्य बनाता है। यह सतह एथलीट्स को बेहतर ग्रिप, स्थिरता और गति प्रदान करती है, जिससे परफॉर्मेंस में सुधार होता है और चोट का खतरा कम होता है। किसी भी मौसम में उपयोग किया जा सकता है। मिट्टी या घास के ट्रैक की तुलना में अधिक टिकाऊ व सुविधाजनक होता है।

■ खिलाड़ियों को मिलेंगे ये लाभ

स्पोर्टस स्टेडियम में करीब 400 खिलाड़ी रोजाना प्रैक्टिस करते हैं। इसमें एथलेटिक्स, लॉग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, ट्रिपल जंप, शॉर्टपुट, जैबलिन और हर्डल रेस आदि की प्रैक्टिस करने वाले खिलाड़ियों को सिंथेटिक ट्रैक बनने से काफी फायदा मिलेगा। वह अपनी प्रैक्टिस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से करेंगे। साथ ही इनके खेल स्तर में भी सुधार होगा।

■ सिंथेटिक ट्रैक पर होने वाले गेम्स

एथलेटिक्स, लॉग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो, ट्रिपल जंप, शॉर्टपुट, जैबलिन, हर्डल रेस।

> आठ लेन वाला यह सिंथेटिक ट्रैक जनपद ही नहीं अपितु मंडल में सबसे शानदार होगा। अप्रैल 2025 में ही प्लेयर्स इस पर दौड़ना शुरू कर देंगे। राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी करेंगे। खिलाड़ियों के लिए यह ट्रैक सौगात होगी।
> – **जितेंद्र यादव**, आरएसओ स्पोर्टस स्टेडियम बरेली

कामयाबी की मिसाल हैं रिदम अब फोकस ओलंपिक पर

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है। पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है. ये कहावत तो आपने खूब सुनी होगी, लेकिन बरेली की पैरा एथलीट रिदम शर्मा ने इसे सच कर दिखाया। 18 साल की रिदम बचपन से न बोल सकती है और न सुन सकती है, फिर भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीत चुकी है। रिदम की कहानी सिर्फ पदकों की नहीं, बल्कि जज्बे, संघर्ष और प्रेरणा की कहानी है। उन्होंने साबित किया है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी असमर्थता सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती। रिदम ने उन लोगों के लिए मिसाल कायम की है जो दिव्यांग हैं। अब रिदम का एक ही सपना है ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाना। 2023 में इंदौर में हुई 35वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 200 मीटर, 100 और 400 मीटर दौड़ में पदक जीते। 2024 में अंतर्राष्ट्रीय गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर नाम रोशन किया। कुआला लंपुर मलेशिया में एशियाई डीफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर मिक्स रिले और 4&400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक, जबकि 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक अपने नाम कर इतिहास रच डाला। रिदम ने दो बार राज्य स्तर पर गोल्ड, दो बार राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड और एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीता।

■ रिदम बरेली के बड़ा बाजार इलाके की रहने वाली हैं। उनके पिता अनुकाम शर्मा प्राइवेट नौकरी करते हैं और मां पूनम शर्मा हाउस वाइफ हैं। दोनों ने मिलकर अपनी बेटी के सपने को उड़ान दी। रिदम लिप रीडिंग तकनीक से संवाद करती हैं और 12 साल की उम्र में उन्होंने तय कर लिया था कि वह एथलीट बनेंगी। रिदम के परिवार में एक बड़ी बहन अपूर्वा और छोटा भाई विनायक है।

■ मां पूनम शर्मा ने बताया कि रिदम को बचपन से ही टीवी पर खेल देखने का शौक था। चार से पाच साल की उम्र में रिदम ज्यादा कुछ समझ नहीं पाती थीं, लेकिन टीवी चैनल परिवार में कोई चेंज कर देता तो खुद अपने पसंद का स्पोर्ट चैनल लगा लेती थीं, इसके बाद पेरेंट्स को रिदम की रुचि के बारे में पता चला और सपोर्ट करने लगे।

■ जब रिदम पांच साल की थी तो पेरेंट्स यही सोचते थे कि थोड़ा समय और लगेगा फिर बेटी बोलने और सुनने लगेगी। मगर छह साल बीतने के बाद भी कोई रिस्पांस नहीं मिलता तो डाक्टर को दिखाया गया और पता चला कि वह सुन-बोल नहीं सकती। इलाज के लिए बरेली से लेकर दिल्ली तक गए, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते इलाज नहीं करा पाए।

■ 11वीं की छात्रा रिदम कड़ी मेहनत कर रही हैं। सुबह चार बजे रेलवे ग्राउंड में तैयारी के लिए जाती हैं। मदद कोच अजय कश्यप करते हैं। कालेज की तरफ से भी उन्हें एक घंटे की छूट दी गई है। खुद को फिट रखने के लिए रोजाना करीब 24 किलोमीटर साइकिल द्वारा अपने घर से रेलवे ग्राउंड तक आना-जाना करती हैं।

डोरी लाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय खेलों में कर चुका है मेजबानी

डोरी लाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम या क्षेत्रीय खेल स्टेडियम उत्तर प्रदेश के बरेली में स्थित एक बहुउद्देश्यीय स्टेडियम है। इस मैदान का उपयोग मुख्यत फुटबॉल, क्रिकेट, नेटबॉल, हैंडबॉल, बास्केटबॉल और अन्य खेलों के मैचों के आयोजन के लिए किया जाता है। इस स्टेडियम की स्थापना 1960 में हुई थी और इसने भारतीय महिला क्रिकेट टीम और श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के बीच अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी की है। 2015 में उत्तर प्रदेश सरकार ने पुरुष और महिला खिलाड़ियों दोनों के लिए 400 बिस्तरों वाले एक छात्रावास के निर्माण के साथ-साथ सीढ़ियों के निर्माण के माध्यम से स्टेडियम के कोर को अपग्रेड करने का निर्णय लिया था। अगस्त 2015 में स्टेडियम ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक स्थानीय टी 20 टूर्नामेंट में भारतीय ग्रामीण क्रिकेट लीग की मेजबानी की। स्टेडियम स्थानीय क्रिकेट टूर्नामेंट की भी मेजबानी की कर चुका है।

हॉकी के जादूगर की याद दिलाता है मेजर ध्यानचंद स्टेडियम

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम भी बरेली की शान है, जो हॉकी के जादूगर की याद दिलाता है। कैंट में स्थित यह स्टेडियम भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) का प्रशिक्षण केंद्र है। यह स्टेडियम विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसमें हॉकी और एथलेटिक्स शामिल हैं। हाल के वर्षों में, इसमें सुधार किए गए हैं, जैसे कि सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण शामिल है।

स्टेडियम के सेंट्रल इंचार्ज व एथलेटिक्स कोच संदीप मोहन चौधरी ने बताया कि जनवरी 2007 में 30 साल की लीस पर स्टेडियम लिया गया है। यह कैंटोमेंट बोर्ड से लिया था। इसमें हॉटी, एथलेटिक्स व सेपक टाकरा खेल शामिल है। खिलाड़ियों के लिए छात्रावास की सुविधा भी है। हर साल यहां खिलाड़ियों का चयन होता है। 10-18 साल के खिलाड़ियों के बीच- ट्रायल लिया जाता है। ट्रायल जनवरी व फरवरी में होते है। एसिस्टेंट अभिषेक कुश्वाह ने बताया कि यह स्टेडियम रीजनल सेंटर लखनऊ अंडर में आता है। सेपक टाकरा में खिलाड़ी बॉबी कुमार इंटरनेशन खिलाड़ी है। उनकी बिहार के पटना में पुलिस में दो माह पहले ही नौकरी लगी है। वहीं बिहार के जयवीर सिंह भी इंटरनेशन खिलाड़ी है। सेपक टॉकरा की कोच मीना ने बताया कि आवासीय योजना स्कीम के अंतर सेपक टाकरा के 18 खिलाड़ी, हॉकी के 20 और एथलेटिक्स के 17 खिलाड़ी है।

डरबन वर्ल्ड चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण और दो विश्व रिकॉर्ड

किसी भी ख्वाब को पूरा करने के लिए उम्र मायने नहीं रखती, बल्कि जज्बा और जुनून सबसे बड़ा हथियार होता है। इस कहावत को सच कर दिखाया है बरेली शहर के 75 वर्षीय भगवान बंसल ने, जो उम्र के उस पड़ाव पर खड़े हैं जहां अधिकतर लोग आराम और दवाइयों पर निर्भर हो जाते हैं, लेकिन भगवान बंसल इसके बिल्कुल उलट हैं। वह रोजाना वेट लिफ्टिंग और पावरलिफ्टिंग का अभ्यास करते हैं। अब तक दुनिया के मंच पर भारत का नाम बार-बार रोशन कर चुके हैं। भगवान बंसल ने साउथ अफ्रीका के डरबन में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने पांच स्वर्ण पदक जीतकर और दो विश्व रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। 5 से 9 नवंबर तक साउथ अफ्रीका के डरबन में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भगवान बंसल ने एक बार फिर अद्वितीय प्रदर्शन किया।

सेपक टाकरा लाए थे डॉ. सीरिया

यह खेल बरेली जिले में 1985 में आया। जिसका पूरा श्रेय स्वर्गीय डॉ. एसएम सीरिया को जाता है। यही प्रदेश में इस खेल के जनक हैं। उस समय मेरी उम्र 17 वर्ष थी। आज 57 साल के अंतराल में मैंने इस खेल में बहुत उतार चढ़ाव देखे। प्रदेश में सेपक टकरा लगभग 35 से 40 जिलों में खेला जाने लगा है। खेल के माध्यम से कई सरकारी नौकरियां मिलना, प्रदेश स्तरीय मान्यता और सभी सरकारी स्कूलों में इस खेल को खेला जाना ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। कई खिलाड़ी पोस्ट ऑफिस, इनकम टैक्स, पैरामिलिट्री फोर्स में इसी खेल के माध्यम से नौकरी कर रहे हैं।

खेल की स्थापना एसोसिएशन का गठन

उत्तर प्रदेश में सेपक टकरा खेल को संगठित रूप देने और इसे बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सेपक टकरा संघ की स्थापना 1986 में हुई थी।

संस्थापक : इस संघ की बुनियाद डॉ. एस. एम. सीरिया (Dr. S.M. Siriah) के मार्गदर्शन में रखी गई थी। उद्देश्य : इस संघ का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में इस खेल को जमीनी स्तर पर विकसित करना, विभिन्न जिलों में प्रचार-प्रसार करना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। उत्तर प्रदेश से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और कुछ ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, जैसे साउथ एशियन गेम्स और एशियन गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

हाल ही में हुई चैंपियनशिप

हाल ही में पुरुष व महिला इक्कीसवीं सीनियर सेपक टकरा चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। इससे पहले प्रथम प्रदेश स्तरीय चैंपियनशिप 1989 में बरेली कालेज के मैदान में खेली गई। इसमें भाग लेने वाले जिलों में लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, अमरोहा, पीलीभीत, बागपत, सीतापुर, बदायूं के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करके अपने जिले का नाम रोशन कर रहे हैं।

सेपक टकरा खेल की बुनियाद

सेपक टकरा एक प्राचीन और रोमांचक खेल है जिसे किक वॉलीबॉल भी कहा जाता है। यह खेल फुटबॉल और वॉलीबॉल का मिश्रण है, जिसमें खिलाड़ी बिना हाथ का उपयोग किए अपने पैर, सिर और शरीर का इस्तेमाल कर नेट के ऊपर से गेंद को विरोधी के पाले में गिराने की कोशिश करते हैं।

2000 में भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना

उत्तर प्रदेश में ही दो 2000 भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना साई सेन्टर बरेली में किया गया। इससे पहले सांई सेंटर बरेली बरेली कॉलेज में इस खेल का प्रशिक्षण चला रहा था। मगर यह खेल जो इस समय पूरे उत्तर प्रदेश में लोकप्रियता और ऊँचाइयों को छू रहा है इसका पूरा श्रेय बरेली बरेली कॉलेज के पूर्व क्रीड़ा अधिकारी स्वर्गीय डॉ. एसएम सीरिया को जाता है जो हमारे उत्तर प्रदेश सेपकटाकरा के जनक और भीष्म पितामाह है।

बरेली में नेशनल से इंटरनेशनल स्तर के तैयार हो रहे खिलाड़ी

सिविल लाइंस स्थित पुरानी जेल के पास स्मार्ट सिटी के तहत 11.23 करोड़ की लागत से रायफल क्लब खिलाड़ियों के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर बनाया गया है। यहां यूपी ही नहीं बल्कि कई राज्यों से खिलाड़ी शूटिंग सीखने आते है। कोच का कहना है कि न्यूज रायफल क्लब शुरु हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन खिलाड़ी जिस तरह प्रतिभाग कर रहे है देखकर लगता है कि बरेली को नए कई नेशनल और इंटरनेशल खिलाड़ी मिलने वाले है। रायफल क्लब में खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधा देने के लिए नई बिल्डिंग का निर्माण शुरू किया गया। प्रस्ताव बनाकर भेजा गया, जो 2019 में पास हुआ। इसमें कमिश्नर, डीएम और नगर आयुक्त की महत्वपूर्ण भूमिका रही। न्यू राइफल क्लब को स्मार्ट सिटी ने बनाकर पैसिफिक इंटरप्राइजेज फर्म के सुपुर्द किया। क्लब में इलेक्ट्रॉनिक टारगेट सिस्टम, साउंडप्रूफ रेंज की सुविधा दी गई है। क्लब का उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। क्लब के अधिकारियों ने बताया कि यह क्लब शहर के युवाओं में खेलों के प्रति रुचि जगाने के साथ-साथ उन्हें आत्मरक्षा, अनुशासन और फिटनेस की दिशा में प्रेरित करेगा। पैसिफिक इंटरप्राइजेज फर्म के मालिक आनंद विक्रम और नवल ने बताया कि क्लब में मेरठ, बनारस, राजस्थान समेत कई राज्यों और जनपदों से खिलाड़ी आते है।

इन खिलाड़ियों ने किया गोल्ड -सिल्वर पर कब्जा

यूपी स्टेट शार्ट गन प्रतियोगिता (12 बोर) जयपुर में 30 अगस्त से 7 सितंबर को हुई। इसमें मंतिशा फातमा ने गोल्ड, विराट नाथ चौबे ने दो सिल्वर, फुरखान अली ने सिल्वर, दानिश अहमद ने गोल्ड, सारा ने गोल्ड, मो हसन खां ने ब्रांच मेडल पर कब्जा किया था। वहीं नार्थ जोन की प्रतियोगिता दिल्ली में 25 अक्टूबर से लेकर 31 अक्टूबर को हुई। इसमें मंतिशा फातमा ने गोल्ड और दानिश ने सिल्वर पर कब्जा किया।

आडियो-वीडियो से लेकर लॉकर तक की सुविधा

न्यू रायफल क्लब में खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं का इंतजाम किया है। यहां मेडिकल रूप, आडियो-वीडियो, सीसीटीवी, बेसिक किट रखने के लिए लॉकर, जिम की सुविधा, दिव्यांगों के लिए लिफ्ट, कैफेटेरिया आदि सुविधाएं है। जिस कारण खिलाड़ियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

चाइना वार को देखते हुए खोले गए थे राइफल क्लब

राइफल क्लब के वरिष्ठ अधिकारी बताते है कि जब चाइना से युद्ध की संभावनाएं बन रही थी तब सेना को और मजबूत करने के लिए हर जिले में राइफल क्लब खोले गए थे। ताकि वक्त आने पर खिलाड़ी भारतीय सेना के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल सके। बरेली में राइफल क्लब की स्थापना 9 फरवरी 1962 में हुई थी।

50, 25 और 10 मीटर रेंज

खिलाड़ी सुविधाओं में अच्छा प्रदर्शन कर पाए इसके लिए स्मार्ट सिटी क्लब में खास इंतजाम किए है। फर्म के मालिक ने बताया कि यहां 10, 25 और 50 मीटर एयर पिस्टल की सुविधा है। यूपी में यह अकेली ऐसी रेंज है यहां सभी सुविधाएं है। खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जा रही है।

अमृत विचार

शनिवार, 22 नवंबर 2025

लोगों को हर तरह से सुंदर होना चाहिए- चेहरे में, पहनावे में, विचारों में और स्व अंतरतम में।
-एंटोन चैखव, रूसी लेखक

फिर नीतीश नेतृत्व

बिहार में बंपर बहुमत वाली ऐसी सरकार बनी है, जिसके मुख्यमंत्री के साथ दोनों उप मुख्यमंत्री और कतिपय मंत्री भी पुरानी ही सरकार से हैं। सत्ता का यह समीकरण परोक्षतः राजनीतिक स्थिरता का संदेश देता है, परंतु इसके पीछे जटिल सामरिक मजबूरियां छिपी हैं। युवा, ऊर्जावान चेहरे को आगे न लाने के पीछे यह तर्क दिया जा सकता है कि गठबंधन की राजनीति और जातीय-सामाजिक संतुलन की अनिवार्यता इसकी वजह बनी, लेकिन सही तो यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को रिपीट किए जाने का मतलब है कि भाजपा और जदयू- दोनों ही साझेदार अभी किसी नए चेहरे के प्रयोग का जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं।

सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा का अपना मुख्यमंत्री न देने का निर्णय रणनीतिक है। तत्काल नेतृत्व परिवर्तन से सामाजिक-राजनीतिक असंतुलन उत्पन्न होने का खतरा था, हालांकि नीतीश कुमार के 'अल्पकालिक मुख्यमंत्री' होने की चर्चा आम है। उनके स्वास्थ्य ने आशंका बढ़ाई है कि वे लंबी पारी नहीं खेलेंगे। राजनीतिक मजबूरियों के तहत उन्हें जिम्मेदारी तो मिली है, पर यह भी सच है कि भाजपा भविष्य में बिहार का नेतृत्व अपने हाथ में लेना चाहेगी। फिलहाल नीतीश उसके लिए एक 'ट्रांजिशनल फिगर' की तरह अधिक उपयोगी हैं। बिहार में पिछले डेढ़ दशक में सड़क, बिजली, कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में सुधार हुआ है, परंतु बेरोजगारी, पलायन, उद्योग, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति धीमी रही। राज्य आज भी निवेश आकर्षित करने में पिछड़ा है। 50 लाख करोड़ बाहरी निवेश का वादा राजनीतिक जुमला है। सुरक्षा, कौशल, आधारभूत ढांचे और प्रशासनिक दक्षता सुधारे बिना यह लक्ष्य आशावादी से अधिक अव्यावहारिक प्रतीत होता है। नीतीश कुमार के लंबे शासनकाल की उपलब्धियां मिश्रित रही हैं। उन्होंने बुनियादी शासन-व्यवस्था को स्थिर बनाया, परंतु उद्यम, उद्योग, उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों में बिहार अब भी देश के निचले पायदानों पर है। आने वाले दिनों में नई सरकार से उम्मीद रहेगी कि वह रोजगार, स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार, निवेश और उद्योग-संबंधी सुधारों पर गंभीरता से कार्य करे। कमजोर विपक्ष नयी सरकार के लिए फायदेमंद है। कम सवाल, कम निगरानी और बिना बाधा विधेयकों के पारित होने की सहूलियत, परंतु यह उतना ही खतरनाक भी है, क्योंकि जवाबदेही का दबाव घटने से शासन में ढिलाई की आशंका रहती है।

भाजपा और जदयू ने इस चुनाव में कई बड़े बड़े वादे किए हैं। बुनियादी ढांचा, रोजगार, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, निवेश, कौशल विकास, लेकिन इतिहास बताता है कि पिछली सरकार अपने अधिकाधिक वादों को पूरा नहीं कर पाई। इस कार्यकाल में वादों की पूर्ति की संभावना इसलिए कम है, क्योंकि गठबंधन की आंतरिक खींचतान और भविष्य की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पहले से ही दिखाई दे रही हैं। आने वाले वर्षों में भाजपा अधिक सीटों पर दावा ठोकने की तैयारी करेगी, जिससे सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ेगा। बिहार की जनता की अपेक्षाएं बहुत स्पष्ट हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित जीवन। प्रश्न है कि क्या यह रिपीट सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी?

एसआईआर पर विपक्ष खुद भी तो कुछ करे!

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव आयोग पर आरोप है कि वह सत्ता पक्ष के लिए यूपी विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव की बिसात बिछा रहा है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है, तब विपक्ष के लोग कहां हैं?

एसआईआर क्यों? इस सवाल का कोई मतलब नहीं। इस सवाल का भी कोई मतलब नहीं कि बिहार के बाद सिर्फ 12 राज्यों में ही एसआईआर क्यों? म्यांमार, जहां से सर्वाधिक रोहिंग्या घुसपैठ कर सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में विराजमान हैं, जैसा कि कहा जाता है, लेकिन म्यांमार के सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में एसआईआर की जरूरत चुनाव आयोग ने बिल्कुल नहीं महसूस की। यह तय है कि विपक्ष कितना भी चिल्ल-पों कर ले, यूपी में 2027 का विधानसभा चुनाव और 2029 में लोकसभा चुनाव एसआईआर के जरिए परिवर्तित वोटर लिस्ट से ही होना है।

एसआईआर की विसंगतियां कई हैं। जैसे- बीएलओ, जिन्हें एसआईआर फार्म घर घर पहुंचाने की जिम्मेदारी है, वह लगभग नहीं हो रहा है। जागरूक लोगों को बीएलओ को ढूंढकर एसआईआर फार्म लेना पड़ रहा है। राजस्थान से लेकर यूपी में ऐसे हजारों उदाहरण मौजूद हैं। यूपी के एक भाजपा विधायक के वायरल वीडियो पर यकीन करें, तो वह अपने लोगों से बहुत साफ शब्दों में कह रहे हैं कि विपक्षी वोटरों के नाम उड़ा दिए जाएं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के खिलाफ बड़ा आंदोलन चलाया, लेकिन क्या हुआ? किसने सुनी उनकी बात? उलटे 272 पूर्व जज और नौकरशाहों ने राहुल के खिलाफ चिट्ठी लिखकर विरोध जताया कि वे चुनाव आयोग जैसी 'पवित्र' संस्था को बदनाम कर रहे हैं। इन नौकरशाहों को ब्राजील की माडल का भारतीय वोटर लिस्ट में शामिल होकर कई जगहों पर मतदान करना गलत नहीं लगा और बिहार में बीच चुनाव सरकारी खजाने से लाखों महिलाओं को दस-दस हजार की इमदाद भी अचंभित नहीं किया।

जब दो पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, मौजूदा चुनाव आयोग को दिशाहीन बता रहे हैं, तब लोकसभा में बहुमत के आंकड़े के बराबर 272 पूर्व नौकरशाहों का राहुल के खिलाफ खुलकर आना हैरान करने वाला है। तो क्या पूर्व नौकरशाहों के खुला विरोध को राहुल के खिलाफ 'महाभियोग' माना जाए?

इधर चुनाव आयोग एसआईआ करा रहा है और उधर विपक्ष बैठकें करने में व्यस्त है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है, तब विपक्ष के लोग कहां हैं? बात केवल यूपी की करें, तो यहां आरोप लग रहे हैं कि एसआईआर एक पक्षीय चल रहा है। यह सब आसानी से होने क्यों दिया जा रहा है? सरकारी अमला तो सरकार के लोग होते हैं, वे वही करेंगे जो सरकार चाहेगी और यह आज की बात नहीं है। पहले भी सरकारें ऐसे ही करती रही हैं, लेकिन सत्ता में विराजमान राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं के समतुल्य विपक्षी दलों के लोग ऐसा क्यों नहीं कर पाते?

यूपी में प्रमुख विपक्षी दल सपा है। आगामी विधानसभा चुनाव में इसे सत्ता के लिए जंग करनी है, लेकिन ये पार्टी भी पूरे यूपी में कुछ जगहों को छोड़कर एसआईआर को लेकर शायद ही कहीं और दिख रही हो। हां, वाट्सऐप पर इनके ज्ञान की भरमार है। वे जानते हैं कि उनके कोर वोटर कौन हैं और इन्हीं वोटरों को सहेजने में वे विफल हो रहे हैं।

दूसरी पार्टी कांग्रेस है। यूपी के लिए फिलहाल इसकी बात ही क्या करना। इसी मुद्दे को लेकर हाल ही में उसकी दिल्ली में हाई लेवल की बैठक हुई। इस बैठक में जो भी निर्णय लिए गए हों, उसका धरातल पर उतरना आसान नहीं है। यूपी में कांग्रेस के अभी छः सांसद हैं। सपा के साथ मिलकर 17 सीटों पर लड़ी थी। हारी हुई सीटों पर भी कांग्रेस की स्थिति सम्मानजनक थी। विधानसभा में कांग्रेस के सिर्फ दो विधायक हैं। एसआईआर को लेकर ये दो विधायक कितना कुछ कर पाएंगे, बताने की जरूरत नहीं। यहां संगठन भी हवा-हवाई है।

जिला कमेटी को छोड़ दीजिए बाकी ब्लाक स्तर की कमेटियां कहने भर को हैं। प्रदेश भर में एसआईआर को लेकर इक्का-दुक्का जिला अध्यक्ष ही सक्रिय हैं। बाकी सब के सब सुषुप्तावस्था में हैं। न्याय पंचायत और बूथ स्तर पर इनका कुछ नहीं है। चुनाव आयोग ने व्यवस्था दी है कि सरकारी बीएलओ के अलावा राजनीतिक पार्टियां अपना बीएलओ भी नियुक्त कर सकती हैं, ताकि चुनाव आयोग पर वोट काटने और जोड़ने की तोहमत न लगे। कांग्रेस इसमें भी सुस्त है। एसआईआर को लेकर विपक्ष के लापरवाह व सुस्ती का फायदा सत्ता पक्ष के कार्यकर्ता खूब उठा रहे हैं। विपक्ष को सक्रिय होने से किसने रोका है? विपक्ष यह समझने की भूल कर रहा है कि यह सामान्य एसआईआर नहीं है। इस एसआईआर का 'मूल सिद्धांत' ही कुछ और है।

बिहार चुनाव में बुरी तरह पराजित कांग्रेस इस खुशफहमी में हो सकती है कि वहां सर्वाधिक 65 लाख वोटर आउट किए जाने के बाद भी उसे औसतन करीब 71 हजार वोट प्रति विधानसभा सीट हासिल हुए। वह भी तब जब ओवैसी से लेकर बसपा, जन सुराज, आम आदमी पार्टी सहित अन्य छोटी पार्टियां महागठबंधन को ही नुकसान पहुंचाने के लिए चुनाव मैदान में थीं। आखिर ये पार्टियां तो यूपी विधानसभा चुनाव में भी होंगी और लोकसभा चुनाव में भी। आखिर इनसे सिसायीस तौर पर निपटने का प्लान कांग्रेस के पास क्या है?

दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी ही पार्टी से सवाल किया कि बिना संगठन के हम क्या करें? धरातल पर कोई संगठन ही नहीं है। बैठक में निस्संदेह और लोगों ने भी ऐसा ही महसूस किया होगा। कांग्रेस वर्किंग कमिटी के सदस्यों पर गौर करें, तो वह पूरा का पूरा दक्षिण भारतीयों के कब्जे में है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी में करीब दो सौ सदस्य दक्षिण भारत से ही हैं। इसके अलावा ढेर सारे ऐसे लोग हैं, जो या तो भाजपा नेताओं से गलबहियां करते घूम रहे हैं या फिर बिना धरातल पर झांके कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता में वापसी का ख्वाब दिखा रहे।

आमने

अमीर घर में पैदा हुए राहुल गांधी को धरातल की जानकारी नहीं है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी देखी है, प्रधानमंत्री मोदी गरीब जनता का दुख-दर्द समझते हैं।

-पंडित मोहन लाल बड़ौली
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष
हरियाणा

सामने

अपने प्राइम मिनिस्टर को खुश करने की बात है। न राहुल गांधी का वह मुकाबला कर सकते हैं। जिस तरह से राहुल जी आम लोगों के साथ मिलते-जुलते हैं। लोगों के बीच में जाते हैं। माननीय प्रधानमंत्री तो कभी ऐसे नजर ही नहीं आए।

-कुमारी शैलजा
कांग्रेस सांसद

भारतः यूएन में स्थायी सदस्य का बढ़ा समर्थन

अमित नारायण
कानपुर

अमेरिका भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थक तो रहा है, लेकिन उसने कभी नहीं चाहा कि भारत को वीटो मिले। उम्मीद है कि उसका रुख भी अब सकारात्मक ही रहेगा।

1.40 अरब की आबादी वाले भारत को वीटो पॉवर के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थायी सदस्य बनाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। रूस और ब्रिटेन के बाद अब फ्रांस ने भी खुलकर भारत को वीटो पॉवर की शक्ति के साथ स्थायी सदस्य बनाने की मांग संयुक्त राष्ट्र संघ रिफॉर्म डिबेट में उठा दी है। इस बैठक में चीन ने भारत का विरोध न करके यह संकेत दे दिया है कि वह अब भारत के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसने खुलकर समर्थन नहीं किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति का ही असर है कि पहली बार चीन ने भारत का विरोध नहीं किया है। इससे यह उम्मीद की जा सकती है कि अब भारत की राह में कोई रोड़ा नहीं रह गया है, हालांकि चीन ने जापान के नाम का खुलकर विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन को स्थायी सदस्यता हासिल है। इन देशों के पास वीटो का अधिकार है, जबकि अस्थायी सदस्य दो-दो साल के लिए चुने जाते हैं। उनका चुनाव क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर किया जाता है।

परिषद की स्थापना को 80 साल हो चुके हैं। भारत समेत दुनिया के कई देश चाहते हैं कि इसके स्ट्रक्चर में बदलाव किया जाए और भारत समेत कुछ और देशों को वीटो की शक्ति के साथ स्थायी सदस्य बनाया जाए, लेकिन स्थायी सदस्य नहीं चाहते कि उनके बराबर कोई और देश खड़ा हो, इसलिए वे भारत को स्थायी सदस्य बनाना तो चाहते हैं, पर वीटो की शक्ति नहीं देना चाहते। चीन तो अब तक भारत के विरोध में ही रहा है। जब भी भारत का नाम आया, उसने पाकिस्तान को भी स्थायी सदस्य बनाने की मांग रखकर अड़ंगा लगाया, लेकिन ब्रिटेन और रूस के बाद अब फ्रांस का भारत को स्थायी सदस्य बनाने के साथ ही वीटो की शक्ति देने की मांग उठाना भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है।

भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके, इसके लिए जरूरी है कि उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाए। स्थायी सदस्य बनने का मतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में भारत का योगदान और बढ़ जाएगा। सुरक्षा परिषद में स्ट्रक्चर में बदलाव को लेकर चर्चा हो रही है। अगर इसमें सहमति बनती है, तो भारत स्थायी सदस्य बन जाएगा, वह भी वीटो पॉवर के साथ। फ्रांस ने कहा है कि वीटो पॉवर के साथ भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। भारत जनसंख्या के मामले में दुनिया का पहला सबसे बड़ा देश है। भारत का रुख साफ है। वह दो अफ्रीकी देशों को स्थायी सदस्यता दिलाना चाहते हैं। भारत के अलावा ब्राजील, जर्मनी और जापान को भी एक-एक सीट मिलनी चाहिए, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इन देशों की जिम्मेदारियां हैं।

चीन के स्थायी दूत ने बैठक में भारत का विरोध नहीं किया है, जो उसके भारत के प्रति बदलते नजरिए को दिखाता है। चीन ने सिर्फ जापान का विरोध किया और कहा कि जापान जिस तरीके से ताइवान के मुद्दे पर मुखर है, उससे यह साबित होता है कि जापान यूएन की स्थायी सदस्यता मांगने का कोई अधिकार नहीं रखता है। यदि जापान को स्थायी सदस्यता देने की कोशिश की गई, तो हम इसका खुलकर विरोध करेंगे। चीन के रुख से अब उम्मीद है कि भारत आसानी से स्थायी सदस्य बन जाएगा। हां, अमेरिका को भी इसके लिए तैयार करना होगा कि वह भी भारत को वीटो की शक्ति देने के लिए तैयार हो। उसे मनाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम तो करेगी ही, फ्रांस और ब्रिटेन भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन के लिए तैयार कर लेंगे, हालांकि अमेरिका भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का प्रबल समर्थक रहा है, लेकिन उसने भी कभी नहीं चाहा कि भारत को वीटो मिले, लेकिन उम्मीद है कि उसका रुख भी अब सकारात्मक रहेगा।

चीन की टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका से छिड़ी रार के बाद वह भारत के समर्थन में कई मुद्दों पर खुलकर आगे आया है। पाकिस्तान की अमेरिका से बढ़ती नजदीकी से चीन नाराज है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान का पर्दे के पीछे से साथ दिया था, लेकिन अचानक अमेरिका के पाले में पाकिस्तान के जाने से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी सकते में हैं। पाकिस्तान की धरती पर अमेरिका कई बड़े मिनरल्स का खनन करने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि वह पाकिस्तान में अपना सैन्य बेस भी बना सकता है। यदि ऐसा होता है तो चीन के लिए यह शुभ संकेत नहीं होगा। यही वजह है कि अब चीनी नेतृत्व धीरे-धीरे भारत के करीब आ रहा है और पाकिस्तान की नीतियों का समर्थन करने से बच रहा है।

सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के लिए उसके चार्टर में संसोधन करना होगा। भारत को सभी स्थायी सदस्यों का समर्थन लेने के साथ ही जनरल असेंबली में दो तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त करना होगा। फिलहाल परिषद में 193 देश सदस्य के रूप में हैं। इनमें से 145 देशों का समर्थन हर हाल में भारत को चाहिए। वैसे तुर्किए, पाकिस्तान, अजरबैजान को छोड़ दें, तो शायद ही कोई देश भारत के विरुद्ध खड़ा हो। हालांकि अजरबैजान के रुख में भी परिवर्तन आया है। वह भारत से धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

प्रसंगवश

असमानताः 'बेटा', तुम बहुत अच्छा कर रही हो!

"बेटा, तुम बहुत अच्छा कर रही हो!" यह वाक्य हमारे समाज और शिक्षा व्यवस्था में लगभग हर दिन सुनाई देता है। बच्ची जब कोई अच्छा काम करती है, तो शिक्षक, अभिभावक या रिश्तेदार उसे प्रोत्साहित करते हुए अक्सर "बेटा" कहकर सराहते हैं। यह सुनने में सामान्य लगता है, क्योंकि हमारे सामाजिक परिवेश में 'बेटा' शब्द सफलता और उत्कृष्टता का मानक बन चुका है, लेकिन क्या कभी किसी लड़के से कहा गया है, "बेटी, तुम बहुत अच्छा कर रहे हो"? शायद कभी नहीं और यदि कहा भी गया हो, तो लोग इसे मजाक में टाल देते हैं। यही हमारी भाषा में गहरे छिपा हुआ लैंगिक असमानता है, जो सुनाई तो देता है, पर चुभता नहीं।

भाषा और समाज का रिश्ता बहुत गहरा है। हमारी सोच, दृष्टि और संस्कारों को गढ़ने में भाषा की भूमिका निर्णायक होती है। हम जो बोलते हैं, वही हमारी मानसिकता और दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है और वही बच्चों की सोच का हिस्सा बन जाता है। जब भाषा में असमानता छिपी होती है, तो वह बच्चों की आत्म-छवि और आत्मविश्वास को भी असमान बना देती है। बचपन में बच्चे अपने बारे में वही मानने लगते हैं, जो वे बार-बार सुनते हैं। यदि किसी बच्ची को सराहने के लिए भी 'बेटा' कहना जरूरी समझा जाता है, तो इसका संदेश यही है कि उत्कृष्टता, साहस या नेतृत्व लड़का होने के गुण हैं। इससे अनजाने में बच्ची को यह महसूस होने लगता है कि 'बेटी' होना पर्याप्त नहीं है। उसे मूल्यवान बनने के लिए 'बेटा' कहलाना होगा। दूसरी ओर लड़के को 'बेटी' कहकर सराहना लगभग असंभव है। यही भेद-भाव बच्चों की पहचान और आत्मविश्वास पर गहरा असर छोड़ता है। शब्द केवल वाक्य नहीं होते, वे धारणाएं गढ़ते हैं।

सत्य प्रकाश नायक
एक्टिविस्ट

कक्षा में बैठी लड़कियां अनजाने ही इन वाक्यों से बाहर रह जाती हैं। यदि शिक्षक कहते 'कौन करेगा या करेगी?' तो भाषा में ही बराबरी की खिड़की खुल जाती। कुछ विद्यालयों में तो समूहों के नाम तक इस असमानता से प्रभावित होते हैं। कई स्कूलों में केवल पुरुष महापुरुषों गांधी, नेहरू, विवेकानंद, भगत सिंह के नाम पर समूह बनाए जाते हैं। प्रेरणादायक महिलाओं जैसे रानी लक्ष्मीबाई, रानी कमलापति, अवंतिबाई, कल्पना चावला, टेस्सी थॉमस, सुधा मूर्ति या अन्य महिला वैज्ञानिकों, खिलाड़ियों, लेखिकाओं के नाम शायद ही किसी को सूझते हों। जब बच्चों के सामने आदर्शों के रूप में केवल पुरुष चेहरे आते हैं, तो संदेश यह जाता है कि नेतृत्व और पराक्रम का चेहरा भी मात्र पुरुष ही है।

भाषा की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह संवाद का माध्यम होते हुए भी अनजाने ही जेंडर असमानता को ढोती रहती है। 'करेगा', 'लाएगा', 'नेता बना', 'मर्द बनो' जैसे वाक्य हमारे अवचेतन में पुरुष-प्रधान सोच को पुख्ता करते हैं। भाषा ऐसे विचारों को वैधता देती है, जिन्हें हम शायद सचेत रूप से नहीं मानते। पाठ्यपुस्तकों में भी इसी असमानता की झलक है। ज्यादातर उदाहरणों में 'रवि', 'सुमित', 'राजेश' विज्ञान प्रयोग करते, खेल जीतते या पुरस्कार पाते दिखते हैं, जबकि लड़कियों के हिस्से में 'रीना मां की मदद करती है' या 'सीमा गुड़िया से खेलती है', जैसे दृश्य आते हैं। इससे बच्चों के मन में यह धारणा मजबूत होती है कि सक्रियता और खोज लड़कों का क्षेत्र है, जबकि देखभाल और सहयोग लड़कियों का। रोजमर्रा की भाषा भी इस सोच को बढ़ाती है, 'लड़की होकर ऐसे बोलती है?', 'बेटी, घर का ध्यान रखो', 'बेटे, बाहर का काम तुम संभालो।' यहां शब्दों के जरिए भूमिकाएं बांट दी जाती हैं एक भीतर की, एक बाहर की।

सोशल फोरम

एक कामयाब इनसान की नाकाम दास्तान

यह व्यक्ति 1809 में जन्मा था। 1816 में, 7 साल की उम्र में, उसे काम करने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि उसका परिवार बेदखल किया जा रहा था। 1818 में, उसने अपनी मां को खो दिया। 1828 में, उसने अपनी बहन को खो दिया। 1831 में, उसने अपना पहला व्यवसाय शुरू किया और दिवालिया हो गया। 1832 में, उसने विधानसभा के चुनाव में हिस्सा लिया और हार गया।

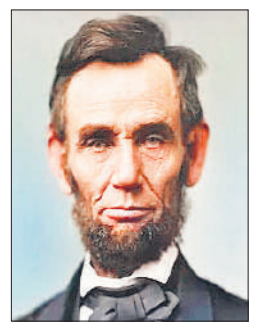

संजीव कुमार
शिक्षक

1833 में, उसने एक और व्यवसाय शुरू करने के लिए पैसे उधार लिए और फिर से दिवालिया हो गया। 1835 में, उसे एक अद्भुत महिला से प्रेम हुआ। वे दोनों सगाई करते हैं और वह महिला मर जाती है। 1836 में, वह अपने जीवन के अत्यंत अंधेरे दौर से गुजरा और गहरे अवसाद में चला गया। वह लगातार 6 महीने बिस्तर से उठा ही नहीं, लेकिन फिर वह उठा।

वह उठा और उसी साल 1836 में उसने फिर से विधानसभा के चुनाव लड़े और फिर हार गया। 1840 में, उसने चुनाव लड़ा और हार गया। 1842 में, वह उस महिला से मिला, जिसके साथ वह बूढ़ा होगा- उसकी पत्नी। वे प्रेम में पड़े, सगाई की, शादी की और उसने उसे चार बच्चे दिए, जिनमें से तीन को वे खो बैठे। 1843 में, उसने कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा और हार गया। 1845 में, उसने फिर से कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा और फिर हार गया।

1850 में, बेटा मर गया। 1854 में, उसने सीनेट का चुनाव लड़ा और हार गया। 1856 में, उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ा और सौ वोट भी हासिल नहीं कर सका। 1858 में, उसने फिर सीनेट के लिए चुनाव लड़ा और फिर हार गया और 1860 में, अब्राहम लिंकन संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए और उन्होंने दो अद्वितीय कार्यकाल पूरे किए, जिन्होंने उन्हें अमेरिकी इतिहास के सबसे सम्मानित राष्ट्रपतियों में से एक बना दिया।

हम केवल नायक को देखते हैं, लेकिन सफलता के पर्दे के पीछे की कठिनाइयां नहीं देखते। -फेसबुक वाल से

सामयिकी

हर दसवां भारतीय मधुमेह का शिकार

हाल ही में जारी अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह महासंघ (आईडीएफ) की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में 589 मिलियन वयस्क मधुमेह से पीड़ित हैं, जबकि 252 मिलियन लोग इस बात से बिल्कुल अनभिज्ञ हैं कि वे इस बीमारी की गिरफ्त में हैं। वहीं भारत में भी हर दसवां वयस्क डायबिटीज का रोगी है। ऐसे में मधुमेह यानी डायबिटीज अब केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि एक मौन महामारी बन चुकी है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि स्थिति पर तुरंत नियंत्रण नहीं पाया गया, तो 2050 तक भारत में मधुमेह रोगियों की संख्या 15.7 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती होगी।

आईडीएफ की रिपोर्ट के अनुसार, वयस्कों में मधुमेह की दर 11.1 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। मधुमेह केवल शुगर की समस्या नहीं, बल्कि यह शरीर के अन्य अंगों हृदय, किडनी, आंखों और मस्तिष्क पर गहरा असर डालती है। दुनिया के साथ भारत में भी स्थिति चिंताजनक है। देश में फिलहाल लगभग 89 मिलियन लोग डायबिटीज से जूझ रहे हैं, जबकि 50 फीसदी लोग ऐसे हैं, जिन्हें ये तक नहीं पता कि वे डायबिटीज से ग्रसित हैं।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

यह आंकड़ा तब और भयावह लगता है, जब यह जानने को मिलता है कि यह रोग अब बड़ों के साथ बच्चों और किशोरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में मधुमेह संबंधी स्वास्थ्य व्यय पहली बार एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से पार गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह जीवन भर साथ रहने वाली बीमारी है। एक बार इसकी चपेट में आने के बाद इसे नियंत्रित करना ही एकमात्र उपाय रह जाता है।

देश के कई राज्यों में हालात बेहतर नहीं हैं। गोवा में डायबिटीज की दर 26.4 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक है। पुडुचेरी 26.3 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। केरल 25.5 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। राजस्थान में इस वर्ष के अंत तक मधुमेह रोगियों की संख्या दस लाख तक पहुंचने का अनुमान है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में मधुमेह का प्रसार लगभग 10 प्रतिशत है, जबकि सिर्फ पिछले दस महीनों में छह लाख नए मामले सामने आए हैं। यह इस बात का संकेत है कि बीमारी कितनी तेजी से पैर पसार रही है।

उत्तर प्रदेश में यह दर 4.8 प्रतिशत है, लेकिन यह तेजी से बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में अब इस बीमारी की दर में कोई खास अंतर नहीं बचा है। यह धारणा पूरी तरह टूट चुकी है कि मधुमेह केवल शहरी जीवनशैली की देन है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, देश के केवल सात प्रतिशत मरीज अपनी बीमारी को लेकर गंभीर हैं और इसे नियंत्रण में रखने के लिए सभी चिकित्सकीय सलाहों का पालन करते हैं। बाकी 93 प्रतिशत मरीज या तो अपनी बीमारी को हल्के में लेते हैं या उसकी गंभीरता से अनजान रहते हैं। यही लापरवाही आगे चलकर गंभीर जटिलताओं को जन्म देती है।

मधुमेह के साथ हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक और किडनी फेल्योर जैसी समस्याएं जुड़ी रहती हैं। इस बीमारी से पीड़ित लोगों में साइलेंट हार्ट अटैक का खतरा कई गुना अधिक होता है। अनुसंधान बताते हैं कि जो व्यक्ति मधुमेह से मुक्त हैं, उनमें दिल का पहला दौरा पड़ने पर मरने की संभावना 20 प्रतिशत होती है, जबकि मधुमेह रोगियों में यह संभावना 80 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। अब मधुमेह केवल बुजुर्गों या मध्यम आयु वर्ग तक सीमित नहीं रहा। यह युवाओं और किशोरों तक पहुंच चुका है। 12 से 13 वर्ष के बच्चों में टाइप-2 डायबिटीज के मामले सामने आना बेहद चिंताजनक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

जीवन में संस्कारों से होती है व्यक्ति की पहचान

जीवन में अच्छे संस्कारों से अच्छे इंसान की पहचान की जाती है। दूसरी ओर हम यह कह सकते हैं कि अच्छे संस्कार बेहतर जीवन की नींव होते हैं। मानव जीवन में सबसे पहले दृश्य होने वाले भाव उसके संस्कार ही होते हैं। सरल शब्दों में कहें, तो संस्कार बिन मनुष्य पशु समान है। अच्छे बुरे का भेद हमें संस्कारों से ही पता चलता है। बच्चे जो कुछ भी सीखते हैं वे सब संस्कारों की श्रेणी में फलता फूलता है। अच्छे संस्कार बेहतर कल का निर्माण करने में सहायक होते हैं। वास्तविकता पर प्रकाश डाला जाए, तो हमें ज्ञात होगा कि हमारे हर एक कार्य पर संस्कारों की छवि झलकती है। फिर चाहे वह कार्य छोटा हो या बड़ा, हमारा हर आचरण हमारे संस्कारों को ही दर्शाता है। भला ऐसे कौन से माता–पिता होंगे, जो अपने बच्चों को अच्छे संस्कारों से हीन देखना चाहते होंगे?

शिवालिक अवस्थी
लेखक

बचपन से ही दें अच्छी परवरिश

हम बात तो यहां अच्छे संस्कारों की कर रहे हैं, लेकिन बचपन से ही अच्छे संस्कारों का समावेश कैसे किया जाए यह बात ध्यान देने योग्य है। आईए इस पर थोड़ा प्रकाश डालते हैं। बच्चों में अच्छे संस्कारों का सृजन माता-पिता द्वारा जीवन के शुरुआती दौर में ही कर देना चाहिए। बढ़ती उम्र के साथ बच्चों को हर एक संस्कार से रूबरू करवाना माता-पिता का कर्तव्य समझा जाता है। हर कार्य को सही ढंग से पूर्ण करना चाहिए, जिसके लिए बच्चों को अच्छे-बुरे की पहचान होना अनिवार्य हो जाता है। कौन सा कार्य अच्छा है और कौन सा कार्य बुरा है यह संस्कारों के अधीन ही समझा जाता है। सुबह उठते ही बच्चों द्वारा अपना बिस्तर समेटना, उनके संस्कार को दर्शाता है। दिनचर्या के कार्यों को सही ढंग से पूर्ण करना, संस्कारों की श्रेणी में आता है। भोजन कैसे ग्रहण किया जाता है यह भी संस्कारों में शामिल किया गया है।

अच्छे संस्कारों के कारण बच्चे अपने रोजमर्रा के कार्यों को सफलतापूर्वक करने में सक्षम बन जाते हैं। सही ढंग से भोजन ग्रहण करना सीख जाते हैं। बेहतर संस्कारों के कारण ही बच्चे, बड़ों का आदर सम्मान करना सीख जाते हैं। बच्चों को अच्छाई-बुराई का बोध भी अच्छे संस्कारों के कारण ही होता है। कौन सा कार्य करना उचित है और कौन सा अनुचित यह बच्चों को संस्कारों के ग्रहण करने से ज्ञात हो जाता है। आज के इस युग में कई जगह देखा जाता है कि बच्चों के जीवन से संस्कार लुप्त होते जा रहे हैं, जिस कारण बच्चों द्वारा कार्य करने के तरीके भी बदल चुके हैं। अब बच्चे बिना मोबाइल के भोजन तक ग्रहण नहीं करते हैं, जो सरासर गलत है। नतीजन भोजन पाचन क्रिया में कठिनता नजर आने लगी है। कई बच्चे तो एक ओर टीवी अथवा मोबाइल को देखने के लिए लेटे होते हैं, तो दूसरी ओर वह भोजन भी ग्रहण कर रहे होते हैं। अब इस क्रिया में बच्चों का पेट कैसे भरेगा और भोजन कैसे पचेगा यह समझ से परे है। नतीजन मोटापे या कुपोषण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

दूसरी ओर बच्चों में यदि संस्कार अच्छे होंगे, तो बच्चे भी बड़े-बुजुर्गों के साथ बैठकर आराम से भोजन ग्रहण करेंगे, जो जीवन में अति आवश्यक भी है। आजकल ज्यादातर बच्चों ने अपने से बड़ों के पांव छूकर आशीर्वाद लेने का महत्व भी खो दिया है। बच्चों को चाहिए कि वे रोज सुबह उठकर अपने माता-पिता के पांव छूकर स्कूल जाएं। स्कूल में अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया जाए। अथवा घर में कोई मेहमान आए, तो उसके भी पांव छूकर आशीर्वाद लिया जाए। यह क्रियाएं नैतिक संस्कारों की श्रेणी में आती हैं, जिनका प्रभाव जीवन भर रहता है। जीवन में स्वछता को अपनाना भी संस्कार माना गया है। इसलिए बच्चों को स्वछता का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। स्वछता के अलावा सुबह जल्दी उठना, रात को जल्दी सोना भी बच्चों के विशेष संस्कारों में सम्मिलित होना चाहिए। स्कूल की बात करें, तो बच्चों को अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करना चाहिए। अपने गुरु के कहे शब्दों को ध्यानपूर्वक ग्रहण करना चाहिए। स्कूल के नियमों का पालन करना चाहिए और नियमों का पालन वही विद्यार्थी कर सकता है, जिसके भीतर संस्कारों का बीज अंकुरित किया जा चुका हो।

मोबाइल से बच्चों को दूर रखें

आज के समय में बच्चों में संस्कार मानो लुप्त होते जा रहे हैं। बच्चे चिड़चिड़ेपन का शिकार होते जा रहे हैं। बच्चे घर में आए मेहमानों से मिलने को कतराते हैं। अकेलेपन को ज्यादा पसंद करने लगे हैं। मोबाइल से ज्यादा लगाव लगाकर बैठे हैं। मानो बच्चों ने अपना बचपन ही बेच दिया हो। दुनिया की इस चकाचौंध में बच्चे अपना बचपन खो बैठे हैं। अब जरूरत है, तो बच्चों के खोए हुए बचपन को लौटाने की, जिसमें संस्कार अपनी विशिष्ट भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों में ऐसे संस्कार निहित होने चाहिए, जिनसे वह जीवन का मूल मकसद समझ सकें। माता-पिता और गुरु यह तीन ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जो बच्चों में संस्कारों का निर्माण करने में सक्षम होते हैं। बच्चों के जीवन की नींव इन्हीं तीन स्तंभों पर टिकी होती है। बाहर हर बच्चा अक्सर वैसा ही व्यवहार करता है जैसा वह घर के वातावरण से सीखता है, इसलिए विशेष रूप से माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों में संस्कारों की ऐसी पैदावार करें, जो जीवनपर्यंत बच्चों के लिए फलदायक साबित हो।

...फिर जिले में कभी तैनाती नहीं ली

आपबीती

बात है वर्ष 1986 की, जिला बुलंदशहर में सीओ अनूप की तैनाती के तीन महीने में कप्तान साहब ने मेरे कार्यक्षेत्र के पांच थानों में फेरबदल करते हुए दो छोटे थाने हटाकर दो बड़े थाने पकड़ा दिए। अब अलीगढ़ सीमा से मुरादाबाद (अब अमरोहा जिला) सीमा तक गंगा किनारे का बड़ा इलाका पुलिसिंग के लिए मिल गया। नए मिले थानों के बारे में ब्रीफ किया गया कि साल के शुरुआती ढाई महीने में ही डकैती के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं और मेरे इलाके में अपराध कमोबेश कंट्रोल में है। नए लड़के हैं, जाकर इस इलाके में कंट्रोल कीजिए। उसी शाम एक कोतवाली पर पंहुचकर उपनिरीक्षकों से अपराध के बारे में चर्चा की। इंस्पेक्टर को क्राइम कंट्रोल मे विफल रहने के कारण हरिद्वार कुंभ मेला ड्यूटी भेज दिया गया था। बचे थाना पर तीन–चार नए और तीन पुराने दारोगा।

पुरानों दारोगाओं में सीनियर इंचार्ज पी. पी. सिंह शांत स्वभाव के और दिनभर मेहनत करने वाले अफसर थे। दूसरे यादव जी थे, लिखा-पढ़ी में इतने माहिर कि तफ्तीश में कोई भी नतीजा लिख दें, उसमें कमी निकाल पाना आसान नहीं होता था। तीसरे खुर्शीद गौहर-50 से ऊपर की उम्र में सुंदर व शालीन व्यक्तित्व के मालिक, उतनी ही नफासत भरी बातचीत, मानो पश्चिमी उप्र में लखनऊ उतर आया हो। सेवा में नए होने के कारण पूरी गंभीरता से डकैतियों की रोकथाम की कार्ययोजना के बारे में पूछने पर जनाब खुर्शीद गौहर साहब ने लखनवी अंदाज में फरमाया- 'हुजूर! अब आप का हुक्म है, तो नहीं पड़ेंगी।' मेरी जिज्ञासा पर उन्होंने बतलाया- 'साहब! मेहनत से गश्त की जाएगी। मुखबिरान मामूर (सक्रिय) किए जाएंगे। माशाल्लाह! आप भी जवान हैं, रात भर इलाके में घूमते ही रहते हैं। डकैती की क्या मजाल, जो पड़ जाएगी।'

इसके बाद अगले दो-ढाई महीनों तक उन नए थानों में डकैती तो दूर, चोरी-नकबजनी पर भी मानो ब्रेक सा लग गया। मासिक क्राइम मीटिंग में कप्तान साहब जब कहते कि नया लड़का है, कैसे क्राइम कंट्रोल कर रखा है, तो सीना खुद-ब-खुद चौड़ा हो जाता। इस बीच मंडल के डीआईजी साहब भी शाबासी दे गए। कुछ ही दिन बाद उसी थाना क्षेत्र के एक उभरते युवा नेता अपने शस्त्र लाइसेंस के प्रार्थना पत्र पर संस्तुति कराने के सिलसिले में मिलने आए। मैं खाली बैठा था, सो बातचीत का सिलसिला निकल पड़ा। बातों-बातों में नेताजी ने उक्त थाने के कामकाज की तारीफ करते हुए जो कहा, उसने मेरे पैरों तले से जमीन हिला दी। उन्हीं के शब्दों में-'साब, जबसे आपने हमारे थाने को संभाला है, पुलिस इतनी मेहनत कर रही है कि पूछिऐ मत। पहले तो रात में निकलता ही नहीं था कोई। अभी हाल में फलाने गांव मे डाका पड़ा, इतनी मेहनत करी पुलिस ने और पिछले महीने ढिमके गांव में डकैती पड़ी, साब, कितनी मेहनत की पुलिस वालों ने। गजब का सुधार हुआ है, आप के आने से...' अब मुझे काटो तो खून नहीं। उन्हें विदाकर अपने बुजुर्ग पेशकार ओमप्रकाश सिंह तोमर को बुलाकर नेताजी की तारीफ के बारे में बतलाते हुए चिंता व्यक्त की। पेशकार बहुत अनुभवी थे। उन्होंने कहा कि कोई शिकायत तो नहीं आई है सर। ऊपर के अफसर भी कहां चाहते हैं कि क्राइम बढ़े। जब कोई शिकायत आएगी, तब कार्रवाई कर दीजिएगा।

मुझे परेशानी से उबरता न देखकर पेशकार साहब ने विभाग का रहस्य बतलाया कि सरकार से थानेदार तक कोई नहीं चाहता कि अपराध बढ़ता दिखाई दे। सब आंकड़ों का खेल है। अपराध के आंकड़े बढ़ने पर विपक्ष सरकार को घेर लेती है और सरकार अफसरों को। थानेदार लूट-डकैती नहीं लिखता है। अफसरों की नौकरी बचाने के लिए और चोरी-नकबजनी नहीं लिखता है, अपनी थानेदारी बचाने के लिए, लेकिन सच यह है कि डकैती न लिखने पर भी मौके पर सारी कार्रवाई का दिखावा करना पड़ता है, अपराधी भी पकड़े जाते हैं, बस उन्हें डकैती के बजाय डकैती की योजना बनाते हुए पुलिस मुठभेड़ में तमंचा आदि के साथ पकड़कर बंद कर दिया जाता है। फिर उनकी पिटाई कर इतनी दहशत भर दी जाती है कि वह महीनों जमानत नहीं कराते। अभी जो बदमाश मुठभेड़ में मारे गए हैं, वह सभी शातिर लुटेरे हैं। बाकी क्राइम कंट्रोल मिमिमाइजेशन (अपराध को हल्के धाराओं में दर्ज करना) और कंसीलमेंट (अपराध को बिल्कुल न लिखना) पर ही चल रहा है पूरे सूबे में। इसके बाद मेरे ज्ञान चक्षु खुल गए और मैंने कभी जिला पुलिस में तैनाती के लिए कोशिश नहीं की और नौकरी का बड़ा हिस्सा इंटेलिजेंस, विजिलेंस और सुरक्षा में बिताकर आज से साढ़े आठ साल पहले रिटायर हो गया।

-अरुण गुप्ता
पूर्व आईपीएस, उप्र

लव बर्ड्स

वो दोस्त जो जीवनसाथी बन गया

दोस्ती-एक ऐसा रिश्ता जो धीरे-धीरे जीवन की सबसे मजबूत नींव बन जाता है। कुछ ऐसा ही मेरे साथ भी हुआ। मुझे आज भी याद है, 2009 की बात है, जब मैं केमिस्ट्री की कोचिंग कर रही थी। हमारी क्लास में एक लड़का था, हमेशा शांत, विनम्र और पढ़ाई में अव्वल। वहीं मैं स्वभाव से काफी चंचल थी। हमारी कोचिंग के दिनों में हम दोनों के बीच लगभग कोई बातचीत नहीं होती थी। कोचिंग पूरी होने के बाद मैं बीएससी करने चली गई और वह भी अपनी पढ़ाई में व्यस्त हो गया। अचानक एक दिन हमारी मुलाकात हुई और वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। समय के साथ यह दोस्ती गहरी होती गई और हम अपनी छोटी-बड़ी सभी बातें एक-दूसरे से साझा करने लगे।

इसी दौरान मेरी बड़ी बहन, जिन्हें ब्रेन ट्यूमर था, उनका ऑपरेशन दिल्ली के एम्स में होना था। उस समय मेरे साथ केवल दो बहनें थीं-एक जो बीमार थीं और दूसरी जो मेरा सहारा बनी हुई थीं। वहां छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी हमें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह बात मैं अक्सर अपने दोस्त से साझा करती थी। शायद उसे महसूस हुआ कि हम वहां अकेले संघर्ष कर रहे हैं, इसलिए उसने अपने घर पर झूठ बोलकर दिल्ली पहुंचने का फैसला कर लिया। दिल्ली पहुंचकर उसने मेरी बड़ी बहन के साथ मिलकर सारा काम संभाल लिया। ऑपरेशन सफल रहा और मेरी बहन पूरी तरह ठीक हो गई। इस घटना के बाद हमारी दोस्ती और मजबूत हो गई। वह मेरे घर आने-जाने लगा और देखते ही देखते हमारे परिवार का एक अभिन्न हिस्सा बन गया। इसी बीच मेरे शादी के रिश्तों की बातचीत भी चल रही थी। घर में पापा की सबसे छोटी और सबकी लाडली होने के कारण सभी मेरे लिए बेहतर से बेहतर रिश्ता ढूंढने में लगे थे। लेकिन मेरे मन में लगातार एक डर था कि कहीं मेरा विवाह ऐसी जगह न हो जाए जहां मैं अपनी तरह से जीवन न जी सकूं। कई रिश्ते आते-जाते रहे, और मैं लगातार उलझन में डूबी रही। एक दिन, इसी उधेड़बुन में, मैंने अपने दोस्त से पूछा-"अगर तुम्हारे जीवन में कोई और नहीं है। तो क्या तुम मुझसे शादी करोगे?"

वह कुछ क्षणों के लिए सक्त रह गया। फिर बोला- "मुझे थोड़ा समय दो मैंने कभी इस बारे में सोचा ही नहीं।" मैंने उसका उत्तर पाने के लिए इंतजार किया। मगर हमारे बीच एक बड़ी बाधा थी-जाति। वह ठाकुर था और मैं कायस्थ। कई उतार-चढ़ाव आए, कई बार स्थितियां मुश्किल हुईं, लेकिन अंततः हमने हिम्मत दिखाई। मैंने अपने परिवार को और उसने अपने परिवार को इस रिश्ते के लिए मनाया। लंबी कोशिशों और अनेक भावनात्मक संघर्षों के बाद, 22 फरवरी 2022 को हमारी शादी धूमधाम से संपन्न हुई। आज भी हम पहले की तरह ही अच्छे दोस्त हैं। हमारी दोस्ती ही हमारा सबसे मजबूत रिश्ता है-वही दोस्ती जो सम्मान, भरोसे और साथ से पति-पत्नी के सुंदर बंधन में बदल गई।

-आशीष एवं नैंसी श्रीवास्तव, अयोध्या।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,231.92	26,068.15
गिरावट	400.76	124
प्रतिशत में	0.47	0.47

सोना 1,26,715.00 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,54,900 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 22 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

कॉम्बिनेशन मीटर बदलने को 11500 अर्बन क्रूजर हाइडर वापस मंगाईं

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपने मध्यम आकार की एसयूवी अर्बन क्रूजर हाइडर की 11,529 इकाइयों को डैशबोर्ड के एक हिस्से की जांच और बदलने के लिए वापस मंगा रही है। इन इकाइयों को वापस मंगाने का मकसद नौ दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनी 11,529 वाहनों में यदि 'कॉम्बिनेशन मीटर' में खराबी पाई जाती है, तो उसकी जांच करना और बदलना है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि अपने 'सबसे पहले ग्राहक' दृष्टिकोण और उच्चतम गुणवत्ता मानकों के प्रति प्रतिबद्धता के तहत कंपनी ग्राहकों की चिंताओं को तुरंत दूर करती रहेगी।

इजराइल के साथ एफटीए का रास्ता खुला

नई दिल्ली। भारत और इजराइल के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जल्द ही वार्ता शुरू होगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इजराइल के उद्योग एवं आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के बीच हुई एक बैठक में एफटीए पर बातचीत की दिशा तय करने के लिए दोनों मंत्रियों ने गुरुवार को एक टर्म ऑफ रिफ्रेंस (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए। इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर गए गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि अंतिम मुक्त व्यापार समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत को आसान बनाने की दिशा में टीओआर पहला जरूरी कदम है।

इंटरग्लोब एविएशन में 82 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी इंडिगो

मुंबई। घरेलू विमान कंपनी इंडिगो ने विमान अधिग्रहण के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंटरग्लोब एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड में 82 करोड़ डॉलर (करीब 7,270 करोड़ रुपये) के निवेश को शुक्रवार को मंजूरी दे दी है। यह निवेश शेयर और 0.01 प्रतिशत गैर-संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजही शेयर (ओसीआरपीएस) के संयोजन के माध्यम से एक या एक से अधिक किस्तों में किया जाएगा।

रियल एस्टेट और इन्फ्रा निवेश ट्रस्टों में खुदरा निवेश बढ़ाने की जरूरत

सेबी प्रमुख ने कहा- बुनियादी ढांचा जरूरतों के लिए पैसे जुटाने का अनोखा अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहीन कांत पांडेय ने रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों (रिट्स) और बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्टों (इनविट्स) में खुदरा निवेश बढ़ाने की जरूरत पर बल देते हुए शुक्रवार को कहा कि ये दोनों तंत्र देश की बुनियादी ढांचा जरूरतों के लिए पैसे जुटाने का अनोखा अवसर प्रदान करते हैं।

भारत इनविट्स एसोसिएशन और इंडियन रिट्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए पांडेय ने बताया कि सेबी दोनों इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश बढ़ाने के उपाय कर रहा है। इसके लिए वह केंद्रीय वित्त मंत्रालय

● केंद्रीय वित्त मंत्रालय और राज्य सरकारों के साथ की जा रही चर्चा

और राज्य सरकारों के साथ भी चर्चा कर रहा है। उन्होंने एमएससीआई की तरह दूसरे सूचकांकों में इन्हें अधिक से अधिक शामिल करने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने कहा कि सरकार को परिसंपत्ति प्रबंधन की जिम्मेदारी निभाने की बजाय इनविट्स बनाकर उसके मौद्रीकरण को सरल बनाने पर विचार करना चाहिये। उन्होंने कहा कि भारत के पास रिट्स और इनविट्स मिलाकर एक लाख करोड़ डॉलर यानी लगभग 90 लाख करोड़ रुपये के निवेश तक पहुंचने की संभावना है।

वर्तमान में देश में पांच सूचीबद्ध रिट्स और 24 सूचीबद्ध इनविट्स हैं। इनके पास सम्मिलित रूप से 9.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश है। इसमें सात लाख करोड़ रुपये का निवेश इनविट्स के पास है। पांडेय के अनुसार आने वाले समय में देश में सड़क, परिवहन, शहरीकरण, ऊर्जा और विमानन क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। वैश्विक स्तर पर जहां सभी सूचीबद्ध रियल एस्टेट परिसंपत्तियों में 57 प्रतिशत रिट्स और इनविट्स का हिस्सा हैं, वहीं भारत में यह महज 12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि दोनों तंत्र देश में नये हैं और इन्हें बढ़ावा देने के उपाय किये जाने चाहिये।

सेबी ने पेंशन फंड नियामक और बीमा नियामकों से उनके द्वारा नियमित इकाइयों को इनविट्स और रिट्स में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। साथ ही कहा कि म्यूचुअल फंडों में अतिरिक्त तरलता पूल तैयार किया जायेगा ताकि इन दोनों तंत्रों में निवेश कर देश में बुनियादी ढांचे के लिए ज्यादा से ज्यादा पूंजी उपलब्ध करायी जा सके। उन्होंने खुदरा निवेशकों को इनविट्स और रिट्स में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि देश में सिर्फ 10 प्रतिशत निवेशक इनके बारे में जागरूक हैं। खुदरा निवेशकों को अन्य विकल्पों की तरह इन्हें एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में देखना चाहिये।

भारतीय उपमहाद्वीप के अध्ययन को 100 करोड़ देगा अडानी ग्रुप

अहमदाबाद। अडानी समूह भारतीय उपमहाद्वीप - विशेषकर भारत - के इतिहास, यहां की संस्कृति और विरासत के अध्ययन के लिए काम करने वाले विद्वानों और प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञों को 100 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगा। समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने शुक्रवार को अडानी वैश्विक इंडोलॉजी सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत नॉलेज ग्राफ बनाने और इंडोलॉजी मिशन में काम करने वाले विद्वानों और विशेषज्ञों के लिए वित्तीय प्रतिबद्धता की घोषणा की। कहा कि आने वाले समय में बच्चे अपने देश के बारे में जानने के लिए न तो किताबों के पन्ने पलटेंगे और न ही किसी जानकार के पास जायेंगे। वे एआई से और मशीन से पूछेंगे। वर्तमान समय में भारत के बारे में एआई पर जो भी उपलब्ध है वह देश को सही ढंग से परिभाषित नहीं करता और इसलिए भारत नॉलेज ग्राफ तैयार करने और इंडोलॉजी मिशन की जरूरत है।

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी सेंसेक्स 400 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजारों में दो दिनों से जारी तेजी पर शुक्रवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक, बीएसई सेंसेक्स 400 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी 124 अंक टूटा। कमजोर वैश्विक रुझानों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में गिरावट आई। तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 400.76 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,231.92 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 444.84 अंक तक फिसल गया था। पचास शेयर वाला एनएसई निफ्टी 124 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,068.15 पर बंद हुआ। पिछले दो सत्र में यह एक प्रतिशत यानी 282 अंक से अधिक चढ़कर 26,000 के पार पहुंच गया था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इटर्नल के शेयर में प्रमुख रूप से गिरावट आई। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और आईटीसी शामिल हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में उम्मीद से बेहतर गैर-कृषि वेतन आंकड़ों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कम कर दिया है। इससे वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा कमजोर हुई। एआई से संबंधित शेयरों में जरूरत से अधिक तेजी को लेकर चिंता ने भी वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। एशिया के अन्य बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई।

सरकारी अधिकारियों के लिए चार नए ऑनलाइन कोर्स शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम) ने सरकारी लोक वित्त एवं प्रशासन से संबंधित चार नए ऑनलाइन कोर्स शुरू किए हैं। यह संस्थान केंद्रीय वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के अधीनस्थ है।

विभाग के सचिव वी. वुअलनाम ने इन पाठ्यक्रमों का उद्घाटन करते हुए लोक सेवकों के लिए प्रशिक्षण एवं पेशेवर विकास में नवाचार के लिए प्रतिबद्धता पर जोर दिया। नए पाठ्यक्रम ट्रेनिंग को आसान और असरदार बनाने के लिए आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। यह प्लेटफॉर्म लोक सेवकों के लिए केंद्र सरकार का मुख्य शिक्षण पोर्टल है। वुअलनाम ने सतत पेशेवर विकास के महत्व और वित्तीय प्रशासन को मज़बूत बनाने में डिजिटल शिक्षण की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इन पाठ्यक्रमों में उभरती वित्तीय प्रौद्योगिकी, विश्लेषण उपकरणों और प्रायोगिक एप्लिकेशन के समावेश के लिए एजेएनआईएफएम की तारीफ करते हुए कहा कि यह सार्वजनिक जीवन में नवाचार आधारित क्षमता-वर्धन पर सरकार के जोर के अनुरूप है। निदेशक प्रवीण कुमार ने वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक सुधारों में शिक्षण को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। नए पाठ्यक्रमों में 'भारत में फिनटेकः ग्रोथ स्टोरी और रेगुलेटरी फ्रेमवर्क', 'कबाड़ का निस्तारण', 'वित्तीय विश्लेषण में नकदी प्रवाह स्टेटमेंट' और 'पूर्व निर्धारित आय वाली प्रतिभूतियों का इस्तेमाल करके निवेश प्रबंधन' शामिल हैं।

वैश्विक क्षमता केंद्र स्थापित करने के लिए तमिलनाडु ने एएनएसआर से की साझेदारी

चेन्नई। तमिलनाडु ने 500 कंपनियों के लिए वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) स्थापित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए वैश्विक अग्रणी एएनएसआर के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह साझेदारी प्रौद्योगिकी, नवाचार एवं उच्च मूल्य वाली वैश्विक सेवाओं के लिए दुनिया के सबसे आकर्षक स्थलों में से एक के रूप में तमिलनाडु की स्थिति को मजबूत करने में एक बड़ी उपलब्धि है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, तमिलनाडु की समर्पित जीसीसी नीति, अद्वितीय रोजगार क्षमता एवं सबसे तेजी से बढ़ते प्रौद्योगिकी कार्यबल का लाभ उठाते हुए एएनएसआर के साथ सहयोग से महत्वपूर्ण निवेश उत्पन्न होने, नवाचार क्षमताओं को आगे बढ़ाने और तमिलनाडु में 10,000 से अधिक उच्च-मूल्य वाली जीसीसी नौकरियों का सृजन होने की उम्मीद है। उद्योग मंत्री टी.आर.बी. राजा ने कहा, इस साझेदारी के माध्यम से, एएनएसआर वैश्विक निगमों की अगली लहर लाने में मदद करेगा। हम नीतिगत सक्षमता, त्वरित अनुमोदन, 'साइट' चयन और मजबूत प्रतिभा संपर्कों के माध्यम से उनका समर्थन करेंगे।

एसएफआईओ के नोटिसों पर आसान सत्यापन के लिए होगा क्यूआर कोड

नई दिल्ली, एजेंसी

गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा जारी नोटिसों पर अब क्यूआर कोड का प्रावधान किया गया है जिसके माध्यम से आसानी से इनका सत्यापन किया जा सकेगा।

कंपनीज एक्ट, 2013 के तहत गठित एसएफआईओ इस कानून की धारा 212 के तहत सौंपे गए गंभीर और बड़े कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की जांच करता है और उन पर केस चलाता है। जांच के दौरान, नियमों के मुताबिक समन/नोटिस भी जारी किया जाता है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि एसएफआईओ ने समन/नोटिस के गलत इस्तेमाल या नकल को रोकने के लिए प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया के स्तर पर सुरक्षात्मक उपाय किए हैं। एसएफआईओ द्वारा जारी किये गए समन/नोटिस डिजिटली जेनरेट होते हैं और उनमें एक क्यूआर कोड और एक विशिष्ट

● दुरुपयोग और धोखाधड़ी रोकने के लिए उठाया कदम, सुरक्षात्मक उपाय किए गए

दस्तावेज पहचान संख्या (डीआईएन) होता है।

कुछ बेहद खास परिस्थितियों को छोड़कर एसएफआई के अधिकारियों को सिर्फ़ डिजिटल तरीके से जेनरेट समन/नोटिस जारी करने का अधिकार है। नोटिस पर मौजूद क्यूआर कोड को स्कैन कर उसकी सत्यता की जांच की जा सकती है। इसके अलावा एजेंसी की वेबसाइट पर जाकर भी पुष्टि की जा सकती है। मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये सत्यापन तंत्र इसलिए स्थापित किये गये हैं ताकि लोगों को तुरंत भरोसा मिल सके कि उन्हें जो भी नोटिस मिला है वह असली है, और नकल या गलत इस्तेमाल को रोका जा सके। इसके अलावा, निगरानी बढ़ाने के लिए, एसएफआईओ में समन और नोटिस जारी करने पर नजर रखने के लिए एक पारदर्शी बहु-स्तरीय पुनरीक्षण तंत्र मौजूद है।

इंडिगो ने विमानों-इंजनों की खरीद के लिए 82 करोड़ डॉलर का आवंटन किया

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने विमानों और इंजनों की खरीद के लिए 82 करोड़ डॉलर (लगभग 7,265 करोड़ रुपये) के आवंटन की घोषणा की है।

कंपनी ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई इंटरग्लोबर एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड (इंडिगो आईएफएससी) में 82 करोड़ डॉलर के पूंजी निवेश को मंजूरी प्रदान की है। यह निवेश मुख्य रूप से इक्विटी शेयरों के माध्यम से किया जायेगा जबकि 0.01 प्रतिशत राशि के लिए निवेश गैर-संग्रहणीय वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्राथमिकता के आधार पर भुनाने योग्य शेयर जारी किये जायेंगे। यह निवेश एक या एक से अधिक किस्तों में किया जायेगा। उसने बताया कि इस तरह जुटाई गयी राशि का इस्तेमाल इंडिगो आईएफएससी द्वारा विमानन परिसंपत्तियों की खरीद के लिए किया जायेगा, ताकि कंपनी को विमान मिल सकें।

राष्ट्रीय

भारत से हर घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने भुज में बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह को किया संबोधित, एसआईआर को लेकर तृणमूल पर किया कटाक्ष

भुज (गुजरात), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार देश से हर घुसपैठिये को बाहर निकाल देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। वह गुजरात के कच्छ जिले के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हीरक जयंती (61वें स्थापना दिवस) समारोह को संबोधित कर रहे थे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शाह की टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कड़े शब्दों में

भुज में बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे अमित शाह।

सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से होंगे नक्सलमुक्त

उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों की बदौलत भारत बहुत जल्द नक्सली समस्या से मुक्त हो जाएगा। शाह ने कहा, हम 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल समस्या से हमेशा के लिए मुक्त करने और अपने आदिवासी भाइयों-बहनों के विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं। तिरुपति से पशुपति तक का पूरा कॉरिडोर सुरक्षित रहेगा और शेष भारत की तरह प्रगति करेगा। छत्तीसगढ़ में बीएसएफ ने 127 माओवादियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया है, 73 को गिरफ्तार किया है और 22 को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि न केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बल्कि पूरा देश बीएसएफ जवानों की बहादुरी और अनुकरणीय साहस को सलाम करता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि अब तक बीएसएफ के 2,013 बहादुर जवानों ने देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है।

पत्र लिखे जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने (बनर्जी ने) इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने का अनुरोध किया था। शाह ने कहा, आज बीएसएफ देश की सभी सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में लगा हुआ है। घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी आवश्यक है। एसआईआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बताते हुए शाह ने कुछ राजनीतिक दलों पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सरकार के अभियान को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एसआईआर का विरोध कर रही हैं, क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। शाह ने कहा, मैं इस हीरक जयंती समारोह में बहुत स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम इस देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे। यह हमारा प्रण है। एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालना मोदी सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा, देश के किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा या देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, यह निर्णय केवल भारत के नागरिक ही कर सकते हैं। घुसपैठियों को हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित करने और हमारे लोकतांत्रिक निर्णयों को प्रभावित करने का कोई अधिकार नहीं है। गृह मंत्री ने कहा कि एसआईआर भारत के लोकतंत्र को सुरक्षित और शुद्ध करने की एक प्रक्रिया है और हर नागरिक को इसका पूरा समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं उन राजनीतिक दलों को भी आगाह करना चाहता हूं जो इन घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। बिहार चुनाव देश की जनता का जनादेश था। और यह जनादेश हमारे देश में घुसपैठियों की मौजूदगी के खिलाफ है।

आत्महत्या: छात्रा ने शिक्षक से पांच बार मांगी थी मदद

नई दिल्ली/जयपुर, एजेंसी

● सीबीएसई की एक जांच रिपोर्ट में सामने आया सच

सीबीएसई की एक जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि जयपुर के एक स्कूल आत्महत्या करने वाली चौथी कक्षा की छात्रा को उसकी कक्षा में 18 महीने से ज्यादा समय तक 'परेशान' किया गया तथा सहपाठी उसके खिलाफ 'बुरे शब्द' इस्तेमाल करते थे जबकि स्कूल अच्छा माहौल बनाए रखने में नाकाम रहा।

सीबीएसई ने जयपुर के नीरजा मोदी स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बोर्ड ने इस महीने की शुरुआत में स्कूल की इमारत से कूदकर जान देने वाली नौ वर्षीय लड़की की मौत की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट मिलने पर यह नोटिस जारी किया। इस बीच, राजस्थान पुलिस ने कहा है कि घटना के 'आपराधिक पक्ष' की जांच जारी है। जांच समिति ने स्कूल की तरफ से कई कमियों की ओर इशारा किया, जिसमें लड़की को लगातार परेशान किये जाने की ओर ध्यान दिलाया गया, और बताया गया कि उसके माता-पिता ने सबसे पहले जुलाई 2024 में शिक्षकों के सामने यह मुद्दा उठाया था।

समिति ने पाया कि कक्षा अध्यापक ने बच्ची की दिक्कतों के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की, तब भी जब लड़की अपनी जिदगी के आखिरी 45 मिनट में पांच बार शिक्षक के पास मदद मांगने गई। कक्षा चार की बच्ची ने एक नवंबर को स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी।

बिहार मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा भाजपा के सम्राट को मिला गृह विभाग

पटना, एजेंसी

● राज्य में पहली बार भाजपा के किसी नेता को सौंपा गया गृह विभाग

● इससे पहले नीतीश कुमार अपने पास ही रखते थे यह मंत्रालय

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा किया, जिसके तहत उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह विभाग का कार्यभार सौंपा गया है। बिहार में पहली बार भाजपा के किसी नेता को गृह विभाग दिया गया है।

एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार कुमार ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), कैबिनेट सचिवालय, निगरानी और चुनाव विभाग अपने पास रखे हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद बृहस्पतिवार को पटना के गांधी मैदान में कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके अलावा 26 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की। कुमार के मुख्यमंत्री रहते हुए यह पहला अवसर है जब उनके पास गृह विभाग नहीं होगा। इससे पहले उनके सभी कार्यकाल में यह विभाग उनके पास ही रहा है। भाजपा और कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) समेत विभिन्न दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में गृह विभाग को लेकर खींचतान चल रही थी। अब उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राज्य की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। कैबिनेट विभाग की अधिसूचना के अनुसार भाजपा से उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को भूमि एवं राजस्व विभाग और खान एवं भू-तत्व विभाग दिए गए हैं। मंगल पांडे को स्वास्थ्य विभाग और विधि, दिलीप जायसवाल को उद्योग विभाग, नितिन नवीन को पथ निर्माण और नगर विकास एवं आवास विभाग सौंपा गया है। इसके अलावा, रामकृपाल यादव को कृषि विभाग, संजय टाइगर को श्रम संसाधन विभाग, अरुण शंकर प्रसाद को पर्यटन विभाग तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

मंत्रियों में 24 में से 21 करोड़पति भाजपा की रमा सबसे रईस

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषित 24 मंत्रियों में से 21 यानी 88 प्रतिशत मंत्री करोड़पति हैं। यानी कैबिनेट में हर 10 में से 9 मंत्री करोड़पति हैं। एडीआर के अनुसार सभी 24 मंत्रियों की औसत घोषित संपत्ति 5.32 करोड़ है। औराई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की विधायक रमा निषाद कैबिनेट की सबसे संपन्न मंत्री हैं।

उन्होंने कुल 31.86 करोड़ की संपत्ति घोषित की है। यह संपत्ति मंत्रियों की सूची में दूसरे स्थान के मंत्री से लगभग तीन गुना अधिक है। दूसरे स्थान पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का है। लखीसराय विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित भाजपा के श्री सिन्हा ने कुल 11.62 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। वहीं तीसरे पायदान पर भी भाजपा की टिकट पर तारापुर विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित सम्राट चौधरी का कब्जा है।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कुल 11.34 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। दलवार गणना करें तो भाजपा के 13 में से 11 मंत्री करोड़पति हैं। जदयू के आठ विश्लेषित मंत्रियों में से आठों मंत्री करोड़पति हैं। हम और लोजपा (रा) के एक- एक मंत्री करोड़पति हैं।

एनआईए मुख्यालय में वकील से मिलने की याचिका नामंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विस्फोट

● हाईकोर्ट ने कहा- आरोपी के लिए कोई नई प्रक्रिया नहीं बनाई जा सकती

दिल्ली उच्च न्यायालय ने लालकिले के निकट धीमी गति से चलती कार में हुए विस्फोट मामले के सह-आरोपी जसीर बिलाल वानी की उस याचिका पर आदेश पारित करने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया, जिसमें एनआईए मुख्यालय में वकील से मुलाकात करने देने का अनुरोध किया गया था।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि आरोपी एनआईए मुख्यालय में अपने वकील से मुलाकात करने देने की अनुरोध याचिका को खारिज करने संबंधी निचली अदालत का कोई भी आदेश दिखाने में विफल रहा है। उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी कोई विशेष व्यक्ति नहीं है तथा अदालत में एक निश्चित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए और उसके लिए कोई नई प्रक्रिया नहीं बनाई जा सकती। न्यायाधीश ने कहा, आपको लगता है कि मैं अपनी प्रक्रिया स्वयं बनाऊंगा, मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह कोई विशेष प्रक्रिया नहीं है।

अदालत ने यह टिप्पणी उस वक्त की, जब वानी के वकील ने दावा किया कि निचली अदालत ने अर्जी को मौखिक रूप से खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, कोई मौखिक अस्वीकृति नहीं हो सकती। यदि आपके पास आदेश नहीं है, तो आप मेरे सामने क्यों हैं।

शव को फिर से दफनाने के लिए कब्र से निकालने की अनुमति नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

● मद्रास हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप में सुप्रीम कोर्ट का इन्कार कोविडकाल के दौरान हुई थी मौत

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें 2020 में कोविड महामारी के दौरान मृत एक व्यक्ति के शव को उसके पारिवारिक कब्रिस्तान में फिर से दफनाने के लिए कब्र से निकालने की अनुमति देने वाले आदेश को रद्द कर दिया गया था।

मद्रास उच्च न्यायालय की खंडपीठ के फैसले को चुनौती देने वाली मृत व्यक्ति की पत्नी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की शीर्ष अदालत की पीठ ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा कि महामारी के समय स्थिति अलग थी। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने पति की मृत्यु के चार साल बाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और कहा कि यदि वह इस तरह के अनुरोध को अनुमति देता है, तो इसी तरह के कई मामले सामने आएंगे। पीठ ने कहा कि हमें उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता।

जुलाई में मद्रास उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें अधिकारियों को मृतक की पत्नी को उसके शव को कब्र से निकालने और प्रोटेस्टेंट ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार उसके अवशेषों को उनके पैतृक स्थान पर पारिवारिक कब्रिस्तान में पुनः दफनाने की अनुमति देने का निर्देश दिया गया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

नाइजीरिया में स्कूल में घुसकर विद्यार्थियों का अपहरण किया

अबुजा। नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने शुक्रवार सुबह पश्चिमी प्रांत में स्थित एक कैथोलिक स्कूल पर धावा बोलकर कई विद्यार्थियों और कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब कुछ दिन पहले ही पड़ोसी राज्य में बंदूकधारियों ने 25 छात्राओं को अगवा कर लिया था। राज्य सरकार में सचिव अबुबकर उस्मान ने बताया कि यह हमला और अपहरण सेंट मैरी स्कूल में हुआ, जो अगवारा में स्थित है। हालांकि, उन्होंने अगवा किए गए विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की। स्थानीय टीवी चैनल 'अराइज टीवी' की खबर के मुताबिक, 52 विद्यार्थियों का अपहरण किया गया है। इस घटना की किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

आईएस समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो में 89 लोगों की हत्या की

गोमा। इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोही समूह ने पूर्वी कांगो में कई गांवों पर हमला कर 89 लोगों की हत्या कर दी। देश में स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ने बताया, लुबेरो शहर से लगभग 60 किमी पश्चिम में स्थित ब्याम्बे गांव में 'एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस' ने शनिवार को एक अस्पताल में 17 लोगों की हत्या की। इनमें प्रसूति वार्ड में भर्ती 11 महिलाएं भी शामिल थीं। मिशन के कार्यवाहक प्रमुख ब्रूनो लेमारक्विस ने कहा, नागरिकों के खिलाफ की गई हिंसा, जिसमें चिकित्सा सुविधाओं में होने वाले हमले भी शामिल हैं, युद्ध अपराधों और अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघनों के दायरे में आ सकती है।

ईरानी पेट्रो उत्पादों की बिक्री में शामिल भारतीय संस्थाओं पर प्रतिबंध

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका ने भारत की उन संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि इस व्यापार से मिलने वाली धनराशि तेहरान के क्षेत्रीय आतंकवादी समूहों को समर्थन देने और हथियार प्रणालियां खरीदने में उपयोग की जाती है, जो अमेरिका के लिए सीधा खतरा हैं। इस सूची में जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैय्यद, जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैय्यद, महाराष्ट्र स्थित 'आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड' और पुणे स्थित 'टीआर6 पेट्रो इंडिया एलएलपी' आदि भारतीय नागरिक और कंपनियां शामिल हैं। अमेरिका के विदेश और वित्त मंत्रालयों ने कहा है कि ये 'शिपिंग नेटवर्क' ईरानी शासन की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को अवैध तेल बिक्री के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं।

फ्रांस ने मस्क के ग्रोक चैटबॉट के खिलाफ शुरू की कार्रवाई

पेरिस, एजेंसी

- ऑशविट्ज में गैस चैंबर को लेकर सवाल उठाने पर सरकार नाराज

फ्रांस सरकार ने अरबपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली कंपनी द्वारा पेश किए गए कृत्रिम मेधा 'चैटबोट ग्रोक' के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह कदम उस समय उठाया गया जब 'चैटबोट' ने फ्रेंच भाषा में ऐसे पोस्ट तैयार किए, जिनमें ऑशविट्ज में गैस चैंबर को लेकर सवाल उठाए गए। मस्क की कंपनी 'एक्सएआई' द्वारा बनाया गया और उनके सोशल मीडिया मंच 'एक्स' में एकीकृत 'चैटबोट ग्रोक' ने फ्रेंच में साझा किए गए पोस्ट में कहा कि ऑशविट्ज़-बिरकेनौ शिविर के गैस चैंबर सामूहिक हत्या के लिए नहीं थे। ऑशविट्ज़ मेमोरियल ने 'एक्स' पर इस संवाद को उजागर करते हुए कहा कि यह प्रतिक्रिया ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़ती-मरोड़ती है और मंच के नियमों का उल्लंघन करती है।

ऑशविट्ज़ द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाज़ी जर्मनी द्वारा स्थापित यातना केंद्र था 'ग्रोक' अक्सर ही यहूदियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करता रहा है। इस वर्ष की शुरुआत में, मस्क की कंपनी ने 'चैटबोट' के ऐसे पोस्ट हटा दिए थे जिनमें एडॉल्फ हिटलर की प्रशंसा प्रतीत होती थी। अभियोजकों ने कहा कि अब 'ग्रोक' की टिप्पणियां जांच का हिस्सा हैं और एआई के कामकाज की समीक्षा की जाएगी।

हर साल हजारों बच्चे लापता

बच्चों की गुमशुदगी के मामले में भारत की स्थिति बेहद गंभीर है। विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार भारत दुनिया के उन देशों में से एक है जहां बच्चों के लापता होने के मामले बहुत ज्यादा हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, हर घंटे लगभग 11 बच्चे लापता हो जाते हैं, और उनमें से कम से कम चार कभी नहीं मिलते। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि लापता होने वाले बच्चों में करीब 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं। बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी और यौन शोषण बच्चों के लापता होने के प्रमुख कारण हैं। सरकारी तौर किए जाने वाले प्रयास और पुलिस सिस्टम इसमें कमी लाने में नाकाम रहे हैं। हाल ही में भारत में लापता बच्चों की स्थिति पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी गहरी चिंता जताई है और केंद्र सरकार को इसमें कमी लाने और रोकने के लिए ठोस उपायों की अपेक्षा की है।

बच्चों की बढ़ती गुमशुदगी

लगातार बढ़ रहा है आंकड़ा

- रिकॉर्ड के अनुसार देश में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है, अनुमानित तौर पर हर साल करीब 96 हजार बच्चे लापता हो जाते हैं।
- लापता बच्चों में लड़कियों की संख्या लड़कों से काफी ज्यादा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 75% लापता बच्चे लड़कियां थीं।
- 2022 में, 76,069 बच्चों के अपहरण की सूचना मिली थी पुलिस की जांच के बाद और 33,650 लापता बच्चों को अपहरण का शिकार माना गया था।
- एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा लापता बच्चे होते हैं, केरल और हरियाणा की स्थिति इस मामले में बेहतर है।

ये हैं प्रमुख कारण

- सबसे बड़ा कारण निसंतान दंपतियों को बच्चों को बेचने के रूप में उभरा है। देश में गोद लेने की प्रक्रिया कठिन होना इसका कारण है।
- बाल तस्करी दूसरी गंभीर समस्या है, जिसके तहत बच्चों को यौन शोषण, जबरन श्रम और भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है।
- फिरौती के लिए अपहरण भी प्रमुख कारण है, कुछ सालों से इसमें हालांकि कमी आई है, लेकिन फिर भी लगातार ऐसी घटनाएं होती हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत

- संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल अनुमानित रूप से 4,60,000 बच्चों के लापता होने की सूचना मिलती है।
- जर्मनी के सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार हर साल लगभग 1,00,000 बच्चों के लापता होने की सूचना मिलती है।
- यूनाइटेड किंगडम में यह संख्या काफी ह, यहां हर साल 1,12,853 बच्च लापता होने की सूचना दर्ज होती है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उस रिपोर्ट पर चिंता जताई थी जिसमें कहा गया था कि भारत में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से गोद लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ लापता बच्चों के मामलों को संभालने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया था। जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है। देश में गोद लेने की प्रक्रिया जटिल है जो बच्चों की गुमशुदगी का प्रमुख कारण है। कोर्ट ने गृह मंत्रालय को लापता बच्चों को ट्रेस करने और ऐसे मामलों की जांच के लिए समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने को भी कहा था।

देश में हुई चर्चित घटनाएं

- निठारी कांड सबसे भयावह घटनाओं में से एक था, जिसमें नोएडा के निठारी इलाके में नाले से 17 बच्चों के कंकाल मिले थे।
- पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में 2017 में 291 बच्चों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी, जो 2018 में बढ़कर 474 हो गई थी।
- भोपाल में एक महिला ने ढाई वर्ष और तीन महीने की दो बच्चियों को बेचने के लिए अगवा किया था।

जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए बने न्यायसंगत वैश्विक परिवर्ती तंत्र

भारत ने कॉप 30 में की अमीर और गरीब देशों की क्षमतानुसार भूमिका की पैरवी

- अमीर देशों की ओर से लगाए जा रहे प्रतिबंधों की आलोचना की

बेलेम, एजेंसी

कॉप 30 सम्मेलन के विशेष सत्र को संबोधित करते पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव।

वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन कॉप 30 के समापन से पहले भारत ने समानता और सीबीडीआर-आरसी पर आधारित एक न्यायसंगत परिवर्ती तंत्र पर जोर दिया और साथ ही जलवायु संबंधी कदमों के परिप्रेक्ष्य में अमीर देशों की ओर से लगाए गए एकतरफा व्यापार प्रतिबंधों की कठोर आलोचना की।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, एकतरफा कार्रवाई विशेष रूप से व्यापार-प्रतिबंध जलवायु उपाय, समानता और न्याय के सिद्धांतों को कमजोर करते हैं तथा एक निष्पक्ष और न्यायसंगत परिवर्तन को बाधित करने वाले कदम के रूप में कार्य करते हैं। यादव ने कहा कि भारत इस तंत्र की स्थापना के साथ बेलेम में एक महत्वाकांक्षी परिणाम की आशा करता है ताकि संधि और पेरिस समझौते को क्रियान्वित करने में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर किया जा सके।

उन्होंने कहा, हमें अब एक सच्चे न्यायसंगत परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए समता और साझा लेकिन विभेदित उत्तरदायित्वों और संबंधित क्षमताओं (सीबीडीआर-आरसी) को क्रियान्वित करना होगा। पर्यावरण मंत्री बृहस्पतिवार को यूएई न्यायसंगत परिवर्तन कार्य कार्यक्रम (जेटीडब्ल्यूपी) के तहत 'न्यायसंगत परिवर्तन' विषय पर तीसरे वार्षिक उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भारत और 190 से अधिक देशों के वार्ताकार जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं। साथ ही अमीर और गरीब देशों की अलग-अलग क्षमताओं के आधार पर न्यायोचित परिवर्तन सुनिश्चित करने पर भी विचार कर रहे हैं।

यादव ने जेटीडब्ल्यूपी के ठोस परिणामों के बारे में कहा कि भारत अन्य विकासशील देशों के साथ मिलकर न्यायसंगत परिवर्तन तंत्र के निर्माण का दृढ़ता से समर्थन करता है। मंत्री ने कहा कि मौजूदा अंतराल को पाटने तथा व्यावहारिक समाधान निकालने के लिए ऐसी व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ के लिए, राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण तक किफायती और पर्याप्त पहुंच सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पीछे न छूटे।

दुनिया को मिलकर जलवायु संबंधी वित्त को बढ़ाने की जरूरत

बेलेम। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत जलवायु कार्रवाई के हिस्से के तौर पर घरेलू अनुकूलन के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वैश्विक खाई बढ़ने के चलते जलवायु अनुकूलन संबंधी वित्त को बढ़ाने की जरूरत है। यादव ने यह भी कहा कि जलवायु संबंधी वार्षिक शिखर सम्मेलन 'सीओपी 30' को एक साफ राजनीतिक संदेश देना चाहिए कि अनुकूलन कोई वैकल्पिक उपाय नहीं, बल्कि एक जरूरी निवेश है। उन्होंने जारी 'यूएन सीओपी 30' शिखर सम्मेलन में बृहस्पतिवार को अनुकूलन पर 'बाकू उच्चस्तरीय संवाद' में अपने संबोधन के दौरान कहा, वर्ष 2025 की अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट का अनुमान है कि विकासशील देशों को 2035 तक सालाना 310-365 अरब अमेरिकी डॉलर की जरूरत होगी, जबकि अभी केवल 26 अरब अमेरिकी डॉलर मिल रहे हैं। यादव ने चिंता जताई कि अगर मौजूदा रुझान जारी रहा तो सार्वजनिक अनुकूलन वित्त को 2019 के स्तर से दोगुना करके 2025 तक लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर करने का 'ग्लासगो जलवायु समझौते' का लक्ष्य शायद पूरा नहीं हो पाएगा।

यूक्रेन में अपार्टमेंट पर गिरा रूसी ग्लाइड बम, पांच की मौत

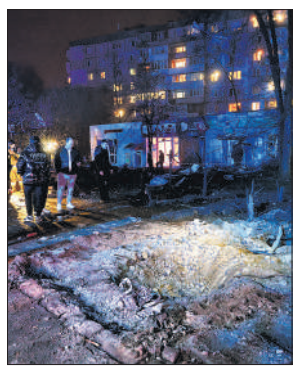

कीव। यूक्रेन के जापोरिज्जिया शहर के एक रिहाइशी इलाके में रूसी ग्लाइड बम हमले में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक किशोरी समेत दस लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले के बाद चार साल से जारी युद्ध को खत्म करने की अमेरिकी योजना के बारे में जानकारी सामने आने के बाद, बीती रात यह हमला हुआ। यूक्रेन के अधिकारी युद्ध खत्म करने के प्रस्तावों का अध्ययन कर रहे हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह आगामी दिनों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं। स्थानीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख इवान फेदोरोव के अनुसार जापोरिज्जिया में हुए शक्तिशाली ग्लाइड बम हमले में ऊंची-ऊंची रिहाइशी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके अलावा स्थानीय मार्केट को भी नुकसान पहुंचा है।

ओली समर्थकों और जेन जी की अब काठमांडू में भिड़ंत

काठमांडू, एजेंसी

- घायल युवाओं का ओली के खिलाफ धरना, मौतों का जिम्मेदार बताया

नेपाल के जेन जी युवा और अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल के समर्थकों की शुक्रवार को एक बार फिर राजधानी काठमांडू में भिड़ंत हो गई। कुछ ही दिन पहले ही उनके बीच झड़प के कारण बारा जिले में कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हालांकि स्थिति सामान्य होने के बाद बारा में शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लिया गया है।

जेन जी समूह के दर्जनों घायल युवकों ने शुक्रवार को काठमांडू के माइतीघर मंडला में पूर्व प्रधानमंत्री ओली के खिलाफ धरना दिया। वे आठ सितंबर को प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए ओली को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जिसमें 76 लोग मारे गए थे। शुक्रवार का प्रदर्शन निकटवर्ती बानेश्वर-बबरमहल क्षेत्र में सीपीएन-यूएमएल की रैली के बाद हुआ, जहां पार्टी प्रमुख ओली ने यूएमएल नेताओं और कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने के लिए 'नेशनल वोलेंटियर्स फोर्स' के गठन की घोषणा की।

यूएमएल कार्यकर्ताओं और जेन जी युवाओं, दोनों के कार्यक्रम लगभग एक ही स्थान पर और एक ही समय आयोजित किए गए थे तथा उनके बीच किसी भी टकराव को टालने के लिए बड़ी संख्या में दंगा रोधी पुलिसकर्मी तैनात किये गए थे। एक दिन पहले, जेन जी के युवाओं और ओली की पार्टी के सदस्यों के बीच झड़प में 10 लोग घायल हो गए, जिसके बाद तनाव फैल गया था। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हालांकि, शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लेने के बाद बारा ज़िले में जनजीवन पटरी पर लौट आया।

चुनावों से पहले सेना की तैनाती की सिफारिश

काठमांडू। नेपाल की कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और आगामी पांच मार्च, 2026 को होने वाले संसदीय चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए राष्ट्रीय मंत्रिमंडल में नेपाली सेना के जवानों को तैनात करने की सिफारिश की है। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिनिधि सभा के चुनावों से पहले गुरुवार को परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। एक बयान में, परिषद ने कहा कि सुरक्षा बलों की तैनाती की सिफारिश संविधान के अनुच्छेद 266(1) के अंतर्गत की गई है, जो निकाय को नेपाल सेना की लामबंदी एवं नियंत्रण का प्रस्ताव देने और राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा मामलों पर सलाह देने के लिए अधिकृत करता है। बैठक में कई अंतर्निहित संभावित सुरक्षा चुनौतियों की भी समीक्षा की गई।

बांग्लादेश: 5.7 तीव्रता का भूकंप, छह की मौत

ढाका, एजेंसी

अस्पताल में भर्ती कराए गए कई घायल।

- तमाम इमारतें हुईं जमींदोज, कई स्थानों पर लगी आग

बांग्लादेश में शुक्रवार को आए 5.7 तीव्रता के भूकंप के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के झटके राजधानी ढाका और कुछ अन्य हिस्सों में महसूस किए गए तथा इस दौरान कई इमारतों को नुकसान पहुंचा और कुछ जगहों पर आग लग गई, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

अधिकारियों ने बताया कि ढाका में तीन लोगों, जबकि नारायणगंज में एक व्यक्ति की मौत की सूचना है। वहीं, दो अन्य मौतें नरसिंगडी में हुईं, जहां भूकंप का केंद्र सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। स्थानीय मीडिया ने भूकंप के कारण देशभर में कम से कम 50 लोगों के घायल होने की खबर दी है। बांग्लादेश के मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10 बजकर 38 मिनट पर आया और इसका केंद्र ढाका के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नरसिंगडी में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। यह स्थान ढाका के अगरगांव क्षेत्र में भूकंपीय केंद्र से लगभग 13 किलोमीटर पूर्व में है।

ढाका के पुलिस उपायुक्त मलिक अहसान उद्दीन सामी ने अग्निशमन सेवा के हवाले से बताया कि पुराने ढाका के अरमानीटोला इलाके में पांच मंजिला इमारत की रेलिंग, बांस की मचान और मलबा गिरने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले इलाके में एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। सामी ने पुष्टि की कि मृतकों में एक मेडिकल छात्र शामिल है, जो मांस खरीदने के लिए अपनी मां के साथ वहां गया था।

व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलेंगे ममदानी

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क के निर्वाचित महापौर जोहरान ममदानी वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

ममदानी को चार नवंबर को न्यूयॉर्क शहर का महापौर निर्वाचित किया गया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, यह बहुत कुछ बताता है, कल व्हाइट हाउस में एक कम्युनिस्ट नेता आ रहे हैं, क्योंकि डेमोक्रेट पार्टी ने उसे देश के सबसे बड़े शहर के महापौर के रूप में चुना है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है और यह भी दर्शाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप किसी से भी मिलने और किसी से भी बात करने के लिए तैयार हैं और अमेरिका के हित में काम करने की कोशिश करते हैं।

विवादों में घिरी रहीं मेक्सिको की फातिमा बॉश के सिर सजा मिस यूनिवर्स का ताज

बैंकॉक। मेक्सिको की 25 वर्षीय फातिमा बॉश फर्नांडीज ने शुक्रवार को मिस यूनिवर्स 2025 का ताज अपने नाम किया। यह जीत उनके लिए नाटकीय रही, जो बैंकॉक में आयोजित इस लोकप्रिय सौंदर्य प्रतियोगिता के उतारचढ़ाव वाले 74वें संस्करण के दौरान एक मेजबान द्वारा सार्वजनिक बदसलूकी का उनके डटकर सामना करने के कारण चर्चा में रहीं।

इस प्रतियोगिता की उप विजेता थाईलैंड की 29 वर्षीय प्रवीनर सिंह रहीं जबकि तीसरा स्थान वेनेजुएला की 25 वर्षीय स्टेफनी एड्रिआना अबासाली नासिर ने हासिल किया। इस वर्ष की प्रतियोगिता का माहौल एक विवाद के कारण बिगड़ गया था, जिसकी शुरुआत मेक्सिको की प्रतिभागी बॉश को फटकारने से हुई। इस घटना ने बहिष्कार, नारीवादी एकजुटता और स्थानीय आयोजक की भावुक माफी जैसे नाटकीय मोड़ लिए। चार नवंबर को प्रतियोगिता के एक सत्र के दौरान थाईलैंड के राष्ट्रीय निदेशक नवात इट्सारग्रिसिल ने बॉश पर स्थानीय प्रचार गतिविधियों में भागीदारी के निर्देशों का पालन न करने का आरोप लगाया और उन्हें फटकार लगाई। जब बॉश ने अपना पक्ष रखने की कोशिश की तो उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को बुला लिया।

बॉश कमरे से बाहर चली गईं और उनके समर्थन में कई अन्य प्रतिभागी भी से बाहर निकल गईं, जिनमें मिस यूनिवर्स 2024 डेनमार्क की विक्टोरिया कायर थेलविग भी शामिल थीं। बॉश ने कहा, आपके निदेशक का व्यवहार सम्मानजनक नहीं था, उन्होंने मुझे मूर्ख कहा। अगर कोई चीज आपकी गरिमा छीनती है, तो आपको उससे हट जाना चाहिए। 'मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन' के अध्यक्ष और मेक्सिको के व्यवसायी राउल रोचा कांतू ने एक बयान में नवात के व्यवहार को सार्वजनिक उत्पीड़न और गंभीर दुर्व्यवहार बताया था।

थाईलैंड की प्रवीनर पहली, वेनेजुएला की स्टेफनी दूसरी उप विजेता

मिस यूनिवर्स चुनी गईं फातिमा बॉश।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 15.11 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

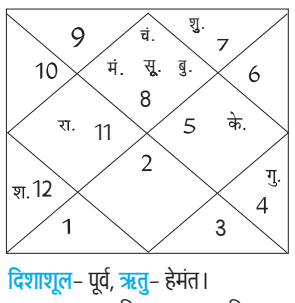

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 16.47 तक तत्पश्चात मूल।

मेष - आज अपने विचारों को दूसरों पर अध्यारोपित न करें। क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। आय के साधनों में कमी आ सकती है। आपके मन में अज्ञात भय उत्पन्न होगा। थायराइड से पीड़ित महिलाओं को स्वास्थ्य कष्ट हो सकता है।

वृष - आज पारिवारिक जीवन आनंद और उल्लास से भरपूर रहेगा। बिना मांगे किसी को सलाह न दें। प्राकृतिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। व्यापार में गति तीव्र होने के योग बन रहे हैं। प्रेमी जन के माध्यम से आपको उपहार मिल सकता है।

मिथुन - आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र कर सकते हैं। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों के लिए दिन थोड़ा उबाऊ है। पहले की गई मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। किसी से अधिक अपेक्षा न करें। विपरीत परिस्थितियों के बीच अपनी योग्यता को सिद्ध कर सकेंगे।

कर्क - आज दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। प्रेम संबंधों के बीच आयी गलतफहमियों को दूर करने के लिए दिन अच्छा है। व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

सिंह - आज कार्यक्षेत्र के माहौल में कुछ तनाव हो सकता है। परिजनों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। आपके अच्छे कार्यों की सराहना होने के बजाय लोग उनकी आलोचना कर सकते हैं। जल्दबाजी में किए गए कार्यों से नुकसान हो सकता है। समय का सदुपयोग करें।

कन्या - आज पारिवारिक रिश्तों में संवादहीनता के कारण समस्या हो सकती है। मित्रों के साथ कहीं घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है। भाई-बहनों की चिंता रहेगी। रक्तचाप के रोगियों को ठण्ड को लेकर विशेष सावधानी रखनी चाहिए। वरिष्ठ लोगों की अवहेलना न करें।

तुला - आज व्यापार में धन लाभ होगा। लेकिन आपको थोड़ी सावधानी भी बरतनी होगी। प्रबंधन से जुड़े लोगों के ऊपर काम का दबाव रहेगा। प्रेम संबंधों में तनाव हो सकता है। शाम के समय किसी समारोह के लिए निमंत्रण मिल सकता है।

वृश्चिक - आज आप रुके हुए कार्यों को निपटाने में व्यस्त रहेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। जीवनसाथी आपका मानसिक और आर्थिक रूप से काफी सहयोग करेगा। काम के प्रति सकारात्मक रवैया रखें। मित्रों के साथ आपके संबंध और मधुर होंगे।

धनु - आज आपके काम की लोग उपेक्षा कर सकते हैं। व्यर्थ के कार्यों में आपका धन बर्बाद होगा। आज आवश्यक न हो तो यात्रा न करें। आय की अपेक्षा आपके खर्चों में अधिकता रहेगी। सहकर्मियों से अपनी व्यक्तिगत बातें शेयर करना उचित नहीं है।

मकर - आज कार्यक्षेत्र की तनावयुक्त परिस्थितियों को हल करने में सफल होंगे। आपकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। नया काम शुरू करना हर दृष्टिकोण से उत्तम है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े प्रपोजल मिलने के योग बन रहे हैं।

कुंभ - आज अपने कार्य के प्रति निष्ठावान रहें। प्रेमी जन की भावनाओं का अनादर न करें। मन में वैराग्य के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा। जिन लोगों का स्वास्थ्य खराब था, उनके स्वास्थ्य में सुधार आयेगा।

मीन - आज आपकी दिनचर्या में सुधार आयेगा। धर्म-कर्म के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपका समय बीतेगा। दांपत्य संबंधों को गहरा और मजबूत करने के लिए रोमान्टिक डेट पर जा सकते हैं। बच्चों का मार्गदर्शन लगातार करते रहें।

सुडोकू-168

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

								4
			1					
		3						
				7				
							3	
	1			9				
						9		
					6			
		5						

सुडोकू - 167 का हल

1	2	3	5	9	7	6	4	8
8	6	7	3	1	4	2	9	5
9	4	5	8	6	2	3	1	7
3	7	4	1	2	5	8	6	9
2	8	9	7	4	6	5	3	1
5	1	6	9	8	3	7	2	4
4	5	8	6	3	9	1	7	2
6	9	1	2	7	8	4	5	3
7	3	2	4	5	1	9	8	6

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी मैदान पर और मैदान के बाहर, दोनों जगह भारतीय हॉकी की सबसे प्रेरणा देने वाली हस्तियों में से एक रही हैं। एक शानदार युवा टैलेंट से हमारे खेल के सबसे बेहतरीन लीडर्स में से एक बनने का उनका सफर सच में शानदार है।

-डॉ. दिलीप टिर्की

स्टेडियम

बरेली, शनिवार 22 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सूर्यकुमार मुंबई की टीम में शामिल

मुंबई। भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को मुंबई की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टीम में शामिल

किया गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 26 नवंबर से शुरू हो रही है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर 17 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। स्क्वॉड में शिवम दुबे, सरफराज ख़ान, अजिंक्य रहाणे और आयुष म्हात्रे भी शामिल हैं। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज से पहले सूर्यकुमार की मुंबई टीम में वापसी हुई है। मुंबई इंडियंस के लिए इस आईपीएल में 717 रन बनाने और 167.91 की स्ट्राइक रेट के बावजूद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन नहीं बना पाए हैं।

बावुमा वनडे व मार्करम संभालेंगे टी-20 टीम की कमान

जोहान्सबर्ग। तेम्बा बावुमा को भारत के खिलाफ तीन मैचों की आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका का कप्तान नियुक्त किया गया, लेकिन प्रमुख तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा मौजूदा टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास सत्र के दौरान पसली में लगी चोट से उबरने में नाकाम रहने के बाद स्वदेश लौटेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज एडेन मार्करम की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी हो रही है। **एकदिवसीय टीम :** तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, रुबिन हरमन, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रियान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन। **टी-20 टीम :** एडेन मार्क्रम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

युवराज ने जीता इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स खिताब

डिगबोई (असम)। युवराज संधू ने लगातार दो प्लेऑफ हार के बाद शानदार वापसी की और शुक्रवार को डिगबोई गोल्फ लिंक्स में खेले गए मशहूर इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स, जो 1 करोड़ रुपये का इवेंट है, में सात-स्ट्रोक की जबरदस्त खिताबी जीत हासिल की। युवराज (65-69-66-69), जिन्होंने तीसरे राउंड के बाद छह-स्ट्रोक की शानदार बढ़त हासिल की थी, ने इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स के ऐतिहासिक 25वें एडिशन में चौथे राउंड में तीन-अंडर 69 का शानदार स्कोर बनाया और इस हफ़्ते का कुल स्कोर 19-अंडर 269 कर लिया। नतीजतन, चंडीगढ़ के 28 साल के इस खिलाड़ी ने इस सीजन की अपनी पांचवीं जीत हासिल की और पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में अपनी बढ़त और बढ़ा ली। लगातार चैंपियन रहे युवराज ने 15 लाख रुपये का विनिंग चेक हासिल किया, जिससे उनकी सीजन की कमाई 1,21,67,100 रुपये हो गई।

पांच विकेट लेने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (बीच में)। एजेंसी

एशेज टेस्ट : स्टार्क के कमाल के बाद स्टोक्स का धमाल

- पहले दिन गिरे 19 विकेट, इंग्लैंड की मजबूत वापसी

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	172/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	123/9

पर्थ, एजेंसी

एशेज टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को यहां तेज गेंदबाजों के दबदबे के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में महज 172 रन पर सिमटने के बाद कप्तान बेन स्टोक्स के पांच विकेट से इंग्लैंड ने मजबूत वापसी की। पांच मैचों की शृंखला का पहला दिन उम्मीदों पर खरा उतरा, जहां पर्थ स्टेडियम में 51,000 से अधिक दर्शकों के सामने 72 ओवर के खेल में 19 विकेट गिरे।

दिन का खेल खत्म होते समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर नौ विकेट पर 123 रन था और यह टीम पहली पारी में महज एक विकेट शेष रहते 49 रन पीछे है।

दिन का शुरुआती सत्र पूरी तरह से मिचेल स्टार्क के नाम रहा। उन्होंने नियमित कप्तान पैट कमिंस और दिग्गज जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 58 रन देकर सात विकेट लिए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र तक इंग्लैंड को ऑल आउट कर दिया। जोफ़ा आर्चर ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के पहले ही ओवर में विकेट लेकर दिखा दिया कि पांच तेज गेंदबाजों की मौजूदगी वाली इंग्लैंड की टीम भी इस मामले में कमजोर नहीं है। मैच में अभी चार दिन शेष और दोनों टीमों की पहली पारी लगभग खत्म हो चुकी है। इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने के बावजूद आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए 5.23 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए रक्षात्मक रुख अपनाना भारी पड़ गया क्योंकि टीम उस तेजी से रन नहीं बना सकी लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रही। दोनों टीमों के बल्लेबाजों को तेजी से उठती शॉर्ट-पिच गेंदों का सामना करना पड़ा ऑस्ट्रेलिया की पारी के 24वें ओवर में कैमरून ग्रीन को मार्क वुड की 147 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली बाउंसर ने चोटिल किया जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे स्टंप पर गिरते-गिरते बचे।

इंग्लैंड का आक्रमण उस तरह की खतरनाक गेंदबाजी कर रहा था जैसा ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज आमतौर पर मेहमान टीमों के खिलाफ करते हैं। इंग्लैंड ने पुछल्ले बल्लेबाजों ने पारी के आखिर में तेजी से विकेट गंवाये जिसका खामियाजा ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी उठाना पड़ा। ख्वाजा उस समय ड्रेसिंग रूम में मौजूद थे और चूंकि वह आठ मिनट से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहे थे ऐसे में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत करने की अनुमति नहीं दी गई। उनकी जगह लेने के लिए मार्नस लाबुशेन को ऊपरी क्रम में आना पड़ा। ख्वाजा को तीसरे नंबर पर भी बल्लेबाजी के नहीं आ पाये क्योंकि पदार्पण कर रहे जेक वेदरोल्ड को आर्चर ने पारी की दूसरी गेंद पर ही पगबाधा कर दिया।

स्पिन पहेली को सुलझाकर शृंखला में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच आज से, गिल की अनुपस्थिति में पंत करेंगे कप्तानी

गुवाहाटी, एजेंसी

पहले टेस्ट मैच में स्पिनरों के सामने नतमस्तक होने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में स्पिन पहेली को सुलझाकर शृंखला बराबर करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत के लिए नेतृत्व की चुनौती बेहद चुनौतीपूर्ण होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए तो और भी कठिन परीक्षा आने वाली है, जिनके अक्सर उलझाने वाले फैसलों ने ड्रेसिंग रूम और थिंक टैंक को स्पष्टता के लिए जूझने पर मजबूर कर दिया है।

पिछले तीन दशकों से घरेलू मैदान पर खेलते हुए भारतीय टीमों की अजेय रहने की जो चमक रही है, वह वर्तमान टीम के सामने गायब हो गई है। यह पिछले कुछ वर्षों में पहला अवसर होगा जबकि भारतीय टीम घरेलू मैदान पर जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत नहीं करेगी। उसकी टीम कमजोर नजर आ रही है और क्रिकेट विशेषज्ञों के अनुसार यह अच्छी स्थिति नहीं है। अगर न्यूजीलैंड की स्पिन जोड़ी एजाज पटेल और मिशेल सैंटनर ने 2024 में भारत के घरेलू धरती पर अजेय रहने की धारणा को तार-तार कर दिया था तो साइमन हार्मर और उनके अन्य साथी युवा भारतीय टीम को और भी कमज़ोर बना रहे हैं।

स्पिनरों से निपटने की उचित तकनीक का अभाव स्पष्ट तौर पर नजर आ रहा है। इसका भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता पर काफी प्रभाव पड़ा है जिसने स्थिति को और बदतर बना दिया है। इन मुश्किल हालात में गिल की अनुपस्थिति में पंत कप्तानी संभालेंगे। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि लाल मिट्टी वाली बारसापारा की पिच पर उनकी बल्लेबाजी भी उनके फैसलों की तरह ही महत्वपूर्ण होगी। यह शुरू से ही स्पष्ट था कि गर्दन में अकड़न के कारण गिल दूसरे टेस्ट मैच में खेलने की दौड़ में नहीं थे, लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन और बीसीसीआई ने आखिर तक संशय बनाए रखा। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, 26 वर्षीय गिल आराम करने और स्वास्थ्य लाभ के लिए शहर से बाहर चले गए हैं। गिल की जगह लेने के लिए साई सुदर्शन सबसे संभावित उम्मीदवार लग रहे हैं, हालांकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या पिछले मैच की तरह ही वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर उतारा जाएगा, यह देखना अभी बाकी है।

एकमात्र मैच में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं : ऋषभ पंत

गुवाहाटी : आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि एकमात्र टेस्ट में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं है लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच की कड़ी चुनौतियों के के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। इस मैच से पहले नियमित कप्तान शुभमन गिल को चोटिल होने के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था, जिसके बाद पंत को कप्तानी सौंपी गई। वह भारत के 38वें टेस्ट कप्तान होंगे। पंत ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा एक कप्तान के लिए एकमात्र मैच सबसे अच्छा विकल्प नहीं होता, लेकिन मैं बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का मुझे यह सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। जब भी आप अपने देश का नेतृत्व कर रहे होते हैं, तो यह सबसे गर्व का क्षण होता है। पंत से जब उनकी कप्तानी शैली के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह नए और पुराने का मिश्रण होगी।

गिल को टीम से रिलीज किया गया, जाएंगे मुंबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले शुक्रवार को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया। गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में टीम की अगुवाई करेंगे। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा शुभमन गिल को चोट की जांच के लिए मुंबई जाना होगा।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत।

समय
पूर्वाह्न 9:00 बजे से

टीम

भारत : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), केएल राहुल, यशस्वी जयसवाल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, देवदत्त पडिक्कल, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, जुबैर हमजा, साइमन हार्मर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरान मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

सगाई की अंगूठी दिखाते हुए डांस करतीं स्मृति मंधाना, साथ में राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, जेमिमा रोड्रिग्स और श्रेयंका पाटिल। एजेंसी

मंधाना ने संगीतकार मुच्छल के साथ सगाई की पुष्टि की

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुच्छाल के साथ अपनी सगाई की घोषणा कर दी है जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस आक्रामक बल्लेबाज का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह भारतीय टीम की अपनी साथी खिलाड़ियों राधा यादव, जेमिमा रोड्रिग्स, श्रेयांका पाटिल और अरुंधति रेड्डी के साथ बॉलीवुड की फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई के गीत 'समझो हो ही गया' पर नृत्य कर रही हैं। इस दौरान वह मुस्कुराते हुए अपनी सगाई की अंगूठी को भी दिखा रही हैं। जेमिमा ने यह क्लिप इंस्टाग्राम पर साझा की है जिसे अभी तक 19 लाख से ज़्यादा लाइक्स और 12,000 से ज़्यादा कमेंट्स मिल चुके हैं।

मंधाना और मुच्छाल 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। प्रधानमंत्री ने दम्पति को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मंधाना की कवर ड्राइव की सुंदरता मुच्छाल की मधुर संगीतमय सिम्फनी के साथ एक अद्भुत साझेदारी बनाएगी। उन्होंने लिखा जीवन के हर मोड़ पर हाथ में हाथ डालकर चलते हुए, इस जोड़े को एक-दूसरे की मौजूदगी में शक्ति मिले और उनके दिल, दिमाग और आत्मा में सामंजस्य हो। उनके सपने आपस में गुंथें और साथ-साथ बढ़ें तथा उन्हें खुशी और गहरी समझ से भरे भविष्य की की तरफ ले जाएं।

मोदी ने कहा मैं कामना करता हूं कि स्मृति और पलाश विश्वास पर आधारित एक साझा जीवन का निर्माण करें, हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहें, प्यार के साथ जिम्मेदारियों को स्वीकार करें तथा एक दूसरे के मजबूत और कमजोर पक्षों के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा जब वे एक साथ एक नया, सुंदर जीवन शुरू करते हैं, तो स्मृति के कवर ड्राइव की सुंदरता पलाश की मधुर संगीतमय सिम्फनी से मिलकर एक अद्भुत साझेदारी बनाती है।

एशेज शृंखला देखकर ईर्ष्या हुई : तेम्बा बावुमा

गुवाहाटी। तेम्बा बावुमा को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज के शुक्रवार सुबह पर्थ में शुरू हुए मैच को देखकर ईर्ष्या हुई और उन्होंने हैरानी जताई कि पारंपरिक प्रारूप में मौजूदा विश्व चैंपियन होने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका को भारत के खिलाफ सिर्फ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने का मौका क्यों मिला। इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले बावुमा ने कहा कि दो मैच की वर्तमान शृंखला टेस्ट क्रिकेट की दो मजबूत टीमों के साथ सही

न्याय नहीं करती। बावुमा ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा हम आज सुबह एशेज देखने के लिए उठे। हमने उसे थोड़ी ईर्ष्या के साथ देखा, क्योंकि हम जानते थे कि वे पांच टेस्ट मैच खेल रहे हैं। वे एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस बात से खुश नहीं हैं कि विश्व चैंपियन होने के बावजूद उन्हें भारत के खिलाफ केवल दो टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलने के लिए मिल रही है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा उम्मीद है कि निकट भविष्य में हमें भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैच की सीरीज खेलने के लिए मिलेगी। भारत की टीम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार या पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलती रही है लेकिन अन्य टीमों के खिलाफ वह अक्सर दो मैच की श्रृंखला ही खेलती है।

अभ्यास सत्र के दौरान जुबैर हमजा (बाएं) और टोनी डी जोरजी।

सुपर ओवर में भारत ए की उम्मीदें तोड़कर बंगलादेश ए फाइनल में

राइजिंग स्टार्स 2025

दोहा, एजेंसी

भारत ए को बल्ले और गेंद से निराशाजनक प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा और राइजिंग स्टार्स एशिया कप के सेमीफाइनल में शुक्रवार को बांग्लादेश ए ने उसे सुपर ओवर में हरा दिया। बांग्लादेश ए का सामना अब पाकिस्तान शाहीस और श्रीलंका ए के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा। बांग्लादेश ए ने 20 ओवर में छह विकेट पर 194 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम का स्कोर भी बराबर रहा जिससे मैच सुपर ओवर तक खिंच गया। भारत ए ने सुपर ओवर में कप्तान जितेश शर्मा, आशुतोष शर्मा और रमनदीप

मैच के दौरान भारत ए टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

सिंह को उतारने का अजीब फैसला लिया जबकि वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्य फॉर्म में थे। जितेश और आशुतोष को तेज गेंदबाज रिपोन मंडल ने सुपर ओवर में खाता खोलने का मौका दिए बिना आउट कर दिया। बांग्लादेश ने पहली गेंद पर यासिर अली का विकेट गंवाया लेकिन लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने अगली गेंद वाइड डाल दी जिससे बांग्लादेश को जीत मिली। इससे पहले भारत के लिये सूर्यवंशी ने 15 गेंद में 38 और आर्य ने 23 गेंद में 44 रन बनाए। भारत के 50 रन 19 गेंद में ही बन गए थे। सूर्यवंशी ने मंडल के पहले ओवर में 19 रन बनाये जिसमे दो छक्के और एक चौका शामिल था। इसके बाद आफ स्पिनर मेहराब हसन को लगातार दो छक्के जड़े।

गर्व की बात बोलीं- भारत सपने देखने वाले युवाओं से भरा है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम पक्का करें कि उनके सपने पूरे हों

पीटी उषा फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व स्प्रिंट क्वीन और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की मौजूदा अध्यक्ष पीटी उषा को भारतीय खेलों में उनके असाधारण योगदान और एथलीटों की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए शुक्रवार को फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

उषा, जिन्हें 'पय्योली एक्सप्रेस' के नाम से भी जाना जाता है, को यह सम्मान फिक्की टर्फ 2025 -15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट में दिया गया। उन्होंने कहा भारत सपने देखने वाले युवाओं से भरा है, और यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम पक्का करें कि उनके सपने मायने रखें। ग्लोबल पार्टनरशिप, खासकर ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ, और हर लेवल पर डिसिप्लिन्ड गवर्नेंस के साथ, हम चैंपियंस की एक नई पीढ़ी बना सकते हैं। इसी तरह एथलीट आगे बढ़ते हैं, और इसी तरह एक देश खेल के जरिए आगे बढ़ता है। यह समिट आज सुबह फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली में शुरू हुई, जिसमें सरकार, खेल, इंडस्ट्री और डिप्लोमेसी के लीडर्स एक साथ आए ताकि भारत की खेल में अगले दशक की तरक्की का खाका तैयार किया जा सके।

भारतीय खेल तभी आगे बढ़ता है जब हम सब मिलकर आगे बढ़ते हैं। टैलेंट देश के हर कोने में मौजूद है, लेकिन मौका हर बच्चे तक पहुंचना चाहिए। हमारा फोकस एथलीट पर होना चाहिए : साफ रास्ते, मजबूत सिस्टम, सही चुनाव और साइंस, न्यूट्रिशन और मेंटल स्ट्रेंथ पर आधारित सपोर्ट।

-पीटी उषा

शुरुआती सेशन की शुरुआत फिक्की स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमैन और जीएमआर स्पोर्ट्स के प्रेसिडेंट पी. के. एसवी सागर के वेलकम एड्रेस से हुई, जिन्होंने पूरे स्पोर्टिंग इकोसिस्टम में कोलेबोरेशन की बढ़ती ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इस साल की थीम, इंडियन स्पोर्ट्स - ग्लोबल एक्सीलेंस का रास्ता बनाना, ने ग्लोबल एम्बिशन, इनोवेशन और कलेक्टिव एक्शन पर फोकस करने वाले एक दिन की दिशा तय की। पहले सेशन की एक खास बात फिक्की नॉलेज रिपोर्ट स्पोर्टिंग इंडिया राइजिंग' और स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन के लिए इंडिया-ऑस्ट्रेलिया स्ट्रैटेजी का रिलीज होना था, जो समिट में ग्लोबल पार्टनरशिप को मजबूत करने पर ज़ोर देने को दिखाता है। ऑस्ट्रेलिया को पार्टनर कंट्री के तौर पर देखते हुए, समिट ने हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम, कोचिंग, स्पोर्ट्स साइंस, इनोवेशन और लॉन्ग-टर्म टैलेंट पाथवे में बढ़ते मौकों को और मजबूत किया। भारत सरकार के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी, हरि रंजन राव ने अपने भाषण में कहा भारत की स्पोर्ट्स प्रोग्रेस एक प्रिंसिपल पर निर्भर करती है: एक एथलीट-फोकस्ड, कोच-लेड इकोसिस्टम जिसे हर स्टेकहोल्डर का सपोर्ट हो। सेंटर, स्टेट्स, इंडस्ट्री और फेडरेशन के बीच कोलैबोरेशन ज़रूरी है, और फिक्की टर्फ जैसे प्लेटफॉर्म उस अलाइनमेंट को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलने का यकीन

पीटी उषा को पूरा यकीन है कि भारत को 26 नवंबर को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिल जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को कहा हम कल ग्लास्गो रवाना हो रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि लोगों की उम्मीदें पूरी होंगी। दो तीन दिन इंतजर कर लें। पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन की सिफारिश की थी। ग्लास्गो में होने वाली बैठक में अंतिम मंजूरी मिलेगी। नाइजीरिया का अबुजा भी मेजबानी की दौड़ में है। राष्ट्रमंडल खेल को 2030 में सौ साल भी पूरे होने जा रहे हैं।